शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करना सही नहीं: प्रियांक खड़गे @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-214

राष्ट्रपति बाइडेन के शीर्ष अफसरों से क्यों मिले थे राहुल गांधी?

अमेरिका में हुई गुप्त बैठकों पर कांग्रेस की चुप्पी क्यों?

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा और उनके एनजीओ ग्लोबल नॉलेज इनिशिएटिव रॉकफेलर फाउंडेशन सहित यूएस स्टेट डिपार्टमेंट, यूएसएआईडी से फंड मिलता है। रॉकफेलर फाउंडेशन के वर्तमान उपाध्यक्ष सैम पित्रोदा ही हैं, जो पहले अमेरिकी सरकार में सलाहकार भी रह चुके हैं। इससे कांग्रेस और अमेरिका के बीच खुफिया मिलीभगत के तार जुड़ते हैं। इससे राहुल गांधी और सैम पित्रोदा के अमेरिकी डीप स्टेट से लिंक मिलते हैं।

साल 2023 में राहुल गांधी के वाशिंगटन दौरे के दौरान छपी एक रिपोर्ट में राहुल गांधी की प्रशंसक सीमा सिरोही ने यह जिक्र किया था कि राहुल गांधी की व्हाइट हाउस में गोपनीय बैठक हुई थी जिसे बाइडन प्रशासन और कांग्रेस ने गुप्त रखने का निर्णय लिया था। इस सूचना का कांग्रेस ने आज तक खंडन नहीं किया। सीमा सिरोही को यह जानकारी कांग्रेस के आईटी और डिजिटल धंधे के मुखिया प्रवीण चक्रवर्ती ने दी थी, जो राहुल गांधी के अमेरिका दौरे में साथ थे।

3 जून 2023 को प्रवीण चक्रवर्ती ने एक अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी के समक्ष इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी कि राहुल गांधी ने वास्तव में व्हाइट हाउस और बाइडेन प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की थी और कई बैठकें की थीं। वे बहुत

राहुल गांधी और सैम पित्रोदा के अमेरिकी डीप-स्टेट लिंक

शुभ-लाभ चिंतन

सौहार्दपूर्ण बैठकें थीं। उन बैठकों का वास्तव में बड़ा उद्देश्य था। रेखांकित करने की बात है कि वर्ष 2021 में राहुल गांधी ने हार्वर्ड केनेडी स्कूल के राजदूत निकोलस बर्न्स के साथ एक ऑनलाइन बातचीत के दौरान भारत में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्हें उस समय हार्वर्ड केनेडी स्कूल के इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स से बुलाया गया था।स्पष्ट है कि बाइडेन के अधिकारियों के साथ राहुल गांधी ने क्या बातें की होंगी। प्रवीण चक्रवर्ती ने कहा था कि राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से बात की थी। इन जानकारियों से बहुत प्रश्न खड़े होते हैं। राहुल गांधी गुप्त बैठक के लिए व्हाइट हाउस क्यों गए थे? उन बैठकों की सूचना गोपनीय क्यों रखी गई? कांग्रेस पार्टी ने बाइडेन प्रशासन के साथ राहुल गांधी की बैठकों के विषय को क्यों छुपाया? राहुल गांधी ने भारत में लोकतंत्र को संरक्षित करने के बारे में क्या बात की? और कांग्रेस ने इस जानकारी को सार्वजनिक मंच पर आज तक क्यों नहीं रखा? कांग्रेस इन सवालों के जवाब नहीं देगी क्योंकि ऐसा करने पर कांग्रेस को ऐसे प्रश्नों का सामना करना होगा, जिसका जवाब कांग्रेस के पास नहीं होगा। इससे राहुल गांधी के यूएस डीप स्टेट के साथ मिलीभगत वाले लिंक खुल सकते हैं।

हमास कमांडर के मारे जाने के दूसरे ही दिन फिर बड़ा धमाका

इज़राइल पर हमले का मास्टरमाइंड मारा गया

तेल अवीव, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान की राजधानी तेहरान में हमास कमांडर इस्माइल हानिया के मारे जाने के दूसरे ही दिन हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ के मारे जाने की खबर भी दुनिया के सामने आई। मोहम्मद दइफ की मौत एक एयर स्ट्राइक में हुई। अक्टूबर में इज़राइल पर हुए हमास आतंकियों के हमले का मास्टर माइंड मोहम्मद दईफ ही था।

इज़राइल ने कहा है कि हमास का शीर्ष सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ मारा जा चुका है। मोहम्मद दइफ की मौत एक एयर स्ट्राइक में हुई। इज़राइल की सेना ने गुरुवार को एक बयान जारी कर बताया कि हमास का सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ पिछले दिनों एक एयर स्ट्राइक हमले में मारा गया था। यह एयर स्ट्राइक गाजा के दक्षिणी इलाके खान यूनिस में की गई थी। इज़राइली सेना का यह बयान हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत के एक दिन बाद ही आया है। हानिया का बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी।

हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ के मरने की पुष्टि हुई

इज़राइली सेना बताया कि उन्हें कुछ घंटे पहले ही खुफिया जानकारी मिली है कि मोहम्मद दइफ की पिछले दिनों मौत हो चुकी है। इज़राइली सेना ने खान यूनिस इलाके में स्थित एक कंपाउंड को निशाना बनाकर 13 जुलाई को एयर स्ट्राइक की थी। इसी हमले में मोहम्मद दइफ मारा गया।

इज़राइली सेना को सूचना मिली थी कि इस कंपाउंड में मोहम्मद दइफ आया था। दइफ के आने की सूचना पर ही कंपाउड पर हवाई हमला किया गया था, लेकिन हमले में दइफ मारा गया या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो पाई थी। अब पुष्टि होने पर इज़राइली सेना ने इसे बड़ी कामयाबी बताया है। इज़राइल के एक मंत्री ने कहा है कि हमास का खात्मा अब नजदीक है। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला, पुराना फैसला खारिज

आरक्षण के लिए दलितों का उप-वर्गीकरण कर सकते हैं राज्य

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्य को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की संविधान पीठ ने गुरुवार को बहुमत से यह फैसला दिया। संविधान पीठ ने 2004 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए पांच जजों के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी/एसटी में उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिए एक फैसले में कहा कि राज्यों के पास अधिक वंचित जातियों के उत्थान के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में उप-वर्गीकरण करने की शक्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी के भीतर उप-वर्गीकरण को बरकरार रखा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राज्यों को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने की अनुमति दी जा सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन समूहों के भीतर और अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाए।

एक जज ने फैसले में दर्ज कराई अपनी असहमति

जस्टिस बेला त्रिवेदी ने बाकी जजों से असहमति जताते हुए आदेश पारित किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमने ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए फैसले को खारिज कर दिया है। उप वर्गीकरण अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि उपवर्गों को सूची से बाहर नहीं रखा गया है। फैसला पढ़ते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि, वर्गों से अनुसूचित जातियों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मानदंड से ही पता चलता है कि वर्गों के भीतर विविधता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 15, 16 में ऐसा कुछ भी नहीं है जो राज्य को किसी जाति को उप-वर्गीकृत ▶10पर

होने वाला है भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

10 देशों की वायुसेना हिस्सा लेगी
18 देशों के विशेषज्ञ रहेंगे पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना की पहली मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति इस साल अगस्त-सितंबर में आयोजित की जाएगी। इस सबसे बड़ी एयर एक्सरसाइज में अमेरिका, यूके, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस सहित 10 देशों की वायु सेनाएं और 18 देश पर्यवेक्षक के तौर पर हिस्सा लेंगे। वायुसेना के सीनियर अधिकारियों के मुताबिक इस अभ्यास में भारत समेत लगभग 30 देशों की भागीदारी होगी और भारतीय वायुसेना समेत बाकी देशों के लगभग 150 विमान शामिल होंगे। ▶10पर

स्वाति मालीवाल के साथ सीएम के घर में हुई मारपीट का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने विभव के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा

मुख्यमंत्री आवास में गुंडे कौन रखता है?

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री के आवास के अंदर मारपीट और अभद्र आचरण किए जाने के मामले में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीएस विभव कुमार की जमानत अर्जी पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास में एक महिला के साथ हुए ऐसे बर्ताव पर शर्म आती है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, क्या सीएम आवास गुंडे पालने के लिए है। विभव कुमार ने गुंडे की तरह काम किया और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में घुसा। उसने तब भी महिला पर हमला किया, जबकि उसने अपनी शारीरिक स्थिति बता दी। कोर्ट ने पूछा कि एक महिला पर हमला करते हुए क्या उसे शर्म नहीं आई? ऐसे गुंडे और अभद्र व्यक्ति की पैरवी इन मामलों के विशेषज्ञ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने की।

एक महिला के साथ ऐसे बर्ताव पर क्या आपको शर्म नहीं आती?

सिंघवी ने आरोपी विभव के पक्ष में तर्क दिए। सिंघवी के समक्ष ही सुप्रीम कोर्ट पीठ ने घटना पर चिंता जताई। जस्टिस सूर्यकांत ने सिंघवी से कहा, हमें विभिन्न मामलों का हवाला न दें, क्योंकि यहां किस तरह से घटनाक्रम हुआ वह हमारी चिंता का कारण है। आपको एक महिला से ऐसा बर्ताव करते शर्म नहीं आई? हम कॉन्ट्रैक्ट किलर, हत्यारों को भी जमानत देते हैं लेकिन इस मामले में, किस तरह की नैतिक दृढ़ता है?

जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि क्या सीएम का सरकारी घर निजी आवास है? क्या इसके लिए इस तरह के नियमों की जरूरत है? हम हैरान हैं, यह मामूली या बड़ी चोटों के बारे में नहीं है। ▶10पर

फूंक डाले कश्मीरी पंडितों के पांच घर

राज्य प्रशासन ने दिया जांच का आदेश

अनंतनाग, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में 5 कश्मीरी पंडितों के घर धू-धू कर जल उठे। कश्मीरी पंडितों के इन घरों में आग किसने लगाई, इसकी जांच का आदेश दिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि घाटी में अपने घरों को लौट रहे कश्मीरी पंडितों को डराने के लिए ऐसा किया गया है, जिन्हें कभी यहां से पलायन करना पड़ा था। उनका नरसंहार हुआ था, उनकी महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था।

आगजनी की घटना मट्टन स्थित लोन मोहल्ला की है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक टीम गठित की है, जो इस आग का कारण पता लगाएगी। ▶10पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

मथुरा जन्मभूमि मामले में ट्रायल शुरू होगा

प्रयागराज, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की ऑर्डर 7 रूल 11 की आपत्ति वाली अर्जी को खारिज कर दिया है। अब इस मामले में जल्द ट्रायल शुरू होगा। कोर्ट को यह तय करना था कि मामले में दाखिल की गई 18 अर्जियों पर एक साथ सुनवाई हो सकेगी या नहीं। यह फैसला जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने सुनाया है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष की ओर से 18 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इसमें उन्होंने शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन को हिंदुओं की बताया है। हिंदू पक्ष की ओर से यहां पूजा का अधिकार दिए जाने की मांग की गई।

कोर्ट को अलग-अलग याचिकाओं के एक साथ सुनवाई किए जाने को लेकर फैसला सुनाना था। मुस्लिम पक्ष ने ऑर्डर 7 रूल, 11 के तहत इन याचिकाओं की पोषणीयता पर सवाल उठाए और इन्हें खारिज किए जाने की अपील की। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,200/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,390/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 20°

लव जेहाद और बलात्कार की पीड़ित महिला से जज ने की अभद्रता

जज के खिलाफ इंदौर की सड़कों पर उतर आई महिलाएं

इंदौर, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जज की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से हर कोई न्याय मिलने की उम्मीद करता है। लेकिन, उस पद पर बैठा व्यक्ति यदि प्रताड़ित को ही अपमानित करने लगे, वह भी खुले तौर पर तब फिर वह सारी अवमाननाएं और सम्मान की भावनाएं पीछे छूट जाती हैं, जिसके बंधन, डर और श्रद्धा में कोई भी किसी न्यायालय के निर्णय और न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के विरोध में जाकर आवाज बुलंद नहीं करता है। लेकिन, मध्य प्रदेश के इंदौर में एक लव जेहाद का शिकार रेप पीड़िता के साथ न्यायालय में जो घटा, उसके बाद जैसे हर डर और असमंजस को बाहर निकालकर स्त्री शक्ति न्याय की कुर्सी पर बैठे जज के विरोध में सड़क पर उतर पड़ीं, जहां एक ओर जमकर इस जज के विरोध में नारे लगे, वहीं उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मंशा स्पष्ट की है कि इस तरह का कदाचरण भविष्य में किसी अन्य बेटी के साथ न घटे।

दरअसल, ये पूरी घटना दो दिन पूर्व ही सामने आई, कोर्ट रूम में घटा मामला कुछ इस तरह का था कि अनायास ही फिल्म दामिनी याद आ जाती है।

जज ने युवती को बाजारू कहा और पूछा रुपए मिल गए थे?

राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय महिला आयोग को ज्ञापन

लव जेहाद का शिकार हुई इस दुष्कर्म पीड़िता के साथ इंदौर की कोर्ट में जज द्वारा इतने अधिक अर्मादित एवं अपमानित करने जैसी भाषा में सवाल-जवाब किए गए कि पीड़िता ने राष्ट्रपति तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखकर न्याय देने या फिर आत्महत्या करने की अनुमति देने तक की मांग कर डाली। इसी से समझा जा सकता है कि कोर्ट रूप में महिला पर कितना अधिक मानसिक अत्याचार हुआ होगा। पीड़िता से अपनी पहचान छिपाते हुए मुस्लिम युवक अशरफ मंसूरी ने आशु बनकर दोस्ती की फिर उसका शारीरिक शोषण किया। आरोपी ने उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया और रुपयों का लालच भी दिया, इस काम में अशरफ मियां का भाई बुरकान मंसूरी भी उसका साथ दे रहा था। जब आशु का असली चेहरा और नाम सामने आ गया तो उक्त महिला पुलिस के पास गई और मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपितों को जेल में डाल दिया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोभ सभी सद्गुणों का करता है नाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि मनुष्य को जगत का सारा धन मिल जाए तो भी उसकी तृष्णा कम नहीं होती है। लोभ पाप का मूल है और सभी पापों का जनक है। लालच व लालसा मनुष्य की समस्त ईमानदारी को खा जाती है। लोभी व्यक्ति का सारा सुख नष्ट हो जाता है, शान्ति समूल नष्ट हो जाती है। अत्यधिक लोभ में अंबी बनी हुई बुद्धि आपत्तियों के द्वार खोलती हैं। मनुष्य के पास सब कुछ है- घर, वस्त्र, रोटी मकान, गाड़ी, सोना, चाँदी जमीन-जायदाद नौकर-चाकर आदि। मगर फिर भी वह धन-संग्रह करने की अन्धी दौड़ में क्यों दौड़ता है? निश्चित ही वह

धन इसलिए नहीं कमाता है कि खाना हैं, पीना है या मात्र जीवन यापन करना है, बल्कि वह शायद इसलिए दौड़ता है क्योंकि उसे दुनिया में दूसरों से आगे बढ़ना है। मगर वह यह चिंतन नहीं करता कि इस दौड़ में बड़ों बड़ों के जीवन उजड़ गये और कुछ हाथ में नहीं आया। हाथ में यदि कुछ आया तो केवल मृत्यु। साध्वी ने एक प्रेरक दृष्टान्त के माध्यम से समझाया कि घन के प्रति घोर आसक्ति और लालच मनुष्य को इतना पतित कर देता है कि वह धोर से घोर अन्यायपूर्ण व्यवहार अपने सगे भाई, पिता व पड़ोसी-मित्रों के साथ भी करने में नहीं हिचकिचाता हैं। लेकिन ज्ञानियों की दृष्टि में सबके सब स्थान व समस्त ऋद्धियां और संपत्तियां सबके सब सदैव रहने वाले नहीं है। इस संपूर्ण संसार में व तीन लोक में यदि कुछ शाश्वत है तो वो है हमारी आत्मा व मोरल का स्थान। संसार से जाते वक्त मेरे साथ में कुछ भी चलने वाला नहीं है और यदि कुछ साथ में चलेगा तो वो है आत्मा के द्वारा किये गये अच्छे व बुरे कर्म। प्रारंभ में साध्वी स्नेह प्रभा जी ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि क्रोध प्रीति का नाश करता है, मान विनयगुण का नाश करता हैं, माया मित्रता का नाश करती हैं, लेकिन लोभ सभी सद्गुणों का नाश करता हैं। लोभ रूपी कषाय हमारी आत्मा के अन्दर रहे समस्त अच्छाइयों-गुणों का नाशक है। जो सदैव तृष्णा की आग में जलता रहता है, उसे कभी भी आत्मिक शांति मिलने वाली नहीं हैं। इंसान धन के लोभ - लालच में फंस कर यह भूल जाता है कि लक्ष्मी का स्वभाव चंचल है। यह दौलत और शोहरत सदैव स्थिर होकर रहने वाली नहीं है। सुख का सबसे श्रेष्ठ साधन है- संतोष। संतोषी मनुष्य अपने जीवन में सदैव सुखी रहता है और तृष्णावान सदैव दुःखी रहता है।

सावन सेल कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दाधीच महिला मंडल की ओर से सावन सेल का आयोजन समाजसेवी श्यामसुन्दर प्रभाकर काकड़ा के फार्म हाउस हरिहर गार्डन होराहल्ली में किया गया। जहां समाज की 100 से ज्यादा महिलाएं एवं बच्चे मौजूद थे। प्राकृतिक सौंदर्य ने सावन सेल को चारचाँद लगाए। कार्यक्रम की शुरुआत संगीतमय तरीके से बस से पधारे सभी मेहमानों का पारंपरिक साफे पहना कर किया गया। फिर श्री गंणेश वंदना की प्रस्तुति हुई। समाज की वरिष्ठ महिलाओं का पुष्पगुच्छ से स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्षा प्रमिला शर्मा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में सावन के गीत - डांस, बैटमिंटन, कैरम, म्यूजिकल चेयर समेत अन्य मनोरंजन का इंतजाम किया गया था। कार्यक्रम का संचालन सारिका पलोड ने किया। सरोज ओझा के मार्गदर्शन में इस रंगारंग कार्यक्रम में सरस्वती दायमा, वंदना जोशी, सारिका पलोड, सरिता आसोपा, शशि ओझा, पुष्पा तिवारी, चंद्रकांता डोबा, सरोज जोशी, कुसुम दायमा, मीना जोशी, बरखा जोशी, किरण मुंडेल, पद्मावती इटोदिया, रेणु जोशी, सावरी बाई, उषा काकड़ा आदि मौजूद थी। गोवा से विशेष रूप से पधारी सीमा शर्मा ने समाज के सभी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

भारत की संस्कृति अनेकता में एकता पर आधारित : मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति है। इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है।

भारत की संस्कृति अनेकता में एकता पर आधारित है। यह अनेकता में एकता एक शब्द ही नहीं बल्कि यह भारत देश की संस्कृति और विरासत में पूरी तरह लागू होता है। संस्कृति का क्षेत्र सभ्यता से कहीं व्यापक और गहन होता है। जीने की कला हो या विज्ञान और राजनीति का क्षेत्र, भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है। अन्य देशों की संस्कृतियाँ तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती रही हैं, किन्तु भारत की संस्कृति आदि काल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई है।

आत्मा का असली स्वरूप शुद्ध और निर्मल है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने 'ऋषिभाषिक सूत्र' का वर्णन करते हुए कहा कि इस जीव आत्मा का स्वभाव है उर्दगमन करना। लेकिन बड़े आश्चर्य की बात है कि यह जीव संसार में भ्रमण कर रहा है। कर्मों के बंधन आत्मा को इस स्वाभाविक गुण से दूर रखते हैं। जैन दर्शन में मोक्ष प्राप्ति के लिए आत्मा को इन कर्मों के बंधनों से मुक्त करना आवश्यक है, ताकि वह अपने शुद्ध स्वरूप में वापस लौट सके और उर्दगमन कर सके। जीव आत्मा का असली स्वरूप शुद्ध और निर्मल है। लेकिन कर्मों के बंधन के कारण, जीव आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप को नहीं पा सकता और संसार में फंसा रहता है। सम्यक दर्शन, ज्ञान और आचरण - ये तीन रत्न

आत्मा को उसकी वास्तविक दिशा (उर्दगमन) की ओर ले जाते हैं। सही दृष्टि, सही ज्ञान, और सही आचरण आत्मा को उसके शुद्ध स्वरूप की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि नौ तत्वों में सबसे हल्का तत्व आत्म तत्व है। इसे बहुत ही महत्वपूर्ण एवं सूक्ष्म तत्व माना गया है। नौ तत्वों में सबसे हल्का तत्व आत्म तत्व है। यह जीव तत्व सबसे हल्का तत्व है लेकिन कर्मों के लेप के कारण भारी बना हुआ है। इसी कारण जीव अपने शुद्ध स्वरूप को भूल जाता है और संसार में फंस जाता है। कर्मों का यह लेप जीव को बंधन में डालता है और उसे भारी बनाता है। इन कर्मों के लेप से मुक्त होकर आत्म तत्व अपने शुद्ध स्वरूप को प्राप्त कर सकता है। इसके लिए तप, ध्यान, और साधना की आवश्यकता होती है, जिससे कर्मों का नाश होता है और जीव तत्व हल्का और मुक्त हो जाता है। हल्का तत्व खुद भी तिरता है और औरों को भी तारता है। इस संसार रूपी वृक्ष में दो तत्व रह रहे है जीव और अजीव। जीव और अजीव तत्वों का परस्पर संबंध इस प्रकार है कि जीव तत्व अपने कर्मों के कारण अजीव तत्वों के साथ संपर्क में आते हैं और उनसे प्रभावित होते हैं। संपर्क और बंधन ही संसार का कारण बनता है। यह बंधन ही जीव को संसार में बार बार जन्म और मृत्यु के चक्र में डालता है। मोक्ष प्राप्ति के लिए जीव को इन बंधनों से मुक्त होना आवश्यक है।

सरल मन में ही होगा परमात्मा का वास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वज्ञ सर्वदर्शी अरिहन्त परमात्मा हमारी आत्मा का किस तरह विकास करें इस हेतु देशना देते हैं। हमारा यह जीवन वीतराग परमात्मा के मार्ग पर किस तरह आगे बढ़े इसका हमें चिंतन करना है। कृपण व्यक्ति धर्म क्रिया में भी धर्म नहीं कर सकता है, कठोर व्यक्ति कोमलता के गुण को भूल जाता है। हमें छोटे छोटे घरेलू कार्यों में भी आत्म जागृति रखनी है। कुछ

भी अच्छा कार्य करने के बाद अपनी बड़ाई नहीं बताकर सरलता में ही रहना चाहिए। हमारा मन सरल बनेगा तो परमात्मा हमारी आत्मा में बस जाएंगे। हम हमारे भावों से ही कर्म बंधन करते हैं और भावों से ही कर्म निर्जरा कर सकते हैं। हमारे अध्यवसाय और भावना शुद्ध होनी चाहिए। जो व्यक्ति सरल होता है उनके जीवन में धर्म का वास होता है। सरल व्यक्ति इस संसार से आसानी से तिर जाता है। हमारे जीवन में कठोरता और कोमलता का अवलोकन करने से हमारी आत्मा जागृति को मजबूती मिलेगी। साध्वी वर्या ने पाटण के दुर्लभ राजा की राजसभा में जिनेश्वर मुनि और सूराचार्य के बीच हुए दशवैकालिक सूत्र में उल्लेखित जिनाज्ञा के पालन के बारे में हुए शास्त्रार्थ का बहुत ही सुन्दर विवेचन किया।

हमारा जीवन मर्यादित होना चाहिए: राजेशमुनि

बेगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में विराजित मुनि श्री राजेशमुनि ने प्रवचन में जीवन को संयम व सदाचारमय बनाने का संदेश दिया। रिषभमुनि ने कहा कि एक मोह के कारण ही हम प्रभु सम नहीं बन पा रहे। दुनिया का मोह अगर छूट जाय तो बाकी के कषायों से मन मुक्त हो सकता है। सबसे ज्यादा मोह अपने शरीर से रहता है, इसे छोड़ना होगा। राजेशमुनि ने फरमाया कि हमें सदैव खोजी बनकर स्व आत्मा की खोज में लगे रहना है, ताकि स्व की पहचान कर गुरु के मार्गदर्शन के सहारे मोक्ष तक पहुंचा जाएं। यह धरती कभी भी तीर्थकरों से खाली नहीं होती और इस धर्म की वजह से ही धरती बची हुई है। मुनि ने कहा कि हम किसी बात को लेकर तर्क कर सकते हैं वो कुर्तक में नहीं बदलना चाहिए। कुर्तक ही झगड़े की जड़ होता है। साधक और श्रावक को जीवन यापन हेतु जितनी आवश्यकता हो उतना ही इकठ्ठा करना चाहिए। साधक को तो भगवान् के आदेशानुसार अपने पास ज्यादा कुछ नहीं रखना चाहिए और श्रावक को भी मर्यादा निर्धारित करना चाहिए, ताकि हम जीवन में शांति और सुख की अनुभूति कर सकें। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

समर्थनम चैरिटेबल ट्रस्ट में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल ने एचएसआर लेआउट स्थित समर्थनम चैरिटेबल ट्रस्ट में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस आयोजन का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की भावना को बढ़ावा देना था। इस विशेष कार्यक्रम के संयोजक राहिल गोयल थे, जिनके कुशल नेतृत्व में यह कार्यक्रम सफलता-पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संदीप टीब्रेवाल, रोहित केडिया, आशोक अग्रवाल, पवन केजरीवाल, अंकित गोयल और ट्रस्ट की वर्तमान प्रबंधन टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे। समर्थनम चैरिटेबल ट्रस्ट, जो एचएसआर लेआउट में स्थित है, विशेष रूप से उन बच्चों की देखरेख करता है जो या तो अनाथ हैं या शारीरिक विकलांगता से प्रभावित हैं। ट्रस्ट में कुल 300 बच्चे शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ट्रस्ट इन बच्चों को न केवल शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान करता है, बल्कि उन्हें प्यार और देखभाल का माहौल भी उपलब्ध कराता है।

कार्यक्रम की शुरुआत मनोरंजन और खुशी के साथ की गई, जिसमें विभिन्न मजेदार गतिविधियाँ और कार्टून पात्रों के साथ नृत्य शामिल थे। इस भाग ने बच्चों और उपस्थित सदस्यों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी और माहौल को जीवंत बना दिया। बच्चों ने इन गतिविधियों में पूरी तरह से भाग लिया, जो उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह की झलक पेश कर रहा था।

इसके बाद, एक शानदार जादू शो का आयोजन किया गया, जिसने सभी बच्चों और उपस्थित सदस्यों को अचंभित कर दिया। जादूगर के अद्भुत करतबों ने बच्चों की कल्पनाओं को उड़ान दी और उनकी आँखों में चमक ला दी। इस शो ने न केवल बच्चों बल्कि सभी उपस्थित लोगों को खुशी का अनुभव कराया और कार्यक्रम की यादगारता को बढ़ाया। बच्चों की खुशी और अचरज ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। इसके बाद, एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 13 बच्चों को विशेष पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। इस प्रतियोगिता ने बच्चों की सृजनात्मकता और कला कौशल को प्रोत्साहित किया और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया। प्रत्येक बच्चे की चित्रकला में उनकी व्यक्तिगत भावनाएँ और विचार दर्शाए गए, जो उनकी कला की गुणवत्ता और विविधता को उजागर करते हैं। समर्थनम चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने से न केवल बच्चों की खुशी में वृद्धि होती है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है कि विकलांगता के बावजूद हर किसी के लिए खुशियों की कोई कमी नहीं है। ट्रस्ट के प्रयासों से यह स्पष्ट होता है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद, बच्चों को स्नेह और समर्थन के माध्यम से उनकी क्षमता को उजागर किया जा सकता है।

विराट कवि सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट द्वारा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 को अंबेडकर भवन में किया जाएगा। जिसमें कविगण हरिओम पवार, अरुण जैमिनी, जानी बैरागी, अनिल अग्रवंशी, गौरी मिश्रा का विशेष आकर्षण रहेगा। सेवा ट्रस्ट अपने मुख्य आयाम जीवन संजीवनी, जीवन शिक्षा, जीवन रक्षा में जैन समाज के आवश्यक साधार्मिक भाइयो को सुविधा प्रदान करता है। इस आयाम को आगे बढ़ाने के लिए एक कोष के लिए कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कवि सम्मेलन के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवाणी के डायरेक्टर संजय बैद ने इस कार्य की सराहना की एवं सभी को इस आयाम से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट से अध्यक्ष सुरेश धोखा, मंत्री सुरेश मांडोत, सहमंत्री रूप कुम्बट, कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया एवं जैन युवा संगठन सेवा के अध्यक्ष महावीर मुणोत, सज्जनराज मेहता, महेंद्र टेबा एवं राजेश चावत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करना सही नहींः प्रियांक खड़गे

थावरचंद गहलोत का फैसला सही नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस जारी करने का राज्यपाल थावरचंद गहलोत का फैसला सही नहीं है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस मिला है और वह इसका उचित जवाब देंगे। मुख्यमंत्री द्वारा अपने करीबी सहयोगियों के साथ बैठक करने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा अपने कैबिनेट सहयोगियों और अन्य लोगों के साथ इस मामले पर चर्चा कर सुझाव एकत्र करना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री को बिना किसी पूर्व सूचना के नोटिस जारी किया गया, जिसे उन्होंने गलत कदम माना। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले ही राज्यपाल को पर्याप्त जानकारी दे दी थी और संबंधित दस्तावेज जमा कर दिए थे। इसके बावजूद कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। खड़गे ने कहा यदि ऐसा है तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की स्क्रिप्ट कहां से आ रही है? सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल सामाजिक कार्यकर्ता टी.जे. अब्राहम द्वारा की गई मुडा भूमि घोटाले से संबंधित शिकायत के आधार पर सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे सकते हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के लिए बेंगलूरु में अपने आवास पर नाश्ते की बैठक आयोजित की। इससे पहले राज्यपाल थावर चंद गहल-ोत ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को भूखंड आवंटित करने से संबंधित आरोपों पर जवाब मांगा था। कांग्रेस सरकार के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। यह कदम 25 जुलाई को भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्यपाल से मुलाकात करने और उन्हें एक ज्ञापन सौंपने के बाद उठाया गया है, जिसमें मुडा मामले की जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित करने और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई है। राजभवन के सूत्रों ने कहा कि चूंकि ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है, इसलिए राज्यपाल के लिए मुख्यमंत्री से जवाब मांगना अनिवार्य है।

तदनुसार, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री से इसका जवाब देने के लिए कहा है। राज्यपाल की कार्रवाई का जिक्र करते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि यह मानने के कारण हैं कि यह राजनीति से प्रेरित था। उन्हें (गहलोत को) कुछ संवैधानिक शक्तियां दी गई हैं। उन्हें इसके ढांचे के भीतर काम करना चाहिए। परमेश्वर ने जिला मुख्यालय बागलकोट में संवाददाताओं से कहा अगर वह सीमा पार करते हैं तो इससे संदेह पैदा होगा। संदेह है कि राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा राज्यपाल ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए आगे कदम बढ़ाया है। हमें इसे राजनीति से प्रेरित मानना होगा।

मुडा घोटाला मामला

राज्यपाल के नोटिस के बाद मुख्यमंत्री ने कैबिनेट सहयोगियों के साथ की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ चर्चा की, क्योंकि राज्यपाल थावरचंद गहल-ोत ने कथित तौर पर उन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है, जिसे मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन 'घोटाले' में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए एक अग्रदूत के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल ने कथित तौर पर सीएम सिद्धरामैया से यह बताने के लिए कहा है कि मुडा द्वारा भूमि खोने वालों, जिसमें उनकी पत्नी पार्वती भी शामिल हैं, को साइटों के वितरण में कथित अनियमितताओं के संबंध में अभियोजन की मंजूरी क्यों नहीं दी जानी चाहिए। बताया जाता है कि नाश्ते की बैठक के दौरान, सिद्धरामैया ने मंत्रियों के साथ राजनीतिक और कानूनी रणनीति और इस मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान के निर्देशों के बारे में चर्चा की। सिद्धरामैया ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला से नई दिल्ली में मुलाकात की और चर्चा की। राज्यपाल का यह कदम तब सामने आया है जब 25 जुलाई को भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा जिसमें मुडा मामले की जांच के लिए सीबीआई को सौंपने और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई, तथा अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम ने सिद्धरामैया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी। विवादास्पद योजना के तहत, मुडा ने आवासीय लेआउट बनाने के लिए उनसे अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में भूमि खोने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि मुडा घोटाला' 4,000 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये के बीच का है। कांग्रेस सरकार ने 14 जुलाई को मुडा घोटाले की जांच के लिए पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन देसाई के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था।

निर्मला सीतारमण का बयान सच्चाई से कोसों दूरः गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान को सच्चाई से कोसों दूर बताया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उद्योगपति खराब कानून व्यवस्था के कारण कर्नाटक छोड़ रहे हैं। बुधवार को हुब्बल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी है और किसी भी उद्योगपति ने राज्य छोड़ने की बात नहीं कही है और न ही कोई निवेशक जिसने कर्नाटक में निवेश करने में रुचि दिखाई है, उसने पीछे हटने का फैसला किया है। गृह मंत्री ने स्वीकार किया कि राज्य में चोरी, नशीली दवाओं की तस्करी और हत्या के कुछ मामले सामने आए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसे मामले भाजपा शासन के दौरान दर्ज किए गए ऐसे मामलों की संख्या से कम हैं। गृह मंत्री ने जानना चाहा कि क्या ऐसे अपराध उनके (कांग्रेस) सत्ता में आने के बाद ही होने लगे और क्या भाजपा शासन के दौरान ऐसे अपराध नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और पूरे राज्य में व्यापक अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि पहले ही कई हजार करोड़ रुपये की नशीली दवाएं नष्ट की जा चुकी हैं और नशीली दवाओं की निगरानी की जा रही है तथा नशीली दवाओं के तस्करों पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। डॉ. परमेश्वर ने कहा कि हुब्बल्ली धारवाड़ में पहले ही कई सौ लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं और मंगलवार को एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि साइबर अपराधों की संख्या में वृद्धि हुई है और गृह मंत्रालय साइबर पुलिस स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर इस पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी में खोए गए धन की वसूली के लिए तत्काल कदम उठाए गए हैं।

अन्न भाग्य योजना के लिए केंद्र चावल उपलब्ध कराने को तैयार : जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जानकारी दी है कि अगर कर्नाटक सरकार अन्न भाग्य योजना के लिए चावल मांगती है तो केंद्र चावल उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। अगर अनुरोध होगा तो हम अतिरिक्त चावल देंगे। हम 28 रुपये प्रति किलो चावल देने को तैयार हैं। कर्नाटक ही नहीं, अगर कोई भी राज्य सरकार केंद्र सरकार से चावल मांगती है तो केंद्र सरकार चावल देने को तैयार है। पिछले साल जब कर्नाटक सरकार ने चावल मांगा था तो देशभर में सूखे की स्थिति थी। इस प्रकार, कर्नाटक के मॉडल पर, चावल की आपूर्ति नहीं करने का निर्णय लिया गया क्योंकि अगर सभी राज्य चावल मांगेंगे, तो स्टॉक की समस्या होगी। लेकिन, अब देश में अच्छी बारिश हो रही है और हर जगह अच्छी फसल की उम्मीद है। इस लिहाज से अगर कोई राज्य चावल मांगता है तो हम 28 रुपये की दर से चावल उपलब्ध कराने को तैयार हैं। अभी तक किसी भी राज्य से चावल के लिए कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। हमने देश के 80 करोड़ लोगों को राशन के माध्यम से चावल उपलब्ध कराया है। उन्होंने बताया कि अभी तक राज्य से कोई मांग नहीं आयी है। इससे पहले राज्य को चावल देने पर सहमत नहीं थे। केंद्र का तर्क था कि यदि राज्य को सारा मौजूदा स्टॉक बेच दिया गया और समाप्त हो गया, तो आपातकालीन स्थितियों में इसे वितरित करना मुश्किल होगा। कर्नाटक सरकार ने केंद्र से कई बार चावल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। राज्य के मंत्री केएच मुनियप्पा ने खुद दिल्ली जाकर केंद्रीय मंत्री से बातचीत की। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पदयात्रा के मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि एच.डी. कुमारस्वामी के बयान पर चर्चा होगी। भाजपा पदयात्रा निकालेगी। वह और हम पदयात्रा में भाग लेंगे। पदयात्रा की अस्वीकृति के मद्देनजर हमारे नेता बातचीत करेंगे। वाल्मीकि घोटाले पर बोलते हुए जोशी ने कहा कि राज्यपाल एक संवैधानिक व्यक्ति हैं। वे उससे क्यों डरते हैं? यदि मुडा अधिकारी चन्द्रशेखर ने डेथ नोट नहीं लिखा होता तो यह मामला सामने नहीं आता। आपने भ्रष्टाचार किया है, घोटाला किया है। सिद्धरामैया का चेहरा देखिए, वे डर के मारे इस तरह के बयान दे रहे हैं। मुडा घोटाला – दस्ता-वेज उनकी पार्टी के नेताओं ने दिये थे। 19 घोटालों की सूची की सारी जानकारी घर-घर बांटी गई है। कांग्रेस पार्टी सभी को डराकर अपना भ्रष्टाचार नहीं छुपा सकती। चाहे वह अहिन्दा हो या कोई अन्य समुदाय का नेता। आप भ्रष्टाचार कैसे कर सकते हैं और जांच नहीं कर सकते? सीएम ने माना है कि अवैधानिकता हुई है। इससे पहले कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल की तारीफ की थी। अब क्यों लड़ रहे हो? भाजपा के शासन में हुए भ्रष्टाचार की जांच कराए, सरकार उनकी है। वे हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं। अगर कोई घोटाला नहीं होता तो क्या कांग्रेस नेता इस्तीफा देते? जोशी ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें जांच की चुनौती दी है।

भाजपा जेडीएस के गढ़ों में उसका अस्तित्व कैसे छीन सकती है? शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा घोटाले पर प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर विपक्षी भाजपा और जेडीएस के बीच कथित दरार के विवाद में उतरते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से पूछा कि भाजपा जेडीएस के गढ़ों में उसका अस्तित्व कैसे छीन सकती है।

गुरुवार को विधान सौधा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम सभी, चाहे वह एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली जेडीएस हो या राज्य में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी या भाजपा, अपनी पार्टी की नीतियों और सुविधाओं के अनुसार राजनीति करते हैं। मेरा मानना है कि हम सभी अपने-अपने अस्तित्व की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। जेडीएस द्वारा भाजपा की पदयात्रा योजनाओं से असहमति जताने की खबरों पर मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा इसलिए, मुझे लगता है कि भाजपा और जेडीएस के बीच दरार और असहमति हो सकती है। केपीसीसी प्रमुख ने कहा कि भाजपा ने जेडीएस के समर्थन से 10 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है।

मैसूरु, मांड्या और बेंगलूरु ग्रामीण ऐसे जिले हैं जहां जेडीएस का दबदबा है। उन्होंने कहा अगर भाजपा नेता अपने सहयोगी जेडीएस से सलाह किए बिना कार्रवाई करते हैं और अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं, तो क्या जेडीएस इसे स्वीकार करेगी? अगर जेडीएस भाजपा में विलय कर ले तो यह अलग बात है। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी पदयात्रा का मुकाबला करने के लिए अपनी योजना बना रही है। उन्होंने घो-षणा की कि राज्य में भाजपा शासन से संबंधित कम से कम 30 भ्रष्टाचार घोटाले हैं। हम उन्हें एक के बाद एक उजागर करेंगे। यदि वे अपनी पदयात्रा की योजना को अंतिम रूप देते हैं, तो हम उनका मुकाबला करने के लिए अपनी योजनाओं पर निर्णय लेंगे और घोषणा करेंगे। हालांकि, शिवकुमार ने भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा के खिलाफ कुमारस्वामी के विरोध के बारे में बात करने से इनकार कर दिया, जिन्होंने कथित तौर पर पूर्व जेडीएस हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना के सेक्स स्कैंडल की पेन ड्राइव वितरित की थी। उपमुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया है कि वे सुनिश्चित करें कि अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में बेंगलूरु के कद को देखते हुए शहर को वित्तीय सहायता मिले। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री से भी उनके समर्थन के लिए बात की है। उल्लेखनीय है कि शिवकुमार ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनसे बेंगलूरु और राज्य के व्यापक विकास के लिए लंबित परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री को दिए गए पत्र में उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। जैसा कि पहले बताया गया है, राज्य के सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों और परियोजनाओं, विशेष रूप से शहरी विकास और बेंगलूरु के सुधार को आपके मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता है। कर्नाटक की चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने और सतत विकास के लिए आपके मूल्यवान दृष्टिकोण और विशेषज्ञता की आवश्यकता है। डीके शिवकुमार ने कहा कि बेंगलूरु के सुधार के लिए प्रस्तावित कई परियोजनाओं की मंजूरी के लिए आपका हस्तक्षेप जरूरी है। बेंगलूरु में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए सुरंग सड़क और फ्लाईओवर का निर्माण आवश्यक है। बेंगलूरु तेजी से बढ़ रहा है और राष्ट्रीय राजमार्ग 77.6 किमी शहर में गुजर रहा है। इस वजह से ट्रैफिक भारी है। वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए फ्लाईओवर और सुरंगों का निर्माण आवश्यक है। होसूर से बेल्लारी राष्ट्रीय राजमार्ग 7, के.आर. पुरम रोड से मैसूरु रोड तक जुड़ा हुआ है। भूमि अधिग्रहण की लागत कम करने की जरूरत है। दो फ्लाईओवर और सुरंगों के लिए 36,950 करोड़ का लागत व्यय किया जायेगा तथा आवश्यक अनुदान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जायेगा। उपनगरों को जोड़ने के लिए बेंगलूरु मेट्रो परियोजना के सभी 5 गलियारों का विस्तार करने की आवश्यकता है। डीके शिवकुमार ने इसका समर्थन करने की अपील की है।

कर्नाटक सरकार ने नई साइबर सुरक्षा नीति शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को साइबर अपराधों के बढ़ते स्तर से निपटने और राज्य के डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए जागरूकता, कौशल निर्माण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और प्रौद्योगिकी एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक साइबर सुरक्षा नीति 2024 शुरू की। अधिकारियों ने कहा कि नीति जागरूकता और शिक्षा, कौशल निर्माण, उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने, क्षमता निर्माण के लिए साझेदारी और सहयोग जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। ग्रामीण विकास और पंचायत राज और सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कर्नाटक सरकार ने साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को पहच-ानते हुए हमारे नागरिकों और उद्यमों के लिए एक लचीला और सुरक्षित साइबरस्पेस स्थापित करने के लिए इस नीति को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ संरेखित यह नीति साइबर खतरों से निपटने में कर्नाटक के सक्रिय रुख को उजागर करती है। उनके अनुसार, नीति के दो भाग हैं। पहला भाग समाज के सभी वर्गों, जिसमें सार्वजनिक, शैक्षणिक, उद्योग, स्टार्ट-अप और सरकार शामिल हैं, में एक मजबूत साइबर सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर केंद्रित है। नीति का दूसरा भाग राज्य की आईटी परिसंपत्तियों की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने पर केंद्रित है। जबकि पहला भाग सार्वजनिक डोमेन में होगा, दूसरा भाग राज्य की आईटी टीमों और विभागों के लिए उनके आईटी कार्यान्वयन के लिए आंतरिक होगा। इस नीति को इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एसएंडटी विभाग, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार (ई-गवर्नेंस) विभाग और गृह विभाग द्वारा सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के प्रासंगिक हितधारकों के परामर्श से सहयोगात्मक रूप से तैयार किया गया है। इस नीति की समीक्षा भारतीय विज्ञान संस्थान द्वारा भी की गई, जो राज्य के साइबर सुरक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र का प्रमुख संस्थान है। उन्होंने नेटवर्क दिग्गज सिस्को द्वारा एक कौशल कार्यक्रम भी लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री कारण बताओ नोटिस पर चर्चा करने के लिए कैबिनेट की बैठक में नहीं हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसमें राज्यपाल द्वारा उन्हें जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' पर चर्चा की गई, जिसमें उनसे यह बताने के लिए कहा गया था कि कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में अभियोजन स्वीकृति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सिद्धरामैया ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अधिकृत किया।

परमेश्वर ने कहा कि चूंकि कैबिनेट को राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिस पर चर्चा करनी थी, इसलिए मंत्रियों ने मुख्यमंत्री से इसमें शामिल न होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कैबिनेट की बैठक उनकी (सिद्धरामैया की) अनुपस्थिति में होनी है। परमेश्वर ने कहा हमने (मंत्रियों ने) उनसे (कैबिनेट की बैठक में) शामिल न होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उस समय कैबिनेट का हिस्सा नहीं होना चाहिए, जब उन्हें जारी किए गए नोटिस पर चर्चा हो।

शुभ लाभ DAILY

नदियां सुरक्षित स्तर को पार कर गईं, कई इलाकों में बाढ़

जनजीवन हुआ बुरी तरह प्रभावित

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के कई हिस्सों में बाढ़ आ गई है। जिले में नदियां पूरी क्षमता से बह रही हैं और कई इलाकों में नदी का पानी घरों में घुस गया है। ब्रह्मवर तालुक के हेरांजे के साथ ही उडुपी, कुंदापुर, बिंदूर, करकला और हेबरी तालुकों के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। कमलाशिले में कुब्जा नदी भी पूरी क्षमता से बह रही है और इस साल रिकॉर्ड दूसरी बार नदी का पानी कमलाशिले ब्रह्मी दुर्गापरमेश्वरी मंदिर में घुसा है। इस अवसर पर विशेष पूजा की गई। जिले के कई इलाकों में पानी कृषि भूमि में भी घुस गया है, जिससे काफी नुकसान हुआ है। स्वर्णा नदी ने शिम्बरा, कोलालगिरी और आसपास के इलाकों में कृषि भूमि को जलमग्न कर दिया है। करकला तालुक के येनेहोल में नदी का पानी कई दुकानों में घुस गया। ऐतिहासिक सनुर असयुद शाहुल हामिद वलीयुलाही दुर्गा में भी पानी भर गया है। भारी बारिश के कारण हेबरी और करकला तालुकों के कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है। गुरुवार सुबह तक बारिश बंद हो गई, लेकिन नदी का जलस्तर अभी भी कम नहीं हुआ। लगातार बारिश के बाद बरकुर में भी एक बार फिर भीषण बाढ़ आ गई है। यह दूसरी बार है जब गांव को महज 15 दिनों में ऐसी आपदा का सामना करना पड़ा है।

इस क्षेत्र में पिछले कई सालों में सबसे ज्यादा बारिश हो रही है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी में काफी व्यवधान आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए रेड अलर्ट के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। सुबह और शाम के समय भारी बारिश होने के कारण यात्रियों को अपने कार्यस्थलों तक पहुँचने और घर लौटने में काफी परेशानी हो रही है।

जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण लिंगनमक्की बांध के शिखर द्वार खोले गए

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शरवती नदी पर बने लिंगनमक्की बांध के शिखर द्वार गुरुवार को अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए खोले गए। 11 में से तीन द्वार सुबह 11 बजे खोले गए। 151 टीएमसी जल भंडारण क्षमता वाले जलाशय में जलस्तर 135 टीएमसी तक पहुंच गया है, जो इसकी क्षमता का लगभग 89 प्रतिशत है। गुरुवार सुबह तक जलस्तर 1,814 फीट था, जबकि जलाशय का पूर्ण जलस्तर 1,819 फीट था। जैसे ही बांध के शिखर द्वार धीरे-धीरे खुले, पानी बाहर निकलने लगा। चार द्वार खुलने पर पानी की आवाज तेज हो गई। कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका धुंध से ढक गया। जब द्वार खोले गए तो सागर विधायक बेलूर गोपाल कृष्ण और केपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

6 अगस्त तक बारिश की संभावना, कई जिलों में रेड अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले दो सप्ताह से राज्य भर में भारी बारिश हो रही है, जिससे फसल को भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 6 अगस्त तक बारिश जारी रहेगी और दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़ और कोडागु जिलों के लिए रेड अलर्ट की घोषणा की गई है। शिवमोग्गा, चिकमगलूरु और बेलगावी जिलों के लिए येलो अलर्ट की घोषणा की गई है। बीदर, धारवाड़, गडग, हावेरी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, विजयपुर, यादगिरी, बेंगलूरु, ग्रामीण, बेंगलूरु सिटी, चिक्कबल्लापुर, चामराजनगर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, हासन, कोलार, मांड्या, मैसूरु, रामानगर, तुमकुर में भी बारिश होगी। राज्य के अधिकांश जलाशय लबालब हैं और भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी में बाढ़ आ गई है। खेतों में

पानी भर गया है। धान, गन्ना, प्याज, मिर्च, चना समेत कई फसलें पानी में डूब गई हैं। उत्तर कन्नड़, तटीय और पहाड़ी नाडु क्षेत्रों में भारी बारिश जारी है और देर रात तक हुई बारिश के कारण कई जगहों पर निचले इलाकों में पानी घुस गया है और लोग सतर्क हैं। उत्तर कन्नड़ जिले में व्यापक बारिश हो रही है और एहतियात के तौर पर, जोइदा तालुक में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियों की घोषणा की गई है। कारवार नगर के ग्रीन स्ट्रीट रोड, हाई चर्च अब्बूवाड़ा रोड, पदनाभनगर पूरी तरह से बाढ़ में डूब गए हैं, साथ ही अरगा, चंदिया में भी घरों में पानी भर गया है और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है।

पर्यटन स्थल जनता और पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित हैं। मालेनाडु और चिकमगलूरु जिलों में बारिश जारी है और कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़क यातायात बाधित हो गया है। वनागेरे में भी बारिश जारी है। जीवंती तुंगभद्रा खतरे के स्तर से ऊपर बह रही है और इसने कई विक्षोभ पैदा कर दिए हैं। हरिहर और हावेरी जिले के रानेबेन्नूर के कुछ गांवों के पुलों पर पानी भर गया है और संपर्क टूट गया है। तुंगभद्रा जलाशय से नदी में एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण, नदी के किनारे की भूमि जलमग्न हो गई है और नारियल और धान के खेत जलमग्न हो गए हैं।

वायनाड भूस्खलन मामला : लापता चामराजनगर निवासी व्यक्ति का शव केरल में उसके गांव से 100 किमी दूर मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के चामराजनगर में इरसावाडी के राजेंद्र का शव बचाव दल को मिला है, जो केरल के वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के बाद अपनी पत्नी रत्नम्मा के साथ लापता हो गया था। शव केरल के चूरलमाला गांव से 100 किलोमीटर दूर मिला। उसकी पत्नी की तलाश जारी है। गुंडलूपेट के तहसीलदार रमेश बाबू, जो चामराजनगर जिले के लोगों की तलाश में स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए मेप्पाडी में हैं, ने कहा कि 50 वर्षीय राजेंद्र और रत्नम्मा केरल के

चूरलमाला गांव के निवासी हैं। दंपति पिछले 30 वर्षों से केरल में रह रहे हैं। भूस्खलन के बाद से वे लापता बताए जा रहे थे। हाल ही में खरीदा गया उनका नया घर बह गया। राजेंद्र का शव चूरलमाला से लगभग 100 किलोमीटर दूर मिला, और बुधवार की शाम को मेप्पाडी अस्पताल लाया गया। अंतिम संस्कार रात्रि 9.30 बजे किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मैसूरु जिले के टी. नरसीपुरा तालुक के वक्कलगेरे गांव के मूल निवासी चूरलमाला के एक परिवार के आठ लापता लोगों में से दो के शव मिल गए हैं। सूत्रों ने बताया आठ लापता व्यक्ति - गुरुमल्लन, सावित्री, सबिता, शिवनन, अप्पनन, अश्विन, जीतू और दिविया - पिछले 40 सालों से महादेवम्मा और रत्ना के साथ केरल में रह रहे थे। महादेवम्मा और उनकी बेटी रत्ना इस आपदा से बच गईं क्योंकि वे भूस्खलन के दिन दूसरे घर में थीं। हालांकि, महादेवम्मा के तीन बेटे लापता हैं।

भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न अधिकारियों ने की कार्रवाई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने कई इलाकों को प्रभावित किया है। कुलुर, बाजपे, अध्यापडी, उलैबेट्टू और पदुशेडे में भारी बारिश का असर देखने को मिला है, कई घर जलमग्न हो गए हैं। जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों ने निवासियों को दूसरी जगह बसाने के लिए कदम उठाए हैं। उपायुक्त मुल्लई मुहिलान, सहायक आयुक्त हर्षवर्धन और मेंगलूरु नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद ने बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और निरीक्षण किया। उपायुक्त ने लोगों और बच्चों को पानी में न जाने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि कई लोग अपने बच्चों को बाढ़ वाले इलाकों को देखने के लिए ले जा रहे हैं। उन्होंने सभी से घरों के अंदर रहने का आग्रह किया।

एचडी कुमारस्वामी, बीएस येदियुरप्पा पदयात्रा का करेंगे नेतृत्व: विजयेन्द्र

कल से मैसूरु चलो पदयात्रा की होगी शुरूआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा-जेडीएस मिलकर शनिवार से मैसूरु चलो पदयात्रा निकालेगी। दिल्ली में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें दोनों पार्टियों के सांसद और विधायक हिस्सा लेंगे। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और वरिष्ठ बीएस येदियुरप्पा पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। यह भ्रष्ट और बदनाम कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक जन

आंदोलन होगा। उन्होंने कहा कि वह इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जायेंगे। वाल्मीकि निगम घोटाले और मुडा घोटाले के खिलाफ सदन में भाजपा और जेडीएस ने मिलकर लड़ाई लड़ी। सत्र समाप्ति के बाद भी यह संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया गया। हमारे राष्ट्रीय सचिव राधामोदास अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और हम सभी ने बैठकर चर्चा की। सब कुछ तय हो गया है। उन्होंने घोषणा की कि मार्च शनिवार सुबह 8.30 बजे नाइस रोड जंक्शन से शुरू होगा। अहिंदा के नाम पर सत्ता में आई सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर कर्नाटक ही नहीं पूरे देश में चर्चा हो रही है।

वाल्मीकि विकास निगम में 187 करोड़ का घोटाला हुआ है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने घोटाले के तहत अनुसूचित जनजातियों का पैसा हड़प लिया। इस बात को खुद मुख्यमंत्री ने सदन में स्वीकार किया है। दूसरी ओर, मुडा में मुख्यमंत्री के परिवार के पास अवैध रूप से आए 14 भूखंडों के साथ-साथ कांग्रेस सरकार आने के बाद 4 हजार करोड़ से अधिक मूल्य के हजारों भूखंड दिए गए।

इससे मुडा को 4 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि जो भूखंड गरीबों और अनुसूचित समुदायों को मिलने चाहिए, वे उनके अनुयायियों को रियल एस्टेट व्यवसाय के लिए दे दिए गए। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोदास अग्रवाल ने कहा कि भाजपा-जेडीएस मिलकर यह पदयात्रा निकालेगी। दोनों दलों के प्रतिनिधि व कार्यकर्ता बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। भाजपा और जेडीएस के बीच कोई भ्रम नहीं है। यात्रा का नेतृत्व हमारे प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र-जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी करेंगे, जिसमें अन्य नेता भी शामिल होंगे। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि यहां कोई भी व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है। लोगों से भी इस यात्रा में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। मुडा में करीब 4 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। वाल्मीकि निगम में भ्रष्टाचार की बात खुद मुख्यमंत्री ने सदन में स्वीकारी है। इस मामले को लेकर नागरिकों में आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह किसी भी वक्त फट सकता है।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ लायंस क्लब बेंगलूरु मेगा सिटी द्वारा कमला नगर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी विद्यालय में गणवेश एवं नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। के. इश्वरन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बच्चे राष्ट्र के कर्णधार हैं, समाज की यह जिम्मेदारी है की कोई भी बच्चा प्राथमिक शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने लायंस क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की। विद्यालय के 1200 बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में एस राघवेंद्र, के कृष्णमूर्ति, भारती आर एम एवं प्रधानाध्यापिका महादेवी उपस्थित थी।

शास्त्र ही आत्म विकास की दिशा के सूचक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वी वी पुरम के तत्वावधान में, आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में, गुरुवार को प्रवचन देते हुए कहा कि साक्षात तीर्थंकरों की अनुपस्थिति में उनका उपदेश जिन शास्त्रों में समाया हुआ है, वे शास्त्र भी पवित्र व पूजनीय है, क्योंकि वे हमारे लिए आत्म विकास के मार्ग में दिशा सूचक है। जो सिद्धांत प्रत्यक्ष रूप से एवं युक्ति के द्वारा साबित होते हो वही शास्त्र कहलाते हैं। सिद्धांतों के चिंतन मनन से ही श्रद्धा दृढ़ बनती जाती है। जैसे-जैसे श्रद्धा मजबूत बनती जाती है वैसे-वैसे साधक को जगत को देखने की सही दृष्टि प्राप्त होती है। प्रवचन के अंत में मीठालाल पावेचा ने कहा कि शुक्रवार को महान जैनाचार्य श्रीमद् विजय रामचंद्रसूरीश्वरजी की 33वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्री संभवनाथ जैन भवन में शनिवार को सुबह 9 बजे गुणानुवाद सभा का आयोजन किया जाएगा। पिछली सदी के महान जैनाचार्य की सूची में आचार्य श्री रामचंद्रसूरीश्वरजी का सर्वोच्च स्थान रहा है और वर्तमान में भी सर्वाधिक साधु साध्वी जी का समुदाय उन्हीं के नाम से जाना जाता है।

ट्रोल आर्मी एवं विपक्षी सदस्यों के आरोपों से कुपित होकर रेलमंत्री का टूटा धैर्य

अश्विनी वैष्णव ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को दिखाया आइना, जमकर धोया

जो लोग 58 साल के राज में एक टक्कररोधी उपकरण नहीं लगा पाए वो सवाल उठा रहे हैं

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का लोकसभा में गुरुवार को अलग रंग दिखायी दिया। अति विनम्र स्वभाव और मुस्कान भरे चेहरे के लिए पहचाने जाने वाले श्री वैष्णव का रेलवे को लेकर विपक्ष की कथित ट्रोल आर्मी एवं विपक्षी सदस्यों के आरोपों से कुपित होकर धैर्य टूट गया और उन्होंने जिस आक्रामक अंदाज में विपक्षी सदस्यों की टोकाटाकी का प्रतिवाद किया उससे विपक्ष आसन के समक्ष आ गया और रेल मंत्री हाय हाय के नारे लगाये।

लोकसभा में तीन दिन तक बजट में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में कहा था कि देश के अभियंताओं में इतनी क्षमता और बुद्धिमत्ता है कि वे सर्वोत्तम तकनीक और प्रौद्योगिकी का आविष्कार कर सकते हैं। श्री मोदी के दूरदर्शिता के अनुरूप अब रेलवे में हर क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का रेलवे की नीतियों और संचालन में पूरा ध्यान गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे आम आदमी की सवारी है और पिछले 10 वर्षों में यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं कि मध्यम वर्ग और आकांक्षी मध्यम वर्ग इसकी सेवाएं ले सकें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्लीपर और गैर-एसी कोचों सहित सामान्य कोचों का एसी कोचों से अनुपात लगभग 2:1 है। यानी ट्रेनों में दो तिहाई गैर वातनुकूलित और एक तिहाई वातानुकूलित कोच हैं। ट्रेनों में गैर वातानुकूलित कोच बढ़ाये जा रहे हैं। दस हजार गैर वातानुकूलित कोचों के निर्माण का काम हाथ में लिया गया है और अगले कुछ महीनों में 2500 गैर वातानुकूलित कोच संचालन के लिये मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी महीनों में लगभग 2500 अतिरिक्त सामान्य कोच का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने उल्लेख किया कि निकट भविष्य में, लगभग 10 हजार अतिरिक्त सामान्य कोचों का उत्पादन किया जाएगा, जिससे सामान्य कोचों की उप-लब्धता में कोई समस्या न हो।

श्री वैष्णव ने कहा कि श्री मोदी ने अमृत भारत पहल के तहत सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम रेलवे की कल्पना की है, जिसे पिछले साल पटरी पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अतिरिक्त 50 अमृत भारत ट्रेनों के उत्पादन को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। आने वाली 50 अमृत भारत ट्रेनों में 13 नए सुधार शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक और तेज गति से चलने वाली ट्रेन चलाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वंदेभारत की जोरदार सफलता के बाद अब अमृत भारत ट्रेन चलाना शुरू कर दिया गया है। अभी दो अमृत भारत ट्रेन चलायी जा रही हैं, ये ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुत आरामदायक सफर का अनुभव कराती हैं। जल्द ही पचास अमृत भारत ट्रेन चलाने की योजना है। इन ट्रेनों में 400 से 450 रुपये के बीच में करीब एक हजार किलोमीटर का सफर किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा कि 100 से 150 किलोमीटर की दूरी वाले दो मेट्रो स्टेशनों के बीच चलने वाली वंदे मेट्रो ट्रेन को जल्द ही शुरू किया जायेगा। यह ट्रेन यात्रियों के लिये एक वरदान साबित होगी। यह ट्रेन यात्रा का एक नया स्वरूप प्रदान करेगी। पहली वंदे मेट्रो ट्रेन बन गयी है, उसका परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संप्रग काल में केवल 2,300 एलएचबी कोचों का उत्प-ादन किया गया था, जबकि राजग की दो सरकारों में 37000 कोचों का उत्पादन किया गया है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक के अनुरूप स्वदेशी दिमाग से एक नया कोच विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रेनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कवच का इस्तेमाल बढ़ाने पर निरंतर ध्यान दिया जा रहा है और जल्द ही सभी ट्रेनों में इसका उपयोग शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश भर में कहीं भी बिना चौकीदार वाले फाटक अब नहीं रह गये हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में नौ हजार बिना चौकीदार वाले फाटकों चौकीदार नियुक्त कर दिये गये हैं या अंडर ब्रिज या ओवर ब्रिज बना दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेन संचालन में सुरक्षा के हर विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार दुर्घटनाओं को रोकने के लिये पूरी तरह के कटिबद्ध है।

श्री वैष्णव के जवाब के बीच-बीच में विपक्षी बेंचों से टोकाटाकी हो रही थी। रेल दुर्घटनाओं का जिक्र आने पर उन्होंने कहा कि एक भी दुर्घटना बहुत दुखद है और लेकिन वह विपक्ष के सदस्यों के बार-बार पूछने पर रिकॉर्ड रखना चाहते हैं कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के कार्यकाल में साल में औसतन 171 दुर्घटनाएं होतीं थीं।

अब यह आंकड़ा 68 प्रतिशत कम हो गया है। उनके यह कहने पर विपक्ष की ओर से कोई कटाक्ष किया गया जिस पर श्री वैष्णव भड़क गये। उन्होंने तेज आवाज़ में कहा, जो लोग 58 साल के राज में एक एटीसी (टक्कररोधी उपकरण) नहीं लगा पाये वो सवाल उठा रहे हैं। अपने गिरेबां में झांक कर देखें। विपक्ष की ओर से शोरशराबा होने पर रेल मंत्री का गुस्सा भी बढ़ गया, उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन के पुराने भाग की एक पुरानी दीवार क्या क्षतिग्रस्त हुई। कांग्रेस की ट्रोल आर्मी ने उसे उठा कर तमाशा खड़ा कर दिया। रोज़ाना दो करोड़ से अधिक लोग यात्रा करते हैं, उनको ये डराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी सदन में जब सुश्री ममता बनर्जी ने दुर्घटनाओं का स्तर कुछ कम होने पर मेजें थपथपा कर स्वागत किया था, लेकिन आज उससे बड़ी उपलब्धि मिली है पर उसकी तारीफ करने में सब पीछे हैं। उन्होंने संसद सदस्यों का आह्वान किया कि रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों की हिम्मत बढ़ाने की जरूरत है जो रेल को चलाते हैं। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेज़ें थपथपायीं। रेल मंत्री ने भी जोर जोर से मेज थपथपायी। श्री वैष्णव ने कहा, कांग्रेस की झूठ की दुकान नहीं चलेगी। कभी फौज को नीचा दिखाते हैं, कभी रेलवे को। जबकि रेलवे में वो ताकत है कि देश की कोई भी समस्या और बड़ी से बड़ी चुनौती से पार पा सकती है। रेल मंत्री ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ई टी मोहम्मद बशीर के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री बशीर ने किसी सीएजी की रिपोर्ट का उल्लेख करके रेलवे में दलित आदिवासी एवं पिछड़े वर्गों के लोगों की भर्ती का मामला उठाया था। हमारे अधिकारियों ने सीएजी की सभी रिपोर्टों को खंगाला लेकिन कहीं कोई एससी एसटी या ओबीसी का विषय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-14 तक संप्रग काल के दौरान, केवल 4,11,000 भर्तियाँ की गईं, जबकि 2014-24 तक कुल 502,000 भर्तियां पूरी की गईं। इस परीक्षा में करीब ढाई करोड़ अभ्यर्थी शामिल हुए, लेकिन एक भी शिकायत नहीं मिली। जनवरी में रेलवे भर्ती के लिए एक वार्षिक कैलेंडर भी स्थापित किया गया है तथा 40 हजार 565 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चालू है। उन्होंने कहा कि जिस मेहनत से ढाई करोड़ से अधिक लोगों की परीक्षा करायीं गयीं उसी प्रकार से आगामी परीक्षाएं होंगी और 40 से 50 हजार भर्तियां होंगी।

संरक्षा के मुद्दे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 2023-24 में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर व्यय 98,414 करोड़ रुपए था और इस बजट में इसके लिए 1,08,795 करोड़ आवंटित किए गए हैं। रोलिंग ब्लॉक प्रणाली कुशल और सक्रिय रखरखाव सुनिश्चित करते हुए, अगले 26 सप्ताहों के लिए योजना बनाकर रखरखाव को प्राथमिकता देती है। इसका लाभ कई दशकों तक मिलता रहेगा। उन्होंने यात्री सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे का राजनीतिकरण न करने के लिए दोनों पक्षों के सांसदों की सराहना की। उन्होंने मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग के मुद्दे को संबोधित करते हुए कहा कि 2019 में ऐसी 9000 क्रॉसिंग थीं। अब आरओबी, गेट और अंडरपास के निर्माण से यह समस्या दूर हो गई है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्टेशनों पर अब इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के माध्यम से नियंत्रण है। जबकि 2004 और 2014 के बीच केवल 837 स्टेशनों के पास यह तकनीक थी, अगले दशक में एक महत्व-पूर्ण वृद्धि हुई, 2014 से 2024 तक 2,964 स्टेशनों को कवर किया गया। उन्होंने यह भी नोट किया कि विभिन्न निर्माताओं के इंटरलॉकिंग सिस्टम को इंटरऑपरेबल बनाने के लिए कदम उठाए गए थे। उन्होंने बताया कि ट्रेनों की सुरक्षा को एटीपी (स्वचालित ट्रेन सुरक्षा) कहा जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के करीब 60 साल के शासनकाल में रेलवे नेटवर्क के पास यह जरूरी तकनीक नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में एटीपी विकसित करने का फैसला किया, कवच का 2016 में पहला परीक्षण हुआ और 2019 में एसआईएल-4 प्रमाणन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 2022 में इस प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए 3,000 किलोमीटर लंबी परियोजना शुरू की गई थी और 2024 में कवच के संस्करण 4.0 को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कवच के तीन निर्माता हैं, दो अतिरिक्त निर्माता जोड़े जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, 8,000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया गया है, और छह विश्वविद्यालयों ने अब अपने पाठ्यक्रम में कवच के बारे में अनुभाग शामिल किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब हमारे पास कवच को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन और क्षमताएं हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि ट्रैक विफलता, रेल दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है, जिसे बड़ी चिंता के साथ संबोधित किया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में, 26,52,000 अल्ट्रासोनिक दोष पहचान परीक्षण किए गए हैं, और नई प्रौद्योगिकियों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2013-14 में, लगभग 2,500 रेल फ्रैक्चर थे, लेकिन 2024 में यह संख्या घटकर केवल 324 रह गई है, जो 85 प्रतिशत की कमी का संकेत देती है। लोको पायलटों के संदर्भ में रेल मंत्री ने कहा कि लोको पायलट रेल परिवार के बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं। इस पर विपक्ष की ओर से किये गये कटाक्षों से श्री वैष्णव फिर से भड़क गये, उन्होंने कहा, हम रील बनाने वाले नहीं, रियल में काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि लोको पायलटों के लिए वर्ष 2005 के नियमों के हिसाब से ड्यूटी एवं विश्राम का समय तय किया जाता था। वर्ष 2016 में नियमों में संशोधन करके लोको पायलटों की कार्य स्थितियों में सुधार के लिए कदम उठाए तथा ऑफ-ड्यूटी सुविधाओं में वृद्धि की गयी है। देश में सभी 558 रनिंग रूम को वातानुकूलित बनाया गया। लोकोमोटिव इंजन की कैब में एर्गोनोमिक सीटों और एयर कंडीशनिंग को शामिल करने के लिए 7000 से अधिक लोको कैब का उन्नयन किया गया है। उन्होंने कहा, जो लोग लोकोपायलट के साथ रील बना रहे थे, उनके समय में एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था। रेल मंत्री विपक्ष के प्रतिक्रियात्मक शोर शराबे पर आक्रामक मुद्रा में आ गये और कहासुनी भी हुई। इस पर विपक्ष के सदस्य रेल मंत्री हाय हाय के नारे लगाने लगे। इस बीच अध्यक्ष ओम बिरला ने रेल मंत्री से कहा कि वह विपक्ष की टोकाटाकी पर ध्यान नहीं दें। श्री वैष्णव ने कहा कि केरल का आवंटन बढ़ाकर औसतन 3011 करोड़ रुपये किया गया है जो संप्रग सरकार के दौरान 372 करोड़ रुपये था। तमिलनाडु का आवंटन औसतन 879 करोड़ रुपए से बढ़कर 6362 करोड़ रुपये हो गया। केरल और तमिलनाडु से भूमि अधिग्रहण समर्थन की उम्मीद है। रेलवे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तमिलनाडु से 2749 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, केवल 807 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे विद्युतीकरण ने दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 10 वर्षों में 44 हजार किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ, जबकि 50 वर्षों में केवल 20 हजार किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ। पिछले 10 वर्षों में विद्युतीकरण से होने वाले लाभों में 600 मिलियन टन अतिरिक्त कार्गो, 640 करोड़ लीटर डीजल की बचत और 400 करोड़ किलो कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी शामिल है, जो 16 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। रेल मंत्री ने पिछले कुछ वर्षों में रेलवे को रिकॉर्ड आवंटन के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। उन्होंने लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया जो प्रतिदिन लगभग 21 हजार ट्रेनें चलाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे देश की जीवन रेखा है और एक महत्वपूर्ण संगठन है जिस पर देश की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। उन्होंने संसद से रेलवे को राजनीतिकरण से मुक्त करने और देश के लाभ के लिए इसके सुधार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले दो दिनों में सरकार और विपक्षी सांसदों दोनों की ओर से कई सुझाव आए हैं जिन पर सरकार सकारात्मक ढंग से विचार करेगी। श्री वैष्णव का वक्तव्य पूरा होने पर विपक्षी सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये। श्री बिरला ने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, जब अगले पक्ष का कोई सदस्य या मंत्री बोल रहे हों तो दूसरे पक्ष के लोगों को बैठे बैठे टोकाटाकी नहीं करनी चाहिए।

ममता मोहंता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। ओड़ीशा से राज्यसभा सांसद ममता मोहंता ने बीजू जनता दल (बीजद) छोड़ कर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गयीं।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में श्रीमती मोहंता ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद अरुण सिंह, ओडिशा प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर, सांसद प्रदीप पाणिग्रही, सांसद श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी, श्रीमती मालविका केसरीदेव और सांसद अनंत नायक की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अरुण सिंह ने श्रीमती मोहंता को भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ओडिशा में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। श्री मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार और ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है जिससे ओडिशा का तीव्र गति से विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 वर्षों के कार्यकाल में बीजद ओडिशा के विकास को अनदेखा किया। आदिवासियों और पिछड़ों के अधिकारों को नजरंदाज किया गया इसलिए ओडिशा की जनता ने भाजपा को विजयी बनाया। देश की जनता को प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों और कार्यक्रमों पर विश्वास है। मोदी सरकार द्वारा गरीबों के सशक्तिकरण के लिए पक्का आवास, पांच किलो अनाज, पीने का पानी, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधाएं दी गयी है।

उन्होंने कहा कि श्रीमती मोहंता ने बीजद महिला मोर्चा की अध्यक्ष रहते हुए मयूरभंज में महिलाओं के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है। भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री श्री मोदी के जनकल्याणकरी एवं विकास की योजनाओं से प्रभावित होकर वह भाजपा परिवार में शामिल हुई हैं। उनके भाजपा में आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। भाजपा ओडिशा प्रभारी श्री तोमर ने कहा कि श्रीमती मोहंता ओडिशा के आदिवासी क्षेत्र से आती हैं और उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी को ओडिशा में बल मिलेगा। उनकी पकड़ से पार्टी की नीतियों को प्रोत्साहन मिलेगा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही विकास यात्रा का हिस्सा बन रही हैं। भाजपा में शामिल होने के पश्चात श्रीमती मोहंता ने भाजपा परिवार का हिस्सा बनने के लिए भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में अपना हरसंभव योगदान देंगी।

पहले माता प्रसाद पांडेय, अब हरिशंकर तिवारी

ब्राह्मणों को साधने की आपाधापी में अखिलेश यादव

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके लिए जहां वो पीडीए के समीकरणों को मजबूती देने में जुटे हैं तो दूसरी तरफ वो भाजपा का कोर वोटर माने जाने वाले ब्राह्मणों को अपने पाले में लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने हाल ही में कई चर्चित नेताओं की बजाए सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से सपा विधायक माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया। जिससे यह माना गया कि उन्होंने ब्राह्मण समाज को पीडीए के ए को अगड़ा मान समाजवादी पार्टी से जुड़ने का संदेश दिया है। जबकि पीडीए का ए अल्पसंख्यकों के लिए है।

अब अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बहाने पूर्वांचल में नया दांव खेला है। हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव टांडा में प्रतिमा स्थापित करने के लिए बन रहे चबूतरे को बिना इजाजत निर्माण की शिकायत पर प्रशासन ने बुधवार को ध्वस्त करा दिया था। इस कार्रवाई का स्थानीय स्तर पर विरोध हो रहा था। इसी बीच अब अखिलेश यादव ने मुद्दे को भांपते हुए एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। चिल्लूपार के सात बार विधायक रहे उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। गोरखपुर की सियासत में ब्राह्मण बनाम ठाकुर की कहानियां खूब सुनाई जाती हैं। कई लोग हरिशंकर तिवारी के हाते और गोरखनाथ मठ की राजनीति के बीच बहुत पुराना विवाद बताते हैं। पूर्वांचल के ब्राह्मण समाज में हरिशंकर तिवारी का बड़ा समर्थक वर्ग रहा है।

ऐसे में अखिलेश के ताजा रुख से माना जा रहा है कि वो एक के बाद एक कदम उठाकर ब्राह्मण राजनीति को हवा और ब्राह्मणों को लगातार संदेश दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि एमवाई (मुस्लिम+यादव) के बाद सपा अब पीडीए के तहत गैर यादव ओबीसी और दलित वोटरों को अपनी तरफ खींचने की पूरी कोशिश कर रही है।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के 18 सदस्य निलंबित, मामला सदाचार समिति को

रांची, 01 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी सदस्यों का जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने भाजपा के 18 सदस्यों को 2 अगस्त अपराह्न 2:00 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

इससे पहले आज पूर्वाहन 11:00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुदिव्य कुमार सोनू ने भाजपा विधायकों के रवैए पर नाराजगी जाहिर करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि संसदीय परंपरा की विरुद्ध जिस तरह से भाजपा विधायक को की ओर से आचरण किया गया है वह निंदनीय है और विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा कार्य संचालन नियमावली के अनुसार इन सभी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

दूसरी तरफ बीजेपी विधायक वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इससे नाराज विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा के अनंत ओझा, विरंची नारायण और सीपी सिंह समेत 18 सदस्यों को कल अपराहन 2:00 बजे दिन तक के लिए तक के लिए निलंबित कर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच सदन की सदा-चार समिति करेगी। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने आज सदन की कार्यवाही को दोपहर 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। जिन विधायकों को निलंबित किया गया, उनमें विरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नारायण दास, केदार हाजरा, किशुन दास, सीपी सिंह, नवीव जायसवाल, अमित मंडल, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, शशिभूषण मेहता, अलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, नीरा यादव, अपर्णा सेनगुप्ता, राज सिन्हा और समरी लाल शामिल हैं।

विधानसभा से निलंबित होने के बाद बाहर में पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा विधायकों की ओर से किसी भी तरह का कोई गलत आचरण नहीं किया गया इसके बावजूद तानाशाही रवैया बनाते हुए सभी को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया पर भी अंकुश लगाने की कोशिश की गई। श्री बाउरी ने कहा कि जिस तरह से आज कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के इशारे पर विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कार्रवाई की गई है ,वह आप-ातकाल का याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक सिर्फ युवाओं को रोजगार और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर की ओर ध्यान दिलाते हुए मुख्यमंत्री से जवाब देने की मांग कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को भी पाकुड़ में रोकने की कोशिश की गई । यह सारी घटनाएं यह बताती है कि कांग्रेस राज्य मैं फिर से एक बार इमरजेंसी थोपना चाहती है ।उन्होंने कहा कि यदि उनकी सदस्यता भी चली जाती हैं तब भी वे जनमुद्दों को उठाते रहेंगे और आने वाले चुनाव में कांग्रेस झामुमो का पूरी तरह से सफाया होगा।

समाजवादी पार्टी का बलात्कारी नेता अयोध्या में गिरफ्तार

- सपा का भदरसा नगर अध्यक्ष है मो. मोइद खान
- बलात्कार में शामिल नेता का गुर्गा भी गिरफ्तार
- सपा नेता ने बलात्कार का वीडियो भी बनवाया
- अयोध्या के सांसद का करीबी है बलात्कारी नेता

लखनऊ, 01 अगस्त: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले ही विधानसभा में समाजवादी पार्टी के लोगों को महिला सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। अयोध्या में बुधवार को सपा नगर अध्यक्ष द्वारा नाबालिग के साथ गैंगरेप करने और उसका वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी की यह बात एक तरह से पुख्ता हो गयी। घटना के सामने आने के बाद अयोध्या पुलिस ने गुरुवार को 12 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप करने वाले आर-ोपी समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसकी बेकरी में काम करने वाले एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के परिजनों को मामले की जानकारी तब हुई जब मासूम गर्भवती हो गयी। इसके बाद मासूम के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। हैरान करने वाली बात यह है कि सपा नेता की इस घिनौनी करतूत से अयोध्या के सांसद बेखबर हैं। जब मीडिया ने उनसे इस विषय पर पूछा तो वो जवाब देने से कतराते रहे।

एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि सपा नेता मोइद खान ने पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया और फिर इसका वीडियो बनाया। अपनी घटिया करतूत का वीडियो दिखाकर और धमकी देकर आरोपी करीब ढाई महीने तक रेप को अंजाम देता रहा। इस करतूत को मोइद खान ने अपनी बेकरी में काम करने वाले राजू खान की मदद से अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि मामले का खुलासा दो माह बाद नाबालिग के गर्भवती होने पर हुआ। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला थाना पूराकलंदर के भदरसा कस्बे का है। परिजनों के मुताबिक नाबालिग के पेट में दर्द होने पर वह डॉक्टर्स के पास लेकर पहुंचे, जिसके बाद मासूम के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। साथ ही दोनों आरोपी सपा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसके साथी राजू खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि पीड़िता के पिता की 2 साल पहले मौत हो चुकी है। घर का गुजारा उसकी मां और बहनों के द्वारा मजदूरी से मिले पैसे से चलता है। आरोप है कि ढाई महीने पहले जब पीड़ित मजदूरी कर घर लौट रही थी तो मोइद खान की बेकरी में काम करने वाला राजू खान उसके पास आया और कहा मोइद खान तुम्हें बुला रहे हैं। जब पीड़ित वहां पहुंची तो मोइद खान ने उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि सपा नेता मोइद खान ने रेप किया और राजू ने मोबाइल से वीडियो बनाया। इसके बाद राजू ने भी अपनी हवस पूरी की। इसके बाद ये सिलसिला आम हो गया और लगातार पीड़ित किशोरी के साथ यह दोनों रेप करते रहे। पीड़ित नाबालिग के साथ मोइद खान की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं इस विषय पर अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुझे तो इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। वो मामले में कुछ भी बोलने से कतराते रहे।

समाज के कोढ़ हैं ऐसे सपाई : सीएम योगी

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट में डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बताया तो वहीं कानून व्यवस्था पर सपा को खूब लताड़ा। बोले कि अयोध्या में अतिपिछड़ी बच्ची से दुष्कर्म व हरदोई में अधिवक्ता की हत्या में सपा के नेताओं का नाम आ रहा है। अयोध्या का आरोपी सांसद का करीबी है तो हरदोई मामले का आरोपी सपा का पूर्व जिलाध्यक्ष है और 2012 से 2017 के मध्य सपा शासन में इस पर कई मामले दर्ज हुए। यह समाज के कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं। सीएम ने 2016 से 2024 के एन-सीआरबी के आंकड़ों को बताते हुए कानून का राज स्थापित करने की प्राथमिकता को गिनाया।

सीएम योगी ने एनसीआरबी के आंकड़ों को गिनाते हुए 2016 से 2024 के तुलनात्मक अंतर को बताकर यूपी में अपराधों में आई कमी की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि डकैती में 86.47, लूट में 78. 17, हत्या में 43.21, बलवा में 67.42, ग्रह भेदन 4.31, फिरौती के लिए अपहरण में 70 फीसदी की कमी आई है। महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना दिखाया। बोले कि दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है। महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों में राष्ट्रीय औसत पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में 2017 से 2022 तक महिलाओं के प्रति अपराध बहुत कम हुए हैं। 2017 से 2022 में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। बलात्कार के मामले में इस दौरान छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान व झारखंड में यूपी से अधिक अपराध घटित हुए थे। यूपी का इसमें 24वां स्थान है। शील भंग में यूपी का 17वां स्थान है यानी 16 राज्यों में यूपी से अधिक अपराध हुए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि यूपी में निरोधात्मक कार्रवाई के तहत शस्त्र अधिनियम के तहत 2016 की तुलना में 2024 में 4.45 प्रतिशत, एनडीपीएस में 14.98 फीसदी, आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 57.95 प्रतिशत, गुंडा अधिनियम 70.69, गैंगस्टर के तहत 15.81 फीसदी अधिक कार्रवाई हमारी सरकार ने की है। प्रदेश सरकार द्वारा बढ़ाए गए कदम हर किसी के सामने है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मामले पर चर्चा करते हुए सपाइयों को खूब लताड़ा। सीएम योगी ने कहा कि सपा नेता मोइन खान अति पिछड़ी जाति की 12 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के कृत्य में शामिल पाया गया है। वह सपा का एक्टिव मेंबर और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है। सपा सांसद के साथ उठता-बैठता, खाता-चलता है। सपा ने अभी तक उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। ऐसी गतिविधियों के कारण सपा का नाम लेना ही पड़ता है। घटिया हरकत में लिप्त होने के बावजूद इसे हल्केपन में लिया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि कल हरदोई में दुखद घटना हुई। इसमें भी सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव का नाम आ रहा है। सीएम ने धिक्कारते हुए कहा कि ऐसा व्यक्ति सपा का जिलाध्यक्ष रह चुका है। इसके द्वारा सरेआम अधिवक्ता की हत्या कराई गई है।

राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने का पर्व है काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष: योगी

धूमधाम से मनाया जाएगा काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अमर कथानक ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। आगामी 09 अगस्त को शताब्दी वर्ष की शुरुआत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काकोरी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे, वहीं स्वाधीनता दिवस तक हर घर तिरंगा फहरा कर अमर शहीदों को नमन भी किया जाएगा।

बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन देश के स्व-ाधीनता समर की अमर कहानी है। यह राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने वाला पर्व है। अगले वर्ष 2025 में जबकि इस घटना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं तो यह अपने अमर नायकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक सुअवसर है। उन्होंने कहा कि पूरे एक वर्ष तक विविध कार्यक्रमों के माध्यम से काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृतियों को नमन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा इस वर्ष 09 अगस्त को काकोरी में मुख्य समारोह के आयोजन के बाद प्रदेश के प्रत्येक शहीद स्मारक पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

9 अगस्त को स्कूलों में प्रभात फेरी निकल जाए। स्कूलों ,कॉलेजों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विषय में डिबेट का आयोजन किया जाए। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए। जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संबंध में हो। विजेता बच्चों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पेंटिंग की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाए।यह पेंटिंग स्थानीय या क्षेत्रीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से संबंधित हो। 9 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर प्रत्येक शहीद स्मारक पर पुलिस बैंड के माध्यम से राष्ट्र गीत के धुन बजाया जाए। इससे पूर्व शहीद स्मारकों के आस-पास स्वच्छता का अभियान चलाया जाए। विभिन्न अस्पतालों में फलों का वितरण किया जाए। युवा रक्तदान करें। साथ ही, एक पेड़ मां के नाम भी नाम पर भी पौधरोपण किया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 अगस्त काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर हर घर तिरंगा लगाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए। 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच हर घर पर तिरंगा लगाए जाए। यह एक जनांदोलन के रूप में हो। एक पोर्टल तैयार किया जाए, जिस पर लोग अपने घरों पर तिरंगा लगने के बाद सेल्फी लेकर उसे अपलोड करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में गौरव गाथा स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्र चिंतन विचार ,शहीदों को नमन, पर्यावरण संरक्षण एक जीवन शैली, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास, समर्पण एवं राष्ट्र की सेवा इत्यादि विषयों पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मुस्लिम वोटों के लिए अपने ही सदस्य की मदद नहीं कर रही भीम आर्मी

गाजियाबाद, 01 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद में मोहम्मद आलम ने कुछ दिन पहले अपनी लिव-इन पार्टनर पूजा का गला घोंटकर उसे मौत के उतार दिया था। अब इसी मामले में आगे पता चला है कि पूजा, भीम आर्मी के सदस्य सुमित कुमार की साली थी। सुमित ने दावा किया है कि वो दलित संगठन भीम आर्मी के वरिष्ठ सदस्य थे। उनकी साली के साथ जब इतनी बड़ी घटना घटी तो वो संगठन के पास मदद के लिए गए लेकिन वहां उन्हें जीरो समर्थन मिला।

8 साल से सुमित कुमार भीम आर्मी के वरिष्ठ सदस्य हैं। जिसके मुखिया सांसद चंद्र शेखर रावण है और इसका नाम भीम राव अंबेडकर के नाम पर रखा गया है।

पिछले हफ्ते जब पूजा की हत्या आलम ने की तब सुमित संगठन के पास मदद के लिए गए, लेकिन वहां उन्हें जीरो सपोर्ट मिला। वह बताते हैं कि घटना के बाद वह आजाद समाज पार्टी के कार्यालय गए, वहां उन्होंने अलग-अलग लोगों से बात की लेकिन किसी ने उनकी कोई मदद नहीं की।

मेरठ में कांवड़ियों पर आसमान से हुई पुष्प वर्षा

डीएम-एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से बरसाए शिव भक्तों पर फूल

लखनऊ/मेरठ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ में गुरुवार को कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए। मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा देखकर कांवड़िए गदगद हो गए। पुष्प वर्षा से खुश शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए नारे भी लगाए। उल्लेखनीय है कि मेरठ में एक दिन पहले भी बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। इसके बाद अब हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई है। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की माने तो कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। साथ ही सुरक्षा के भी चाक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। पुष्प वर्षा से खुश कांवड़ियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि समूचे कांवड़ मार्ग में बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की गईं हैं।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा की ओर से की गई। हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन से उड़ा और फिर बाबा औघड़नाथ मंदिर पल्लवपुरम, बागपत फ्लाईओवर, सिवाया टोल, दौराला, सकौती सहित पूरे एनएच58 मार्ग पर कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के दौरान कावड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण भी किया गया है।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना यूपी, अपनी जरूरतें पूरी करने में सक्षम : योगी

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है और अपनी ज्यादातर आवश्यकताओं की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो चुका है। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट को लेकर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के संकल्प को पूरा करने और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख रुपए का अनुपूरक बजट लाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते फरवरी माह में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पारित मूल बजट की 44 फीसदी धनराशि जारी हो चुकी है और 20 फीसदी खर्च भी हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट का आकार साढ़े सात लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। यह 2015-16 के बजट के आकार से दोगुना है। उन्होंने कहा कि यूपी की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदेश के बजट का दायरा बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने इस बात की भी जानकारी दी कि 11 विभागों के माध्यम से 196 योजनाओं के लिए 70 हजार करोड़ रुपए का डीबीटी के जरिए हुआ हस्तांतरण है, जो गरीब जनता के खातों में सीधे ट्रांसफर हुआ है। डीबीटी कैसे एक गरीब को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने में सहायक होती है, यह उसका बड़ा उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में सदन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वयोवृद्ध नेता प्रतिपक्ष ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। हमने हमेशा अपने से बुजुर्गों को सम्मान दिया है। हमारे यहां मान्यता है कि वो सभा सभा नहीं होती, जहां बुजुर्ग का सम्मान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरासत में जैसा यूपी मिला था और आज जैसा यूपी आज है, वो सबके सामने है। हमने अटल जी की पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त की है, कि मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े।

सीएम ने कहा कि फरवरी में मूल बजट पारित करके अप्रैल में वित्तीय वर्ष शुरू होते ही हमने उसका उपयोग करना शुरू कर दिया। 2024-25 का मूल बजट 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपए का था। हालांकि वित्तीय वर्ष शुरू होते ही आम चुनाव का वक्त आ गया, इसके बावजूद विभिन्न विभागों के लिए बजट का औसतन 44 फीसदी धनराशि रिलीज हुई है और 20 फीसदी से अधिक खर्च भी हुआ है। हमने बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए सरकार की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर इस बात को दर्शाता है कि बजट का पैसा बड़े निर्माण में लग रहा है। ये अनुपूरक बजट यूपी में निवेश बढ़ाने वाला है। आज उत्तर प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुने से ज्यादा बढ़ी है। यूपी एक सही दिशा में बढ़ रहा है, जो नए मद बनाए गये हैं उसके लिए इस नये अनुपूरक बजट की आवश्यकता पड़ी, इसलिए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख का अनुपूरक बजट मानसून सत्र में लाना पड़ा है।

संपादकीय

चिंताजनक है पश्चिम बंगाल की स्थितियां

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ढुलमुल रवैए, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी और कट्टरवादी ताकतों की निर्भय सक्रियता के कारण अराजक स्थितियां बन गई हैं। सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवतः कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है। लेकिन ऐसी मजबूरी किसी काम की जो लोकतंत्र और संविधान की रक्षा ही नहीं कर सके। अपने कार्यकर्ताओं के दुःख-दर्द में सहभागी न हो सके। प्रदेश में स्थितियां इतनी भयावह हैं कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में बनी अराजक स्थिति से राष्ट्रपति को अवगत कराया और राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू से हस्तक्षेप करने की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने उन सब बातों को दोहराया है, जिन्हें अब तक भाजपा उठाती आई है। जैसे, चुनावी एवं राजनीतिक हिंसा। पंचायत एवं विधानसभा चुनावों की भाँति हाल ही में सम्पन्न हुए आम चुनावों के दौरान एवं बाद में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले करना, उनकी आजीविका समाप्त करना और ध्रुवीकरण करना। दो पन्नों के पत्र में चौधरी ने स्पष्ट लिखा कि "मेरे लिए व्यक्तिगत स्तर पर, राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। इसका कारण सत्तारूढ़ पार्टी का विपक्ष के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समर्थकों के प्रति क्रूर रवैया है"। चौधरी ने 'क्रूर रवैया' शब्द का उपयोग उचित ही किया है। जिस प्रकार से वहाँ लोगों के घर-दुकान जलाए जा रहे हैं, उनको घेरकर निर्दयीयता के साथ मारा-पीटा जा रहा है, महिलाओं के साथ अभद्रता की जा रही है, यह सब क्रूरता की पराकाष्ठा है। इस क्रूरता के कारण लोगों को अपने घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसकी उम्मीद तो कम ही है कि अधीर रंजन चौधरी की पीड़ा को कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सुनेगा। परंतु, पश्चिम बंगाल की स्थितियां सुधारने एवं कानून की व्यवस्था लागू कराने के लिए केंद्र सरकार को अवश्य ही कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए।

सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवत : कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है।

मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती हैं पाठ्य पुस्तकें

प्रियंका सौरभ

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देश भर में शिक्षा को मानकीकृत करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)। मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं , छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य-पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियाँ और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए "ईमानदार लकड़हारा" जैसी कहानियाँ छात्रों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा

देती हैं ।उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या-समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस-पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ-साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है. एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अक्सर कम दर्शाया जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के छात्रों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अक्सर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है।

दृष्टि कोण

भारत की ताकत रही है धार्मिक विविधता

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवड़ियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवड़ियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है। तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े। इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं। कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है। सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है। उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती। अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है। था कोई ज़माना जब राजनेता अक्सर यह कहकर बच निकलते थे कि उन्हें ग़लत उद्धृत किया गया, अथवा ग़लत समझ गया, पर चौबीस घंटे समाचार चैनलों के युग में यह बहानेबाजी नहीं चल सकती। सारी दुनिया ने शुभेंदु अधिकारी के उस भाषण को सुना है। दुनिया ने तो भाजपा के एक अन्य बड़े नेता को पिछले चुनावों के समय प्रचार के दौरान यह कहते भी सुना था कि हमें अल्पसंख्यकों के वोट की आवश्यकता नहीं है। यही क्यों, स्वयं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह कह चुका है कि कांग्रेस वाले देश के संसाधन मुख्यतः 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को देना चाहते हैं। यह सारी बातें सांप्रदायिकता की उस घटिया और खतरनाक राजनीति की ओर इशारा करती हैं जो देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर बनाने में लगी है। हमारा पंथ-निरपेक्ष संविधान सर्व धर्म समभाव में विश्वास करता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-विचार कर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने से इनकार किया था। आसेतु-हिमालय हमारा भारत सभी धर्मों को मानने वाले भारतवासियों का देश है। हमारे प्रधानमंत्री यह कहते नहीं थकते की 140 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है। जब इस परिवार के एक हिस्से को पंक्ति से बाहर बिठाने की कोशिशें हो रही हैं तो स्वयं को परिवार का मुखिया मानने वाले व्यक्ति के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वह इन विघटनकारी गतिविधियों का न केवल विरोध करे बल्कि उन्हें असफल बनाने का उदाहरण प्रस्तुत करे। दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया। बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए। यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है। न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया। लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं। हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिन्हित किए जाने का कोई स्थान नहीं है। यही हमारा वह संविधान भी कहता है जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते। शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है। यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है। संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है। कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता की दुहाई देने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए की यात्रा के मार्ग में कांवड़ियों का स्वागत-सत्कार करने वाले सिर्फ हिंदू ही नहीं हैं।

कुछ अलग

प्रकृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात ब्रrा यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांविड़या। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांविड़ए दूर-दराज से आते हैं और अपने आस-पास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पात पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है, और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धरमिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धरमिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशुपक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़ेमकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांविड़ए जलरत्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलरत्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्रावृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी वृपा हमारे ऊपर भी सतत धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके। भोलेनाथ के भत्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम वुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को सर्मपित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पामिी व पूवा यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व वुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरुआत वैसे हुईं। वुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरुआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्वृतिक, भौगोलिक और धरमिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है। उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांविड़ए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी।

देश दुनिया से

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा

सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार–तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है।

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देश की वर्तमान हालातों ने भविष्य की संभावनाओं और समस्याओं को रेखांकित करना शुरू कर दिया है। केन्द्र की कमजोर सरकार और दमदार विपक्ष के कारण कठोर निर्णयों के लिए बेहद समस्याग्रस्त वातावरण निर्मित हो चुका है। सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार-तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है। ऐसे में केन्द्र में कमजोर सरकार और विपक्ष के राष्ट्रघाती वृत्यों को अवसर समझकर चीन से साथ मिलकर पाकिस्तान ने देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर आंतरिक युद्ध कराने की लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। नईं सरकार के गठन के बाद पाक सीमा से घुसपैठ तेज हो गईं। माछिल सेक्टर स्थित कामकारी में फार्वर्ड पोस्ट सहित विभिन्न सीमावता इलाकों से पाक सेना व्दारा निरंतर गोलाबारी की जाने लगी। इस बार्डर एक्शन टीम में शामिल पाकिस्तानी सेना के विशेष कमांडो सहित वहां के पूर्व सैनिकों ने आतंकवादियों के वेश में कश्मीर की धरती में घुसपैठ करना शुरू कर दी है। उन्हें देश के लोकसभा और राज्यसभा के सदनों में हुये निन्दनीय दृश्यों को देखकर हमारी धरती पर मीरजाफर जैसों की सलाह पर ली और सेना के राष्ट्रभत्त सैनानियों के खून से घाटी को रंगना शुरू दिया। उन्हें विश्वास है कि बंगला देश के आतंकियों को पनाह देने वाली ममता, राष्ट्र के शौर्य का प्रमाण मांगने वाले राहुल, खालिस्तान के मुद्दे पर नरम रुख अपनाने वाले केजरीवाल जैसे लोगों के साथ-साथ भारत की कानून व्यवस्था को मनमाफिक मोड़ने में माहिर कलुषित काले कोटधारी उनके मंसूबों को पूरा करने में हमेशा की तरह साथ खड़े रहेंगे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्दालय मे देश के टुकड़े-टुकड़े करने की झंडा बुलन्द करने वालों को भी राजनीति के अखाड़े के पहलवानों ने ही बचाया था। देश में जितनी भी राष्ट्र विरोधी स्थितियां पैदा हुईं, सभी में राजनैतिक दिग्गजों के नाम प्रमुखता से सामने आये। घटनाओं के समय रेखांकित किये गये मुद्दे समय के साथ ठंडे बस्ते में चले गये। राष्ट्र को राष्ट्रवाद से हटाकर जातिवाद के वगाकरण में विभत्त कर दिया। कभी कानून की धाराओं, अधिनियमों के खण्डों और अनुशासन के सिद्धान्तों को साम्प्रदायिक रंग देकर न्याय की बंद आंखों में धूल झौंकने का काम किया जा रहा तो कभी आन्तरिक युद्ध जैसी स्थितियां पैदा करने करने हेतु जेहाद की नईं परिभाषायें गढ़ीं गईं। छतों पर पत्थरों का ढेर, बमों की निर्माण, अवैध हथियारों का संग्रह, षड्यंत्रकारियों को सहयोग, सरकारी जमीनों पर अतिामण जैसे कार्य करने वाले सपेदपोश के चेहरों पर चढ़े नकाब तक हाथ पहुंचते ही राजनैतिक खेमों से लेकर कथित समाजसेवियों, कथित बुद्धिजीवियों, कथित राष्ट्रभत्तों की जमातें अपने खास सिपाहसालारों के साथ सड़कों पर हंगामा करने के लिए भीड़ की शक्ल में जमा होकर सम्पत्तियों को नष्ट करने लगते हैं। लाइन आफ एक्चुअल कन्ट्रोल पर आव्रामक होता पाकिस्तान अपने दोस्त चीन के सहयोग से अब अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों के साथ अपने एसएसजी कमांडोज़, सेना के जवानों, पूर्व सैनिक, खास कट्टरपंथियों को छापामार युद्ध में प्रशिक्षित करके घाटी में उतार रहा है। देश के गद्दारों से साथ उसका बेहतर तालमेल है। ऐसे कथित अनेक गद्दारों के नाम वर्तमान में देश की विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं जिम्मेवार स्थानों पर अंकित होना प्रचारित है। राष्ट्र की सुरक्षा, विकास और सम्पन्नता हेतु लिये जाने वाले निर्णयों के लिए भी अब अनेक जटिलतायें पैदा हो गईं हैं। चर्चा है कि इन जटिलताओं के जन्मदाता विगत कार्यकाल में कमजोर होते के बाबजूद भी दुनिया भर में भारत की बुराईं के ब्राण्डएम्बेस्टर बनकर चर्चित रह चुके हैं। अनेक बार बेनकाब हो चुके चेहरों ने कभी माथे पर चंदन लगाया तो कभी सिर पर टोपी लगाईं। कभी पगड़ी बांधी तो कभी नंगे पैर चलने का अभिनय किया। नाम और कर्म से दोरंगी प्रवृति को अंगीकार करने वालों की जमात जब तक देश में सव्रिय रहेगी तब तक भितरघातियों से साथ मिलकर बा आव्रान्ता निरंतर आव्रमण करते रहेंगे और राष्ट्र भत्तों से लहू से लाल होता रहेगा मां भारती का आंचल।

आप का नजरिया

घातक लापरवाही

घातक लापरवाही दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के बाद जब रविवार को सैकड़ों छात्रों ने सड़क पर उतरकर दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू किए, तब जाकर लोगों को इस बात का एहसास हुआ कि दिल्ली की सीवर और नालों की सफाईं के मामले में जो लापरवाही बरती जा रही है, उसकी कीमत निर्दोष नागरिक अपनी जान देकर चुका रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार की शाम 6 बजे के आसपास जब भारी बारिश हो रही थी उस वक्त दिल्ली की प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी करने के लिए राव आईंएएस स्टडी सर्विल नामक कोचिंग सेंटर में वुछ छात्र बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में पढ़ रहे थे। लाइब्रेरी 7 बजे तक खुली रहती है। जिस वक्त मूसलाधार बारिश हो रही थी तब बेसमेंट में वुल 35 छात्र मौजूद थे। बाद में सीवर का पानी लाइब्रेरी के लोहे के गेट को तोड़कर बेसमेंट में घुस गया। छात्र जब तक संभलते या बाहर निकलने की कोशिश करते इसके पहले ही 12 फीट तक पानी भर गया। इसके बावजूद 23 छात्र किसी तरह जान बचा कर बाहर निकल सके। इस बीच जो 12 छात्र पंसे थे उनमें से तीन छात्रों की करंट लगने से मौत हो गईं। रविवार को पुलिस ने छात्रों के आव्रोश को देखते हुए कोचिंग सेंटर के मालिक और कोआर्डिनेटर के खिलाफ लापरवाही के लिए एफआईंआर दर्ज कर लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? इस कोचिंग सेंटर से बाहर दो दिन पहले भी सीवर का पानी भरने से नीलेश पटेल नामक छात्र की मौत हो चुकी है। इन छात्रों की मौत का यदि कोईं भी जिम्मेदार है तो वह है नगर निगम और दिल्ली सरकार का दिल्ली जल बोर्ड। दिल्ली में आज की तारीख में नाम का मुख्यमंत्री है। वर्व प्राम होम तो संभव है किंतु वर्व प्राम जेल बिल्वुल भी संभव नहीं है। इसलिए दिल्ली सरकार की भूमिका को तो छोड़ ही देनी चाहिए। रही बात नगर निगम की तो यह संस्था पूरी तरह निकम्मी हो चुकी है। अप्रैल से लेकर मईं तक नालों और सीवरों की सफाईं हो जानी चाहिए थी। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। जरा सी बरसात होते ही सड़वें नाला बन जाती हैं क्योंकि बरसात का पानी सीवर के जाम होने से नाले में जा ही नहीं पाता। सीवर की सफाईं का काम दिल्ली जल बोर्ड का है और यह संस्था दिल्ली सरकार के तहत आती है। जिस तरह सीवर जाम पड़े हैं, उसी तरह नाले भी जाम पड़े हैं। क्षेत्रीय इंजीनियर और कर्मचारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाईं होनी चाहिए। पुलिस, डीडीए और दानिक्स वैडर के अधिकारियों से संबंधित जब भी कोईं लापरवाही सामने आती है तो उपराज्यपाल विनय सक्सेना की आलोचना होती है, किंतु यहां तो मुख्यमंत्री तिहाड़ जेल में हैं, भला उनको जिम्मेदार वैसे ठहराया जा सकता है। विडम्बना देखिए कि आम आदमी पार्टी बनी ही थी दिल्ली में बिजली, पानी, सीवर सफाईं जैसी मूल भूत सुविधाओं को लेकर किंतु आज इसी पार्टी की सरकार में छात्र व्यवस्था की निर्मम लापरवाही के शिकार हो तड़पकर मर रहे हैं।

पाकिस्तान ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड और हाफिज गुल बहादुर को प्रतिबंधित किया

इस्लामाबाद, 01 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड (एमबी) और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप (एचजीबीजी) पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब मुल्क में प्रतिबंधित संगठनों की कुल संख्या 81 हो गई है। इसके साथ ही सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल ख्वारिज के रूप में वर्गीगत किया है। इससे पहले 29 मार्च को आतंकवादी समूह जैनबियुन ब्रिगेड को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि मजीद ब्रिगेड को 19 जुलाई और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप को 25 जुलाई को प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध लगाने से पहले दोनों संगठनों पर दो साल तक निगरानी रखी गई। हाफिज गुल बहादुर पहले एक सरकारी ठेकेदार थे। उनका संगठन एचजीबीजी अब उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे मजबूत आतंकवादी समूह है। मजीद ब्रिगेड का गठन 2011 में हुआ था। यह बलूच लिबरेशन आर्मी का विशेष रूप से घातक गुरिल्ला सेल है। यह ब्रिगेड ज्यादातर सुरक्षा बलों और चीन के हितों को निशाना बनाती है।

मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

आंतरिक मंत्रालय की जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने सभी संस्थानों के लिए पाकिस्तान पर आतंकवादी हमलों के अपराधियों के नाम से पहले खारिजी का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की वास्तविक विचारधारा को उजागर करना है। इसका आशय धर्म की आड़ में इस्लाम की छवि को विकृत करना होता है। अधिसूचना के अनुसार आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों के लिए मुफ्ती और हाफिज जैसे शीर्षकों का उपयोग नहीं किया जाएगा, जबकि सभी पत्राचार और दस्तावेजों में उनके नाम से पहले खारिजी शब्द लिखा और पढ़ा जाएगा। अधिसूचना के अनुसार भ्रष्ट तत्वों को फितना अल-ख्वारिज कहा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कमला हैरिस पर डोनाल्ड ट्रंप के नस्लीय कमेंट पर घमासान

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस का होता जा रहा है। बुधवार को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ ब्लैक जर्नलिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में ट्रंप ने कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाया। इसके लिए दर्शकों ने उनका मजाक उड़ाया। लगभग 1000 लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, कमला हैरिस हमेशा से भारतीय मूल की थीं और वह केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। बता दें कि कमला हैरिस ने अश्वेत और दक्षिण एशियाई अमेरिकी दोनों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वह पहली अश्वेत और एशियाई अमेरिकी अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने अभी जो कहा वह घृणित है। यह अपमानजनक है। ट्रंप ने कहा मुझे नहीं पता कि वह भारतीय हैं या अश्वेत? लेकिन आप जानते हैं कि मैं दोनों का सम्मान करता हूं। लेकिन वह स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं करती हैं। वह शुरू से ही भारतीय थीं। अचानक उन्होंने एक मोड़ लिया और वह एक अश्वेत व्यक्ति बन गईं। उनक इस बयान का खूब विरोध हुआ है। पैनल साक्षात्कार के दौरान पूछा कि नस्लीय रूप से आक्रामक टिप्पणियों के साथ उनके विवादास्पद इतिहास के बावजूद अश्वेत मतदाताओं को उनका समर्थन क्यों करना चाहिए। ट्रंप ने इस सवाल पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भयानक, शत्रुतापूर्ण और अपमानजनक कहा। साथ ही नकली नेटवर्क करार दिया। ट्रंप ने कहा, मैं अब्राहम लिंकन के बाद से अश्वेत आबादी के लिए सबसे अच्छा राष्ट्रपति रहा हूं। ट्रंप की टीम ने चुनावी अभियान शुरू करते हुए विज्ञापन निकालकर कमला हैरिस को देश के लिए खतरनाक उदारवादी नेता बताया है।

डायबिटीज कंट्रोल से बाहर हुई तो डैमेज होने लगेगी नसें

वाशिंगटन। यदि ब्लड शुगर कंट्रोल से बाहर हो गया तो यह शुगर शरीर की नसों को भी डैमेज करने लगता है। इस बीमारी को डायबेटिक न्यूरोपैथी कहते हैं। इसमें मरीज के शरीर के किसी भी हिस्से में नर्व डैमेज होने लगती है। लगभग 50 प्रतिशत डायबिटीज के मरीजों को नर्व डैमेज होने की समस्या होती है। इसलिए समय पर डायबिटीज को कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। जानकारी के मुताबिक चार तरह के डायबेटिक न्यूरोपैथी की बीमारी होती है जिनमें कमोबेश एक ही तरह के लक्षण दिखते हैं। डायबेटिक न्यूरोपैथी के लक्षण सबसे पहले हाथ और पैर की नसों में देखने को मिलता है। इस कारण हाथ और पैर पहले से सुन्न होने लगता है। सबसे पहले हाथ में सुन्नापन आता है। हाई ब्लड शुगर के कारण खून की छोटी-छोटी नलिकाओं की दीवाल कमजोर होने लगती है। इसलिए इसके कहीं भी रिसने का डर रहता है। जिससे ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का अंगों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। डायबिटीज से बचने के सिंपल सूत्र हैं फिजिकल एक्टिविटी, हेल्दी डाइट, पर्याप्त पानी पीना, वजन कम करें, सिगरेट-शराब से दूर रहे, स्ट्रैस मैनेजमेंट और पर्याप्त नींद ले। विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे पहले हर वयस्क इंसान को अपने जीवन में नियमित रूप से एक्सरसाइज को शामिल कर लेना चाहिए। एक्सरसाइज के लिए जिम जाने की जरूरत नहीं है बल्कि इसके लिए ब्रिस्क एक्सरसाइज ही काफी है।

मादुरो ने चुनाव नतीजे का ऑडिट-प्रमाणीकरण के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की

कराकास, 01 अगस्त (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजे का ऑडिट करने और उन्हें प्रमाणित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के इलेक्टोरल चैंबर में अपील दायर की है। श्री मादुरो ने बुधवार को दायर की गयी अपनी अर्जी में सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह संबंधित संस्थानों को बुलाए, ताकि सभी साक्ष्यों की तुलना की जा सके और उच्चतम तकनीकी स्तर के विशेषज्ञ की राय लेकर 28 जुलाई के चुनावी नतीजे को प्रमाणित किया जा सके। वे देश की प्रथम महिला सिलिया फ्लोरेस, उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज, अटॉर्नी जनरल रेनाल्डो मुनोज और विदेश मामलों के मंत्री इवान गिल के साथ अपने मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

ब्रिटेन में भड़का दंगा : मस्जिद पर किया पत्थराव

योग क्लास में चाकू से हमला, 3 मासूमों की गला रेतकर हत्या

लंदन, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के पश्चिमोत्तर इलाके के शहर साउथपोर्ट में योग क्लास के दौरान चाकू से एक हमलावर ने अटैक कर दिया था। उसने दो मासूम बच्चों को गला रेतकर मार डाला था। यही नहीं अस्पताल में इलाज के दौरान जख्मी एक और बच्ची ने भी दम तोड़ दिया था। वहीं इस घटना को लेकर ब्रिटेन में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। मंगलवार रात से ही साउथपोर्ट में दंगा छिड़ा हुआ है। इसमें अब तक 53 पुलिस वाले जख्मी हो चुके हैं तो वहीं तीन पुलिस डॉग भी हिंसा में घायल हैं। यह दंगा उसी इलाके में भड़का, जहां पर 13 लोगों पर चाकू से हमला हुआ था।

यह दंगा मंगलवार की रात पौने 8 बजे से शुरू हुआ, जब एक मस्जिद के बाहर भीड़ जुटी। इंग्लिश डिफेंस लीग संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मस्जिद पर पत्थर फेंके और फिर देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। इस दौरान पुलिस पहुंची तो उस पर भी हमला किया गया। पुलिस पर बोतलों और ईंटों से हमला किया गया, जिसमें कई लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। यही नहीं कई उपद्रवियों ने तो पुलिस की वैन में भी आग लगा दी। आमतौर पर ब्रिटेन में ऐसी घटनाएं नहीं होती थीं, लेकिन पिछले दिनों लीड्स में भड़की हिंसा और अब साउथपोर्ट के हालात ने प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मौके पर आई पुलिस पर हमला करने के लिए उपद्रवियों ने एक दीवार को ही ढहा दिया और फिर उससे ईंटें निकालकर हमला करने लगे। इस दौरान लोग यह नारे लगा रहे थे कि हमें बेटियों को बचाना है। इस हिंसा के मामले में 4 लोगों को अब तक अरेस्ट किया जा चुका है। इस बीच साउथपोर्ट मस्जिद के चेयरमैन इब्राहिम हुसैन ने कहा कि यह हिंसा परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें तो ऐसा लगा था कि ये लोग अंदर तक चले आएंगे और मस्जिद को ही आग के हवाले कर सकते हैं। उन्होंने पुलिस से भी अपील की कि वह कह दे कि चाकूबाजी की घटना को अंजाम देने वाला मुस्लिम नहीं था। इससे भड़के लोग थोड़ा शांत हो जाएंगे और मुस्लिमों को टारगेट नहीं किया जाएगा।

ब्रिटेन पुलिस ने नहीं बताई आरोपी की पहचान, रवांडा मूल का है

ब्रिटेन पुलिस ने अब तक कानूनी कारणों से संदिग्ध की पहचान को उजागर नहीं किया है। कहा जा रहा है कि आरोपी कार्डिफ में पैदा हुआ था और उसके माता-पिता रवांडा मूल के हैं। पुलिस का मानना है कि आरोपी के बारे में ऑनलाइन ही गलत जानकारी शेयर हुई और उससे ही भड़के लोगों ने दंगे को अंजाम दे दिया। यही नहीं ब्रिटेन के नए पीएम को भी इस मामले में विरोध झेलना पड़ा। वह जब पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे तो लोग चिल्ला रहे थे कि आखिर कितने बच्चे ऐसे मारे जाएंगे। अगला नंबर किसका है। हालांकि कीर स्टार्मर ने इस विरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

दुश्मनों को इजरायल की धमकी; कहा- हमें नुकसान पहुंचाया तो गर्दन उतार लेंगे

तेल अवीव, 01 अगस्त (एजेंसियां)। हमास चीफ हानिया की मौत के बाद मुस्लिम देशों से मिली धमकी के बाद इजरायल ने साफ कह दिया कि हमे नुकसान पहुंचाया तो हम गर्दने उतारने में देर नहीं करेंगे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला नेता फुआद शुक्र की मौत का भी जिक्र किया और कहा कि हमें नुकसान पहुंचाने वालों से हम बदला लेंगे। दक्षिण बेरूत में शुक्र की मौत हो गई थी। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान में हुए हवाई हमले में हमास के शीर्ष कमांडर इस्माइल हनियेह भी मारा गया।

इसके आरोप इजरायल पर लगाए जा रहे हैं। नेतन्याहू का कहना है कि इजरायल किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इजरायल के नागरिकों, आने वाले दिन चुनौती भरे हैं। बेरूत में स्ट्राइक के बाद हर दिशा से धमकियां आ रही हैं। हम किसी भी हालात के लिए तैयार हैं और हम किसी भी धमकी के सामने एकजुट खड़े हैं। किसी भी क्षेत्र से हमारे खिलाफ आक्रमण हुआ, तो इजरायल उससे भारी कीमत वसूल करेगा।

उन्होंने कहा, हमने नसरल्लाह के करीबी (हिजबुल्ला प्रमुख हसन) को मार दिया है, जो बच्चों के नरसंहार के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार था। एक स्ट्राइक में 12 बच्चों की मौत हो गई थी, जिसके आरोप हिजबुल्ला पर लगाए गए थे। इजरायल के पीएम ने कहा, हमने मोहसिन से हमारा बदला ले लिया है और जो भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उससे हम बदला लेंगे। जो भी हमारे बच्चों को मारेगा, जो भी हमारे नागरिकों को मारे, जो भी हमारे देश को नुकसान पहुंचाएगा। उसकी कीमत उसका सर होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध रोकने के दबाव को लेकर नेतन्याहू ने कहा, अगर हमने उन आवाजों को सुना होता, तो हम हमास के नेताओं और हजारों आतंकवादियों को खत्म नहीं कर पाते। हम आतंकियों को इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म नहीं कर पाते...। हम ऐसे हालात तैयार नहीं कर पाते, जिनकी वजह से हम ऐसे समझौते के करीब आ गए हैं जो हमारे सभी कैदियों की रिहाई और युद्ध के उद्देश्यों को पूरा करता है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने हनियेह की मौत का जिक्र नहीं किया। बुधवार को ही हमास और ईरान के रिवॉल्युशनरी गाड्‌र्स ने हनियेह की मौत की घोषणा की थी।

डबल शिफ्ट से परेशान एक्ट्रेस अमीना ने छोड़ी थी इंडस्ट्री, अब कर रहीं वापसी

करांची, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

फिल्मी अभिनेत्री अमीना शेख जो पाकिस्तानी इंडस्ट्री का जाना माना नाम व खूबसूरत चेहरा है। वह अपनी एक्टिंग और टैलेंट से लोगों के दिलों पर राज करती हैं। अमीना की एक्टिंग की तारीफ अक्सर फैंस करते हैं। साथ ही आर्ट और कल्चर को प्रमोट करने की उनकी कमिटमेंट पर भी लोग फिदा हैं। अब एक्ट्रेस अमीना ने अपने करियर को होल्ड पर रखने और बच्चों को लेकर एक साक्षात्कार में खुलासा किया है।

अमीना शेख ने कहा कि वह शूट करती और फिर बीच में अपनी बेटी को नर्स करती थी, फिर वापस जाकर दोबारा शूटिंग करती। बच्चे को दूध पिलाने अपने शरीर के साथ बहुत बड़ी कमिटमेंट है। तो उन्हें सीन्स के बीच फीडिंग करने पर अपने लिए कोई ब्रेक ही नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा कि वह डबल शिफ्ट में काम कर रही थी। उन्होंने आगे कहा कि उसका स्कूल और रूटीन प्राथमिकता बन गई। उन्हें जिंदगी में कुछ और चैलेंज का सामना भी करना पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें अपना करियर साइड में रखना पड़ा और अपने और अपने बच्चों के लिए आगे के रास्ते को सोच-समझकर चुनना पड़ा। इसलिए वह दुबई शिफ्ट हो गई हैं। एक वर्क करने वाली मां के रूप में मुश्किल फैसला लेने पर अमीना ने कहा-और कुछ वक्त तक उन्हें चुनना पड़ा कि मेरी प्राथमिकता आखिर क्या है। मेरी बच्ची और उसका फ्यूचर और फिर मेरा पैशन। मैंने उसे चुना मैंने वो ब्रेक लिया मुझे सही में चीजों को दोबारा डिजाइन करना पड़ा, परिवार को दोबारा खड़ा करना पड़ा और खुद को भी। मैंने काम को पीछे रखा और शुक्र है खुदा का कि मैं आर्थिक रूप से ऐसा कर पाई, क्योंकि कई महिलाओं के पास उनकी शादी में ऐसा सपोर्ट नहीं होता है या फिर वह आर्थिक रूप से स्ट्रॉन्ग नहीं होती हैं। अमीना ने कहा कि उनके पास वह सपोर्ट अपने पेरेंट्स की तरफ से था और सालों से इंडस्ट्री में काम करने और आर्थिक रूप से सोच-समझकर चलने से वह ये सब कर पाई। उन्होंने पाकिस्तानी इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक लिया था लेकिन अब वह अपने नए प्रोजेक्ट के साथ स्पॉटलाइट में वापसी कर रही हैं। अमीना को नेटफ्लिक्स के प्रोजेक्ट जो बचे हैं संग समेट लो में दिखाई देंगी।

नेपाल ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए जारी की चेतावनी

काठमांडू, 01 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के बाद संबंधित देशों के नेपाली दूतावासों की तरफ से आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है।

विदेश मंत्री डॉ.आरजू राणा देउवा ने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और इजरायल द्वारा इरान एवं लेबनान में किए गए हमले के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर इन देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने मीडियाकर्मियों से कहा कि इजराइल, इरान, मिस्त्र और लेबनान में रहे अपने

नागरिकों को सुरक्षित रहने और विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मध्यपूर्व की चिंताजनक अवस्था को देखते हुए आसपास के देशों में कामदार के रूप में गए अपने नागरिकों को भी अलर्ट रहने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद इरान, मिस्त्र और इजराइल में नेपाली दूतावास और लेबनान के महावाणिज्य दूतावास के जरिए सूचना जारी कर अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है। इन देशों में रहने वाले नागरिकों को तत्काल दूतावास से संपर्क करने और अपनी-अपनी लोकेशन के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

इरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने राजधानी तेहरान पहुंचे हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की हत्या इजरायल के द्वारा किए जाने का दावा किया गया है। इतना ही नहीं लेबनान की राजधानी बेरूत में रह रहे हिज्बुलाह के कमांडर फाउद शुकर को भी इजरायल ने मार गिराया है। इन दोनों घटनाओं के बाद इरान और लेबनान दोनों ने ही इजरायल से बदला लेने की धमकी दी है। इन्हीं सब परिस्थितियों के बाद मध्यपूर्व में काफी तनाव बना हुआ है।

इजराइल के जहरीले हमले को चकमा देने वाला खालिद मेशाल बन सकता है हमास प्रमुख

गाजा, 01 अगस्त (एजेंसियां)। खालिद मेशाल एक ऐसा नाम है जिसकी चर्चा शेख अहमद यासीन के मारे जाने के बाद से अचानक तेज हो गई है। मेशाल 1997 में दुनिया भर में तब चर्चित हुआ, जब इजराइली एजेंटों ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में उसके ऑफिस के बाहर एक सड़क पर उनकी हत्या का असफल प्रयास किया। उसे जहर का इंजेक्शन दिया गया था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर यह हमला किया गया था। इसके बाद से जॉर्डन के तत्कालीन राजा हुसैन क्रोधित हो गए। उन्होंने संभावित हत्यारों को फांसी पर लटकाने और इजरायल के साथ जॉर्डन की शांति संधि को रद्द करने की बात कही थी। उन्होंने जहरीली दवा सौंपने की धमकी दी थी। इसके बाद इजरायल ने वह दवा उन्हें सौंप दी और हमास नेता शेख अहमद यासीन को रिहा कर दिया।

इस घटना के करीब सात साल बाद गाजा में उसकी हत्या कर दी गई। मेशाल को जानलेवा हमले की कोशिश से एक साल पहले हमास में पद दिया गया था। इसके बाद उसने विदेशों की सरकारों के साथ बैठकों में फिलिस्तीनी इस्लामवादी समूह का प्रतिनिधित् किया। हमास के सूत्रों ने कहा कि मेशाल को इस्माइल हनीया की जगह हमास का टॉप लीडर के रूप में चुने जाने की उम्मीद है। बुधवार की सुबह ईरान में उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद तेहरान और हमास ने इजरायल के खिलाफ प्रतिशोध की कसम खाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनी समर्थकों के लिए मेशाल इजरायली कब्जे से मुक्ति के लिए लड़ने वाला नेता है। वह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के विफल होने पर भी अपने उद्देश्य को जीवित रखने वाला व्यक्ति है। 2011 में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ सुन्नी मुस्लिम नेतृत्व वाले विद्रोह का समर्थन करने के लिए ईरान के साथ मेशाल के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। 1990 के दशक में मेशाल हमास का शीर्ष नेताओं की टीम में शामिल रहा है। मार्च 2004 में हवाई हमले में यासीन की मौत के बाद इजरायल ने एक महीने बाद गाजा में अब्देल-अजीज अल-रंतिसी की हत्या कर दी और मेशाल ने हमास का समग्र नेतृत्व संभाल लिया। मेशाल इजराइल के साथ स्थायी शांति समझौते के विचार को खारिज करते हैं, लेकिन उन्होंने कहा है कि हमास एक दीर्घकालिक युद्धविराम के बदले में अस्थायी समाधान के रूप में पश्चिमी तट, गाजा पट्टी और पूर्वी यरुशलम में एक फिलिस्तीनी राज्य को स्वीकार कर सकता है। मेशाल ने कहा कि 7 अक्टूबर के हमास हमले ने फिलिस्तीनी मुद्दे को विश्व एजेंडे के केंद्र में वापस ला दिया।

चार भारतीय टीवी चैनल समूहों ने नेपाल में बंद किया प्रसारण

काठमांडू। भारत के चार टीवी चैनल समूहों ने पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण नेपाल में अपने-अपने चैनलों का प्रसारण गुरुवार से रोक दिय। इन चार टीवी चैनल समूहों में जी नेटवर्क, सोनी नेवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स हैं। नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। आज शाम को चैनल डिस्ट्रीब्यूटरों और नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। ठाकुर के मुताबिक नेपाली दर्शकों के लिए गुरुवार से जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स से जुड़े सभी चैनलों का प्रसारण रोक दिया गया है। नेपाल में इन चैनलों के प्रसारण का अधिकार खरीदने वाली वितरक कंपनी ने पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया है। इस कारण एक अगस्त से नेपाल में इन चैनलों का प्रसारण नहीं हो रहा है। इस बारे में नेपाल के सबसे बडे डीटीएच कंपनी डिस होम के चरपर्सन देवी प्रकाश भट्टचन ने कहा कि सरकारी नीति के कारण आज चैनल का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। भारतीय चैनल के प्रसारण को लेकर जो भुगतान किया जाना है उसकी अनुमति नेपाल राष्ट्र बैंक ने रोक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीने से लगातार आग्रह किए जाने के बावजूद नेपाल राष्ट्र बैंक ने अब तक भुगतान को लेकर एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी है। इस कारण चैनल का प्रसारण रुक गया है।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम अगस्त में सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगी आयरलैंड का दौरा

कोलंबो, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

एशिया कप में जीत के बाद श्रीलंकाई महिला टीम 11 से 20 अगस्त तक दो टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए आयरलैंड रवाना होगी, श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है। टीम 6 अगस्त को आयरलैंड के लिए रवाना होगी।

यह श्रीलंका का आयरलैंड का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, जबकि यह इस साल आयरलैंड का तीसरा और घर पर उनका पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, उन्होंने क्रमश: जिम्बाब्वे और यूएई में जिम्बाब्वे और थाईलैंड दोनों के साथ खेला है।

आयरलैंड की टीम ने इस साल अभी तक कोई द्विपक्षीय मैच नहीं हारी है, लेकिन यह एक बहुत कठिन परीक्षा होगी क्योंकि श्रीलंका ने 2024 में खेले गए 23 सफेद गेंद वाले मैचों में से 18 जीते हैं। श्रीलंका का आयरलैंड के खिलाफ बेदाग रिकॉर्ड भी है, उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच जीते हैं। हालांकि, 2017 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर के बाद यह पहली बार होगा जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, जहां श्रीलंका ने शानदार जीत दर्ज की थी। उन्हें 2021 वनडे विश्व कप क्वालीफायर के दौरान भी एक-दूसरे का सामना करना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण क्षेत्र पर लगाए गए महत्वपूर्ण यात्रा प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पूरे टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद वह खेल रद्द कर दिया गया था।

यह दौरा 11 अगस्त को डबलिन में दो मैचों की टी-20 श्रृंखला से शुरु होगा। दूसरा टी20 मैच 13 अगस्त को डबलिन में ही खेला जाएगा। दूसरे टी20 मैच के समापन के बाद, बेलफास्ट में वनडे मैच खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज, जो 2022-2025 आईसीसी महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा होगी, 16 अगस्त से शुरू होगी।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल : काव्या मारन ने की रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग

नई दिल्ली। काव्या कलानिथी मारन ने रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) फ्रैंचाइज़ की सीईओ ने मेगा नीलामी से पहले आईपीएल फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया है कि जो विदेशी खिलाड़ी मेगा नीलामी में नामांकन नहीं करते हैं या खरीदे जाने के बाद नहीं आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईपीएल टीम मालिकों और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच हुई बैठक में, एसआरएच प्रमोटर ने प्रत्येक फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या वैकल्पिक रूप से, उतने ही आरटीएम विकल्पों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे चार रिटेंशन और दो आरटीएमएस, या सभी छह रिटेंशन, या सभी छह आरटीएमएस और इसी तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। रिटेंशन या आरटीएम का उपयोग करने का विकल्प फ्रैंचाइज़ के पास खिलाड़ी के साथ चर्चा के आधार पर होना चाहिए। मारन ने उन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की जो अपनी प्रतिबद्धता से मुकर जाते हैं और नीलामी के लिए नामांकन के बाद नहीं आते हैं। एसआरएच वनिन्दु हसरंगा से बहुत नाराज़ थे, जिन्होंने चोट का हवाला देते हुए आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था।

मुक्केबाज निशांत देव क्वार्टर फाइनल में पैडलर श्रीजा अकुला का सफर समाप्त

पेरिस। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि पैडलर

श्रीजा अकुला चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा में बाहर होकर इतिहास रचने में नाकाम रहीं। भारतीय मुक्केबाज इक्वाडोर के जोस रोड्रिग्ज के खिलाफ एक नर्वस मुकाबले के बाद अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। वह विभाजित निर्णय के फैसले से मुकाबला जीतने में सफल रहे और पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत ने मुक्केबाजी में सफलता का स्वाद चखा, लेकिन टेबल टेनिस में देश के लिए दिल टूटने की खबर रही। श्रीजा, अपने जन्मदिन पर दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी यिंगशा सुन के खिलाफ हार गईं। अकुला के पास ओलंपिक में टेबल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय पैडलर बनने का अवसर था। हालांकि, चीन की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को हराने की चुनौती 26 वर्षीय के लिए एक त्रुटिहीन कार्य साबित हुई। अकुला के प्रेरित प्रदर्शन ने उन्हें शुरुआती दो गेम में चीन की पैडलर पर हावी होते देखा। उनके शुरुआती प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली पैडलर के रूप में बाहर निकलेंगी। हालांकि, अकुला यिंगशा की ताकत के आगे झुक गईं। पहले गेम में अकुला ने अपने लिए चार गेम प्वाइंट हासिल किए, लेकिन यिंगशा ने लगातार छह अंक जीतकर पहला गेम (10-12) अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति देखने को मिली। अकुला के पास पांच अंकों का बफर था। लेकिन यिंगशा ने साबित कर दिया कि वह नंबर एक रैंकिंग क्यों रखती है और लगातार सात अंक लेकर भारतीय पैडलर पर 2-0 की बढ़त (10-12) ले ली।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान

गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गायकवाड़ लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। वह पिछले महीने तक लंदन में थे और बड़ौदा में उनका निधन हो गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक बयान में रोजर बिन्नी ने कहा कि अंशुमान गायकवाड़ का क्रिकेट के प्रति समर्पण, लचीलापन और प्यार बेजोड़ था। रोजर बिन्नी ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनकी लगन, दृढ़ता और प्यार बेजोड़ था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं थे, बल्कि कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक और मित्र थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं, जो इस नुकसान से उबर रहे हैं। बीसीसीआई ने 1 करोड़ रुपये दिए और 1983 विश्व कप विजेता टीम ने भी गायकवाड़ के इलाज में मदद की। अक्टूबर 1997 में नियुक्त होने के बाद गायकवाड़ दो बार भारत के कोच रहे। उनका दूसरा कार्यकाल 2000 में शुरू हुआ। उनके कार्यकाल में ही भारत के प्रतिष्ठित स्पिनर अनिल कुंबले ने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सभी दस विकेट लिए थे। गायकवाड़ ने 1975 से 1987 तक 40 टेस्ट और 15 वनडे मैचों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पेरिस ओलंपिक में भारत ने जीता एक और पदक

स्वप्निल कुसाले ने रचा इतिहास, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय

पेरिस, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में भारत को कांस्य पदक दिलाया है। यह इस ओलंपिक में शूटिंग में भारत को तीसरा पदक है। स्वप्निल से पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। वहीं, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में भी कांस्या अपने नाम किया था। स्वप्निल महिला या पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

स्वप्निल का पदक अप्रत्याशित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की दौड़ में नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौंकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राइफल थ्री पोजिशन में निशानेबाज तीन पोजिशन में निशाना लगाता है। इनमें नीलिंग यानी घुटने के बल बैठकर, प्रोन यानी पेट के बल लेटकर और स्टैंडिंग यानी खड़े खड़े शॉट लगाया जाता है। स्वप्निल नीलिंग और प्रोन तक पीछे चल रहे थे। हालांकि, स्टैंडिंग पोजिशन में स्वप्निल ने गजब का कमबैक किया और पदक अपने नाम किया।

स्वप्निल ने नीलिंग पोजिशन में 153.3 का स्कोर बनाया था। इसके बाद प्रोन पोजिशन में उनका कुल स्कोर 310.1 हो गया था। नीलिंग और प्रोन पोजिशन के बाद स्टैंडिंग पोजिशन में दो शॉट के बाद एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई। नीलिंग राउंड में स्वप्निल छठे स्थान और प्रोन पोजिशन के बाद भी पांचवें स्थान पर रहे थे।

हालांकि, जैसे ही एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई, स्वप्निल पहले पांचवें और फिर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पूरे एलिमिनेशन राउंड में स्वप्निल तीसरे स्थान पर रहे। वह दूसरे स्थान पर रहे शूटर यूक्रेन के सेरही से .5 अंक पीछे रह गए और रजत से चूक गए। स्वप्निल ने हालांकि, पदक जीतने के साथ भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। स्वप्निल का फाइनल स्कोर 451.4 का रहा। चीन के यूकुन लियू ने 463.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया, जबकि यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता।

पदक जीतने पर खुश हूं

ओलंपिक में भारत को तीसरा पदक दिलाने के बाद भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह भारत के कांस्य जीत सके। कांस्य पदक पर निशाना साधने के बाद कुसाले ने कहा, यह तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिए कांस्य पदक जीत सका। मैंने वही किया जो मैं इतने सालों से करता आ रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा, मेरे दिमाग में कुछ 'कीवर्ड' थे। मैंने बस अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर स्वप्निल कुसाले की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले की सराहना की। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। मंडाविया ने कहा कि कुसाले की उपलब्धि से देश गौरवान्वित होगा। मंडाविया ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई! इस स्पर्धा में ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय--आपकी उपलब्धि हमें अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित करती है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी चल रहे बहु-खेल आयोजन में स्वप्निल कुसाले के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। कुसाले ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में, कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी जबकि तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे।

बीसीबी ने पाकिस्तान दौरे के लिए सरकार से सुरक्षा सलाहकार की मांग की

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि वे आगामी पाकिस्तान दौरे के दौरान उन्हें सुरक्षा सलाहकार मुहैया कराएं।

बांग्लादेश, जो 17 अगस्त को पाकिस्तान की यात्रा करेगा, मेजबान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज, रावलपिंडी (21-25 अगस्त) और कराची (30 अगस्त-3 सितंबर) में खेलेगा, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पाकिस्तान की यात्रा हमेशा चिंता का विषय रही है।

क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, देखिए, सुरक्षा प्रदान करना उनका (पाकिस्तान का) काम है और हम वहां इसलिए गए क्योंकि उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया था और जब उन्होंने हमें इस बारे में आश्वासन दिया, तो दौरा तय हो गया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में देखा होगा कि बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान गई थी और उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की थी और हम इस दौरे पर जाने के लिए सहमत हुए क्योंकि उन्होंने हमें इसका आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा, आपने हाल के दिनों में देखा होगा कि कुछ अंतरराष्ट्रीय टीमें भी [पाकिस्तान] आई हैं और वे वहां उपलब्ध कराई गई सुरक्षा से काफी खुश हैं।

हम भी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं, लेकिन सब कुछ जानने और सुरक्षा के बारे में उनसे आश्वासन मिलने के बाद हमने दौरा तय किया है। साथ ही हमने सरकार से अनुरोध किया है कि वह हमें दौरे के दौरान एक सुरक्षा सलाहकार उपलब्ध कराए, जो सुरक्षा मुद्दों के बारे में हर समय उनसे संवाद बनाए रखेगा। जलाल ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को पाकिस्तान के आगामी दौरे पर कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश ए टीम दो चार दिवसीय मैचों और तीन 50 ओवर के मैचों के लिए इस्लामाबाद की यात्रा करेगी।

मुशफिकुर रहीम और मोमिनुल हक के साथ कई अन्य टेस्ट क्रिकेटरों को शुरुआती चार दिवसीय मैच के लिए शामिल किया गया था क्योंकि पर्यटक इसे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी का हिस्सा मानते हैं क्योंकि उन्हें 17 अगस्त को वहां पहुंचने के बाद टेस्ट से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलना है।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए पथिराना और मदुशंका

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

श्रीलंका के दो और तेज गेंदबाज मथिषा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं। पथिराना को कंधे में और मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है।

श्रीलंका की टीम में दुष्मंथा चमीरा भी नहीं हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं, और नुवान तुषारा भी नहीं हैं, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, फिलहाल श्रीलंका ने दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शिराज को टीम में शामिल किया है। दोपहर बाद श्रीलंका क्रिकेट की ओर से जारी बयान में पुष्टि की गई कि टीम में दूसरे अनकैप्ड दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इशान मलिंगा को शामिल किया गया है। इसके अलावा तीन खिलाड़ियों बल्लेबाज कुसल परेरा, तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन और स्पिनर जेफरी वेंडरसे को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

टीम मैनेजर महिंदा हालंगोडा ने कहा, मथीशा के कंधे में चोट लग गई है और चूंकि यह वही समस्या है जो पिछले साल विश्व कप के दौरान उन्हें हुई थी, इसलिए उन्होंने जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया है। पल्लेकेले में तीसरे टी20 मैच में फील्डिंग करते समय पथिराना को चोट लग गई थी और उस मैच में एक भी गेंद फेंकने से पहले ही वह मैदान छोड़कर चले गए थे। हालंगोडा ने कहा कि इस बीच मदुशंका को ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। उन्होंने टी20 सीरीज में केवल एक मैच खेला था। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ सभी फॉर्मेट में अपने पिछले 10 मैच गंवाए हैं।

खत्म हुआ इंतजार कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम-2' 26 दिसंबर को रिलीज होगी

नई दिल्ली। लोकप्रिय कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' का दूसरा सीजन जल्द ही आने वाला है। 'स्क्विड गेम' सीरीज़ का पहला सीज़न तीन साल पहले नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था। इस सीरीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साथ ही इस थ्रिलर वेब सीरीज ने पूरी दुनिया में धूम मचा दी थी। पहले सीजन में 9 एपिसोड शामिल थे। अब पहले सीजन के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद दूसरा सीजन दर्शकों के सामने आ रहा है।

स्क्विड गेम के दूसरे सीजन की रिलीज डेट का गुरुवार को ऐलान हो गया है। स्क्विड गेम के फैंस को आज सुबह एक खास सरप्राइज दिया गया है। नेटफ्लिक्स ने टीजर जारी करके घोषणा की है कि इस साल वेब सीरीज स्क्विड गेम-2 26 दिसंबर को रिलीज होगी। अंतिम सीजन 2025 में रिलीज़ किया जाएगा।

कजाखस्तान में 8 सितंबर से शुरू होंगे विश्व घुमंतू खेल

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

कजाखस्तान 8 और 13 सितंबर को पांचवें विश्व घुमंतू खेलों की मेजबानी करेगा, जो मध्य एशिया के खानाबदोश लोगों की परंपराओं में निहित जातीय खेलों को प्रदर्शित करने वाला एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन है।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास के एक बयान के अनुसार, यह आयोजन जातीय-खेलों और जातीय-सांस्कृतिक आंदोलन को बढ़ावा देगा, उन्हें मानव सभ्यता के एक प्रमुख हिस्से के रूप में मनाएगा। लगभग 100 देशों के लगभग 2,500 प्रतिभागियों के खेलों में भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन में 100,000 से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

कजाखस्तान के पर्यटन और खेल मंत्रालय, यूनेस्को, तुर्किक राज्यों के संगठन और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित खेल, कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में 'द गैदरिंग ऑफ द ग्रेट स्टेप' के आदर्श वाक्य के तहत होंगे। प्रमुख खेल स्थलों पर 21 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें घुड़दौड़, राष्ट्रीय कुश्ती शैलियाँ, पारंपरिक बौद्धिक खेल, मार्शल आर्ट प्रतियोगिताएँ, पारंपरिक तीरंदाजी और लोक खेल शामिल हैं, जिनमें कुल 97 पदक प्रदान किए जाएँगे।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के हवाले से कहा गया, कजाखस्तान में होने वाले विश्व घुमंतू खेल एक प्रमुख आयोजन होंगे। ये राष्ट्रीय खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को लोकप्रिय बनाने तथा महान स्टेपी की खानाबदोश सभ्यता के उत्तराधिकारियों - भ्रातृ-जनों के बीच सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण हैं। विश्व घुमंतू खेलों की स्थापना दुनिया भर के खानाबदोश लोगों के पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए की गई थी। उद्घाटन खेल 2014 में किर्गिज़ गणराज्य के चोलपोन-अता में आयोजित किए गए थे और तब से ये एक प्रमुख द्विवार्षिक आयोजन बन गए हैं। 2016 और 2018 में किर्गिज़ गणराज्य द्वारा और 2022 में तुर्किये द्वारा भी खेलों की मेजबानी की गई थी।

प्रत्येक संस्करण में भागीदारी और मान्यता में वृद्धि देखी गई है, जो खानाबदोश संस्कृतियों की वैश्विक अपील को उजागर करती है। कजाखस्तान, खानाबदोश परंपराओं के साथ देश के ऐतिहासिक संबंधों के साथ-साथ एक्सपो 2017 जैसे अन्य प्रमुख आयोजनों की मेजबानी के अनुभव को देखते हुए इन खेलों की मेजबानी के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

पांचवें विश्व खानाबदोश खेलों की मेजबानी करके, कजाखस्तान का उद्देश्य खानाबदोश लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और उसे संरक्षित करना, अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करना है।

पेरिस ओलंपिक में निराश कर रहे भारतीय खिलाड़ी

बेल्जियम ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 1-2 से हराया

पेरिस, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में पहली हार का सामना करना पड़ा। गुरुवार को गत चैंपियन बेल्जियम ने पूल बी मैच में भारत को 2-1 से शिकस्त दी।

भारतीय टीम ने मैच के 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब आर्थर डी स्लोवर की गलती का फायदा उठाते हुए अभिषेक ने गोल किया। हालाँकि, 33वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस गोल के ग्यारह मिनट बाद, जॉन-जॉन डोहमेन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बेल्जियम की बढ़त 2-1 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारत चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम चार जीत के साथ शीर्ष पर है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने अपने अभियान के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, इससे पहले अर्जेंटीना ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोका था। अपने पिछले मैच में, मेन इन ब्लू ने आयरलैंड को 2-0 से हराया था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और शुक्रवार को भारतीय समयानुसार शाम 4.45 बजे पूल बी के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

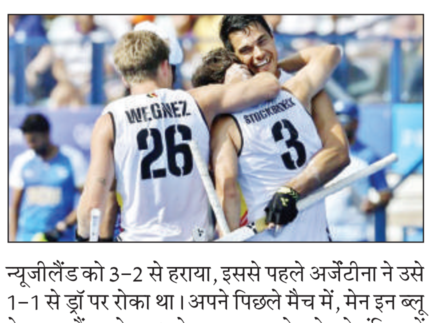

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भी निराशा

भारतीय धावक विकास सिंह ने गुरुवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में 1.22.36 का

समय निकालकर 30वां स्थान हासिल किया। अपने सराहनीय प्रयास के बावजूद, इस स्पर्धा में तीन भारतीय एथलीटों में सबसे तेज विकास पदक हासिल नहीं कर सके। 28 वर्षीय विकास ने इससे पहले पिछले साल एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। विकास के साथ दौड़ में परमजीत सिंह बिष्ट भी शामिल थे, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया। परमजीत ने 1.23.48 में दौड़ पूरी की और 37वें स्थान पर रहे। उन्होंने अपने एथलेटिक करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह को झटका लगा, क्योंकि वह केवल 6 किलोमीटर की दूरी पूरी करने के बाद दौड़ से बाहर हो गए, जिससे वह स्पर्धा पूरी नहीं कर पाए।

भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन भी हारीं

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निखत ज़रीन गुरुवार को नॉर्थ पेरिस एरिना में पेरिस 2024 ओलंपिक की महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी के राउंड

ऑफ 16 में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वू यू से 0-5 से हार गईं। वू ने पहला राउंड 4-1 से जीता, जिसमें पाँच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फ़ैसला सुनाया। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज की और तीसरे राउंड में भी शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले से पहले, दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने 2022 के बाद से सिर्फ़ दो मुकाबले हारे थे। वह राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भी हैं। इससे पहले, दो बार की विश्व चैंपियन ने रविवार को जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएत्ज़र पर शानदार जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पहले राउंड के बाद तीन कार्ड से पिछड़ने के बाद, निखत ने नॉर्थ पेरिस एरिना में 32 राउंड के मुकाबले में जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीत हासिल की थी। गैर वरीयता प्राप्त ज़रीन को पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उन्हें कड़ा ड्रॉ मिला था।

पिछले महीने धीमी रही भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर

नई दिल्ली,01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार की वजह से जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। वहीं लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.67 डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.67 प्रति डॉलर पर खुला। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर में मामूली गिरावट आई लेकिन ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित हो गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.67 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। शुरुआती सौदों में उसने 83.67 से 83.69 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार किया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.96 पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इज़राइल पर...

मोहम्मद दइफ (58 वर्षीय) हमास की इज-अल-दीन अल कसाम ब्रिगेड का कमांडर था और करीब दो दशकों तक इस पद पर रहा। दइफ को इज़राइल का सबसे बड़ा दुश्मन और हमास की सैन्य ताकत के पीछे सबसे अहम माना जाता था। इज़राइल में 7 अक्तूबर को हुए हमले के पीछे मोहम्मद दइफ को ही मास्टरमाइंड माना जाता है। उस हमले में 1200 लोगों की मौत हुई थी और ढाई से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया गया था।

मई 2021 में इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अल अक्सा पर इस्राइलियों द्वारा हमला करने के बाद अरब और मुस्लिम समाज के लोगों में गुस्सा था। रमजान के दौरान अल अक्सा मस्जिद में इज़राइल के घुसने, नमाजियों को पीटने, उन पर हमला करने, बुजुर्गों और युवाओं को मस्जिद से बाहर खींचने के फुटेज सामने के बाद ही हमास ने इज़राइल पर हमले की योजना बनानी शुरू कर दी थी। हमले के बाद दइफ ने एक रिकॉर्डिंग में कहा था कि, आज हमारे लोगों का अल अक्सा पर हुए हमले का गुस्सा निकला है। हमारे मुजाहिदीन, आज आपका दिन है इस अपराधी (इज़राइल) को यह समझाने का कि उसका समय समाप्त हो गया है। दइफ बेहद गोपनीय तरीके से रहता था और अपने मिशन को अंजाम देता था। दइफ के ठिकानों के बारे में भी किसी को पता नहीं था।

आरक्षण के ...

करने से रोकता हो। हालांकि, शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा है कि उप वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों द्वारा उचित ठहराया जाना चाहिए, वह अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकता।न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने असहमति जताते हुए अपने फैसले में कहा कि कार्यपालिका या विधायी शक्ति के अभाव में राज्यों के पास जातियों को उप-वर्गीकृत करने और अनुसूचित जातियों के सभी लोगों के लिए आरक्षित लाभों को उप-वर्गीकृत करने की कोई क्षमता नहीं है। राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण अनुच्छेद 341(2) के तहत राष्ट्रपति की अधिसूचना के साथ छेड़छाड़ के समान होगा।

अदालत के न्यायमूर्ति बीआर गवई ने अलग दिए फैसले में कहा कि राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए। वहीं, शीर्ष अदालत ने कहा कि कोटा के लिए एससी, एसटी में उप-वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए। बहुमत के फैसले में कहा गया कि राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण को मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए। पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा शामिल थे। पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें से मुख्य याचिका पंजाब सरकार ने दायर की है, जिसमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई है।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने और न्यायमूर्ति मिश्रा की ओर से फैसला लिखा। चार न्यायाधीशों ने अपने-अपने फैसले लिखे जबकि न्यायमूर्ति गवई ने अलग फैसला दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मित्तल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले पर तीन दिनों तक सुनवाई करने के बाद इस साल आठ फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले को 2020 में पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह मामले में पांच जजों वाली पीठ ने सात जजों वाली पीठ को सौंप दिया था। पांच जजों वाली पीठ ने पाया कि ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य, (2005) 1 एससीसी 394 में समन्वय पीठ के फैसले पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, जिसमें कहा गया कि उप-वर्गीकरण अनुमेय नहीं है।

बता दें कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं की ओर से प्रतिनिधित्व किए गए राज्यों ने ईवी चिन्नैया मामले में फैसले की समीक्षा की मांग की है। साल 2004 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की उप-वर्गीकरण करने का अधिकार नहीं है।उप वर्गीकरण (सब कैटेगरी) से दलित वर्ग में मुसहर, धोबी, वाल्मीकि जैसी सभी बिरादरियों को इस फैसले से फायदा मिल सकता है। यह राज्य के हाथ में है कि वह देखे कि किस जाति का प्रतिनिधित्व कितना है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सब-कैटेगरी में आरक्षण दिया जा सकता है। यह फैसला चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के साथ 6 जजो की बेंच 2004 के एक जजमेंट को पलटते हुए दिया है। जस्टिस बेला त्रिवेदी की राय इसके खिलाफ थी। अब सवाल यह है कि इसे किन जातियों को फायदा होगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जातिवर्ग में समरूपता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अधिक पिछड़े समुदायों को बढ़ावा देना राज्य की ज़िम्मेदारी है। देश के कई राज्यों में ऐसी जातियों को इसका फायदा मिल सकता है।

होने वाला है...

खास बात यह है कि अमेरिका इस एक्सरसाइज में एफ-16 और ए-10 वॉर्थोग जैसे फाइटर जेट हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका भारत में पहली बार ए-10 वॉर्थोग का किसी एक्सरसाइज का हिस्सा बना रहा है।वायुसेना से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना 6 अगस्त से 14 सितंबर तक अपना पहला अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति आयोजित करने जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण फेयरचाइल्ड रिपब्लिक ए-10 थंडरबोल्ट-2 होगा, जिसे वॉर्थोग के नाम से जाना जाता है। इस अभ्यास में अमेरिका अपना एफ-16 फाइटर एयरक्राफ्ट भी भेजेगा। एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया कि तरंग शक्ति सबसे बड़ी इंटरनेशनल एयर एक्सरसाइज होगी। भारत ने इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए रूस और इज़राइल सहित कुल 51 देशों को निमंत्रण भेजा था। लेकिन दोनों देशों ने अपने मौजूदा हालात के चलते इस मल्टीनेशनल एक्सरसाइज का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया।

वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह के मुताबिक एक्सरसाइज तरंग शक्ति का पहला फेज सुलूर (तमिलनाडु) में आयोजित होगा, जो 6 अगस्त से 14 अगस्त तक चलेगा। पहले फेज में फ्रांस, जर्मनी, स्पेन और यूके की वायुसेनाएं अपने एयरक्राफ्ट के साथ शामिल हो रही हैं। पहले चरण में 32 देशों के जहाज हिस्सा लेंगे, जिनमें फाइटर एयरक्राफ्ट और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी होंगे।

वहीं, दूसरा फेज 29 अगस्त से 14 सितंबर तक जोधपुर में होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ग्रीस, सिंगापुर, यूएई और अमेरिका की एयरफोर्स अपने एयर एसेट्स के साथ शामिल होंगी। इस फेज में 27 लड़ाकू विमान, दो ईंधन भरने वाले विमान, दो हवाई चेतावनी विमान (अवॉक्स) और चार सी-130 विमान शामिल होंगे। सुलूर और जोधपुर बेस पर तैनात भारतीय वायुसेना के अग्निवीर (वायुवीर) भी इस अभ्यास के दौरान कुछ जमीनी भूमिकाओं में भागीदारी करेंगे। वहीं, भारतीय वायुसेना के प्रत्येक चरण में 40 से अधिक जहाज शामिल होंगे, जिसमें नौसेना के मिग-29के जेट भी पहले चरण में शामिल होंगे।

भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज 2000, जगुआर और मिग-29 शामिल हैं। वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया कि दूसरे देशों के लड़ाकू विमानों में एफ-18, एफ-16, राफेल और यूरोफाइटर टाइफून शामिल हैं। एयर मार्शल सिंह के मुताबिक इस एक्सरसाइज का मकसद दुनिया को यह दिखाना है कि कैसे भारत में डिफेंस इकोसिस्टम लगातार बढ़ रहा है, हम दूसरे देशों को भारत की स्वदेशी इंडस्ट्री की ताकत भी दिखाएंगे। इसके लिए एग्जिबिशन भी आयोजित होंगी, जिसमें डीआरडीओ, भारत की एविएशन इंडस्ट्री, पीएसयू स्वदेशी क्षमता दिखाएंगे।

अमेरिकी एयरफोर्स का फेयरचाइल्ड रिपब्लिक ए-10 थंडरबोल्ट-2 वॉर्थोग इस एयर एक्सरसाइज का प्रमुख आकर्षण होगा। खाड़ी युद्ध में अपनी क्षमता का लोहा मनवा चुका नॉन-स्टील्थ ए-10 थंडरबोल्ट कम ऊंचाई पर ऑपरेशन और जबरदस्त रफ्तार के लिए डिजाइन किया गया था। यह एयरक्राफ्ट अपने सटीक हमलों के लिए जाना जाता है। आमतौर पर अमेरिकी वायुसेना ए-10 का इस्तेमाल छोटे नौसैनिक जहाजों पर हमला करने के लिए करती है। युद्ध के दौरान लंबे समय तक उड़ते रहने, अच्छी रेंज, बेहतरीन दृश्यता, कम और धीमी गति से चलने की क्षमता और खराब मौसम में भी इसके काम करने की क्षमता इसे खास बनाती है। ए-10 वॉर्थोग अपनी आक्रामक क्षमता और जबरदस्त फायरपावर के लिए जाना जाता है। इसमें जनरल इलेक्ट्रिक की सात बैरल वाली जीएयू-8 एवेंजर 30 मिमी गैटलिंग गन लगी है, जो बुलेटप्रूफ व्हीकल्स को भी भेद सकती है। यह गन प्रति सेकंड एक फुट लंबी 30 मिमी की 70 राउंड या प्रति मिनट 3,900 राउंड गोलियां फायर कर सकती है। इसके बारे में कहा जाता है कि जब ए-10 किसी चीज पर गोली चलाता है, तो वह चीज नष्ट हो जाती है, चाहे वह टैंक हो या बख्तरबंद वाहन।

प्रथम खाड़ी युद्ध में ए-10 विमानों ने हिस्सा लिया था। ए-10 ने सद्दाम हुसैन के 900 से टैंकों और 2,000 दूसरे सैन्य वाहनों और 1,200 तोपों को नष्ट कर दिया। वॉर्थोग्स ने जीएयू-8 से दो इराकी हेलीकॉप्टरों को मार गिराया। खाड़ी युद्ध के दूसरे दिन, वॉर्थोग्स की एक जोड़ी ने तीन उड़ानों के दौरान 23 टैंकों को नष्ट कर दिया। इराकी सैनिकों ने ए-10 को मौत का क्रॉस नाम दिया था। इसके बाद कहा जाने लगा कि ए-10 अब तक का सबसे ताकतवर कवच-नाशक साबित हुआ है। ए-10 वॉर्थोग को 1989 में अपग्रेड किया गया था, लेकिन इसमें ऑटोपायलट, इंस्ट्रूमेंट पैनल क्लॉक्स और रडार जैसे फीचरों की कमी पायलटों को खलती थी। यह केवल 365 नॉट की रफ्तार ही पकड़ सकता था। बावजूद इसके ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म में अपनी सफलता के बाद ए-10 को वॉर्थोग, फ्लाइंग गन और टैंक बस्टर जैसे कई नामों से नवाजा गया। बाद में इसे कोसोवो में नाटो ऑपरेशन, अफगानिस्तान में ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम और ऑपरेशन इराकी फ्रीडम में भी इस्तेमाल किया गया। इसे उड़ाने वाले पायलट्स का कहना है कि वॉर्थोग उड़ाने में आसान है और इसमें ज्यादा लोइटरिंग कैपेबिलिटी है, जो एफ-35 जैसे एडवांस फाइटर जेट्स में नहीं है।

हालांकि अमेरिकी एयरफोर्स इसे रिटायर करने के बारे में सोच रही है, और इसे एफ-35 फाइटर जेट्स से रिप्लेस करना चाहती है। अमेरिकी कांग्रेस ने पिछले साल 2023 में 21 ए-10 विमानों को रिटायर करने की मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद इसकी इन्वेंट्री 281 से घटकर 260 रह गई। ए-10 को रिटायर करने के पीछे अमेरिका की सोच है कि इराक और अफगानिस्तान में क्लोज एय़र सपोर्ट रोल के बावजूद, कम ऊंचाई और धीमी गति से उड़ाने की वजह से यह चीन जैसे देशों के फाइटर जेट्स के सामने टिक नहीं पाएगा। वॉर्थोग ने पहली उड़ान प्रथम शीत युद्ध के दौरान 10 मई, 1972 में भरी थी, जब वियतनाम युद्ध अंतिम दौर में था। वहीं, 1980 के दशक में, जब शीत युद्ध चरम पर था, अमेरिका ने पश्चिम जर्मनी में ए-10 को तैनात करने का फैसला किया। तब भविष्यवाणी की गई थी कि अगर ए-10 जंग के मैदान में उतरते हैं, तो हर 100 उड़ानों में सात फीसदी ए-10 वापस नहीं आएंगे। यानी हर 24 घंटे में कम से कम 10 ए-10 को मार गिराया जाएगा। लेकिन इसका उल्टा हुआ, युद्ध के दौरान केवल सात वॉर्थोग को मार गिराया गया या क्रैश हो गए।

मुख्यमंत्री आवास ...

हाईकोर्ट ने हर बात को सही तरीके से सुना है। कोर्ट ने बेहद सख्त रवैया अपनाते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर विभव की जमानत अर्जी पर जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने विभव कुमार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से से पूछा कि क्या मुख्यमंत्री आवास निजी बंगला है? क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हत्यारों और लुटेरों को जमानत मिल सकती है, लेकिन मालीवाल के मामले में विभव कुमार पर जो आरोप हैं, हम उन्हें खुले में भी नहीं पढ़ना चाहते। जब मालीवाल ने विभव को शारीरिक समस्या की वजह से मारपीट न करने की अपील की थी, तब भी ये व्यक्ति नहीं रुका! वह क्या सोच रहा था, सत्ता इसके सिर चढ़ गई थी? आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की शिकायत पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मालीवाल ने शिकायत में कहा था कि जब वह 13 मई को सीएम आवास मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने पहुंचीं थी तो विभव ने उनके साथ मारपीट की। मालीवाल की शिकायत पर पुलिस ने विभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि विभव कुमार जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। विभव ने जमानत के लिए 27 मई को ट्रायल कोर्ट का रुख किया था, लेकिन वहां से जमानत खारिज होने के बाद सत्र न्यायालय में अपील की। वहां से भी निराशा के बाद विभव ने हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन हाईकोर्ट ने भी विभव को राहत देने से इन्कार कर दिया। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभव ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

फूंक डाले ...

कश्मीरी पंडितों के एक खाली घर में आग लगी, फिर ये अगल-बगल फैल गई। घटना सोमवार 29 जुलाई को रात 1 बजे हुई। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचित किया, जो पौने 2 बजे मौके पर 5 ट्रकों के साथ पहुंचे। एक मकान तो पूरी तरह खाक हो गया। आग बुझाने में कर्मचारियों को 5 घंटे लग गए। फायर ब्रिगेड अफसर निस्सार अहमद ने बताया कि जैसे ही विभाग को सुचना मिली, दमकल की गाड़ियां वहां के लिए निकल गईं। कश्मीरी पंडितों का आरोप है कि यह जानबूझकर किया गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इस घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि तबाह हुए घरों में से एक उनकी पार्टी के अतिरिक्त प्रवक्ता रहे उमेश ताशी के ननिहाल का घर है। पार्टी ने जांच की मांग करते हुए न्याय सुनिश्चित करने की अपील पुलिस से की।

द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अग्निकांड की तस्वीरों और वीडियो को सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि जांच में काम आए। कश्मीरी हिंदुओं की विरासतों को इस तरह जलाया जा रहा है। ये 1990 नहीं है, बल्कि 29 जुलाई 2024 है। ऑल टेम्पल्स एंड श्राइन साउथ कश्मीर के अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा, हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने पीड़ितों के लिए प्रशासन से मुआवजे की मांग की और कहा कि राज्य प्रशासन को कश्मीरी पंडितों के घर बनवाकर देना चाहिए।

मथुरा जन्मभूमि...

मुस्लिम पक्ष ने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट, वक्फ एक्ट, लिमिटेशन एक्ट और स्पेसिफिक पजेशन रिलीफ एक्ट का हवाला दिया और हिंदू पक्ष की याचिकाओं को खारिज किए जाने की दलील पेश की।

हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल याचिकाओं में दावा किया गया है कि मस्जिद का निर्माण कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर किया गया है। याचिका में कहा गया कि औरंगजेब के जमाने में इस मंदिर को गिराकर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। इससे पहले 6 जून को हुई मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले 14 दिसंबर, 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का अदालत की निगरानी में सर्वे के लिए एडवोकेट कमीशन के गठन की मांग वाली अर्जी स्वीकार कर ली थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस आदेश को मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अब मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में भी अयोध्या की तर्ज पर सुनवाई हो सकेगी। इस मामले में हिंदू पक्ष की ओर मथुरा मामले में भी विवादित परिसर का अयोध्या के राम मंदिर और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर सर्वेक्षण कराए जाने की मांग की गई है। बता दें कि दाखिल की गई 18 में से 15 याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई कर रहा है। वहीं तीन याचिकाओं को अलग कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने माना है कि हिंदू पक्ष की तरफ से दायर सभी मुकदमे सुने जा सकते हैं। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की बेंच ने कहा है कि हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 मुकदमों को उनकी मेरिट के आधार पर सुना जाएगा और यह सभी कोर्ट में सुने जाने योग्य है। हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह कमिटी की इस चुनौती को खारिज किया कि यह मुकदमे इसलिए नहीं सुने जा सकते क्योंकि यह पूजा स्थल अधिनियम के विरुद्ध हैं। कोर्ट ने कहा कि इन पर यह कानून लागू नहीं होता। कोर्ट ने यह निर्णय 6 जून, 2024 को सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले से हिंदू पक्ष को बल मिला है। मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में यह भी दावा किया था कि जो भी याचिकाएं कृष्ण जन्मभूमि के लिए डाली गई हैं, वो मामले से सीधे तौर पर जुड़े हुए लोगों ने नहीं डाली है। मुस्लिम पक्ष ने इसी के साथ दावा किया था कि उसका और हिंदू पक्ष का 1968 में समझौता हो चुका है, ऐसे में अब इन याचिकाओं का कोई महत्व नहीं है।

कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की यह दलील भी नहीं मानी। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि यह मस्जिद वक्फ की सम्पत्ति है। इस पर हिंदू पक्ष ने इस बात के सबूत दिखाने को कहा है कि इसे वक्फ को किसने दान किया था। हिंदू पक्ष ने यह भी कहा कि वक्फ की यह आदत रही है कि वह जमीनों पर कब्जा करके उनके उपयोग में बदलाव करती है। हिंदू पक्ष की जिन याचिकाओं को कोर्ट ने आज सुनने लायक माना है उनमें कई तर्क दिए गए हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि जिस 2.5 एकड़ के इलाके पर यह शाही ईदगाह बना हुआ है, वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का हिस्सा है। इसी के साथ हिंदू पक्ष ने यह भी दावा किया है कि मुस्लिमों के पास इसका कोई भी रिकॉर्ड मौजूद नहीं है।

हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस जमीन का स्वामित्व कटरा केशव देव के पास है और साथ ही यह संरक्षित स्मारक भी है ऐसे में इस पर पूजा स्थल अधिनियम लागू नहीं होगा। हिंदू पक्ष का आरोप है कि बिना प्रक्रिया के ही इस जमीन को वक्फ बोर्ड ने हथिया लिया है। हिंदू पक्ष यहां पूजा अर्चना की अनुमति भी चाहता है। वहीं मुस्लिम पक्ष चाहता है कि इस जमीन को लेकर सुनवाई वक्फ ट्रिब्यूनल में ही हो। गौरतलब है कि यह शाही ईदगाह वर्तमान में विवादित है और इसको लेकर न्यायालयों में कई याचिकाएं पड़ी हुई हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि मथुरा में स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के बराबर में बनी शाही ईदगाह वाला ढांचा जबरन वही बना दिया गया जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इस जगह पर कब्जा करके ढांचा बनाया गया है। यहाँ अभी भी कई ऐसे सबूत हैं जो कि यह सिद्ध करते हैं कि यहाँ पहले एक मंदिर हुआ करता था।

हिंदू पक्ष का दावा है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म राजा कंस के कारागार में हुआ था और यह जन्मस्थान शाही ईदगाह के वर्तमान ढांचे के ठीक नीचे है। सन् 1670 में मुगल आक्रांता औरंगज़ेब ने मथुरा पर हमला कर दिया था और केशवदेव मंदिर को ध्वस्त करके उसके ऊपर शाही ईदगाह ढाँचा बनवा दिया था और इसे मस्जिद कहने लगे। 13.37 एकड़ जमीन पर दावा करते हुए हिंदू यहां से शाही ईदगाह ढांचे को हटाने की मांग करते रहे हैं।

जज के खिलाफ...

आगे इस प्रकरण में जब न्यायालय में युवती से क्रॉस एग्जामिनेशन किया गया तो वहां जज द्वारा कुछ ऐसी बातें बोलीं गईं कि वह शर्मसार हो गई। इसके बाद युवती ने राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर न्याय दिलवाने या नहीं दिलवा सकने की स्थिति में इच्छामृत्यु की अनुमति दे देने की गुहार लगा दी।

कोर्ट में जो घटा उसके बारे में पीड़िता ने बताया कि ऐसा लगा जैसे मेरे चरित्र का सरेआम हनन हो रहा है। न्यायालय में मेरे बयान चल रहे थे और लोग ठहाके लगा रहे थे। दुष्कर्म पीड़िता से बंद कमरे में कुछ जिम्मेदार लोगों के बीच बयान दर्ज करने के स्थान पर दरवाजा खोलकर सभी के सामने बयान लिए गए। जज ने पूछा कि गाड़ी में कैसे कोई बलात्कार कर सकता है? ट्रायल के दौरान जिस तरह से बातें पूछी गईं, उससे लगा कि उनके साथ न्याय नहीं होगा। जज साहब ने कहा, मैं भी जिंस और टी-शर्ट पहनकर निकलूंगा तो इस प्रकार की लड़कियां मेरे साथ भी घूमने निकल जाएंगी। आजकल इस प्रकार की बाजारू लड़कियों का कोई चरित्र नहीं बचा है। यह लड़कियां मात्र रुपए लेने की नीयत से झूठे प्रकरण दर्ज करवाती हैं। जज साहब ने मुझसे पूछा, क्या तुमने रुपए प्राप्त कर लिए?

पीड़िता ने कहा कि न्यायपीठ से आती इस तरह की बातों ने मुझे गहरे अंदर के घाव दिए हैं, इसलिए आहत होकर मैंने राष्ट्रपति, उच्च न्यायालय सहित महिला आयोग में उन जज साहब की शिकायत की है। वहीं, इस संबंध में जैसे ही सामाजिक संगठनों समेत नारी विमर्श व स्त्री शक्ति के लिए काम करने वाले संगठनों को पता लगा वे भी इस महिला को न्याय दिलाने सड़कों पर उतर पड़े। जिसमें कि स्त्री विमर्श के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठन दामिनी मां अहिल्या की नगरी में स्त्री सम्मान, स्त्री स्वावलंबन और स्त्री के विचारों को आयाम देने वाला संगठन दामिनी आगे आया है।

दामिनी संस्था ने राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जबलपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, प्रशासनिक जज इंदौर, इंदौर जिला न्यायाधीश, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली न्यायिक अधिकारी संघ और संघ के जबलपुर अध्यक्ष एवं सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें मांग यही की गई है कि इस प्रकार का निर्णय देने वाले न्यायाधीश के निलंबन एवं समस्त संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अतिशीघ्र की जाए।

इसमें कहा गया है कि एक दुष्कर्म पीड़ित बहन द्वारा अशरफ एवं अन्य के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था। वर्तमान में जिसकी सुनवाई न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा के समक्ष हो रही है। उक्त प्रकरण में पीड़िता का प्रति परीक्षण जो न्यायालय कक्ष के दरवाजे बंद करके किए जा रहे थे, लेकिन न्यायाधीश मिश्रा द्वारा आरोपी गण के अभिभाषक को प्रति परीक्षण से यह कहकर रोकते हुए कि इस प्रकार की लड़कियों का प्रति परीक्षण तो मैं स्वयं ही करता हूं यह कहते हुए उन्होंने न्यायालय के दरवाजे खुलवा दिये एवं स्त्रीयोचित्त मर्यादा का ध्यान न रखते हुए अत्यन्त अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए कई प्रश्न ऐसे किये गये, जिसका जवाब उस बहन के लिये खुले न्यायालय में देना संभव नहीं था। खुले न्यायालय में ही न्यायाधीश द्वारा उस बहन हेतु बाजारू व रुपए अर्जित करने हेतु कृत्य करने जैसे शब्दों का सम्बोधन करते हुए प्रश्न पूछे गये जिससे पीड़ित बहन मानसिक रूप से भी प्रताड़ित हुई है। जिसके बाद इस संबंध में उसके द्वारा संविधानिक पदों पर बैठे सभी प्रमुखों के समक्ष न्याय की गुहार की गई है। साथ ही न्याय न मिलने की स्थिति में इच्छा मृत्यु मांगी है। न्याय प्रिया मां अहिल्या की नगरी में यह घटना अत्यंत विचलित करने वाली है।

दामिनी संस्था से जुड़ी महिलाओं ने कहा है कि न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा द्वारा पीड़िता के साथ किया गया उक्त व्यवहार उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धांत के विपरीत किया गया आचरण तो है ही साथ ही यह सभ्य समाज पर प्रश्न चिन्ह भी खड़ा कर रहा है। उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धांत में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि दुष्कर्म पीड़िता का चरित्र चित्रण व उत्पीड़न नहीं होना चाहिए एवं पीड़िता का नाम, पहचान एवं न्यायालयीन कार्यवाही गोपनीय रखना चाहिए तथा ऐसे मामले पूर्णतः कैमरा प्रोसीडिंग, वीडियो कान्फ्रेंसिंग से होना चाहिए। न्यायाधीश को किसी भी प्रकरण में पीड़िता के साथ प्रति परीक्षण करने का अधिकार नहीं है। आरोपित के अभिभाषक द्वारा पीड़िता के साथ जब प्रति परीक्षण किया जाता है तब अभिभाषक की भाषा अत्यंत संयमित एवं संतुलित होना आवश्यक है। इस पूरे प्रकरण में न्याय संगत व्यवहार के इतर न्यायाधीश द्वारा सभी मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर स्त्री अस्मिता की धज्जियां उड़ाई गई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अत्यंत चिंतनीय है।

प्रश्न यह है कि सुनवाई पूरी हुए बगैर तथ्य और प्रमाण सामने लाए बगैर न्यायाधीश इस तरह के निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे? वे पीड़ित महिला को सार्वजनिक रूप से बाजारू महिला के रूप में संबोधित कर उसके मनोबल को तोड़ने का प्रयास क्यों कर रहे थे? यह सर्वविदित है कि इस तरह की घटना होने के बाद पीड़ित महिला भय एवं लोक लाज के कारण रिपोर्ट ही नहीं कर पाती हैं। न्यायाधीश के इस व्यवहार के कारण भविष्य में भी दुराचार पीड़ित महिलाएं अपनी बात कहने में भी घबराएंगी? न्यायालय तक तो आने का विचार भी नहीं करेंगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायाधीश महोदय ने बलात्कारियों को फ्री हैंड देने का प्रयास किया है। जबकि भारत जैसे देश में जहां स्त्री सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता है, उसके लिए असंख्य के संघर्ष और बलिदान हुए हैं। जहां न्यायालय को न्याय का मंदिर कहा जाता हो वहां स्त्री के साथ इस तरह का अपमानजनक व्यवहार निंदनीय ही नहीं दंडनीय होना चाहिए! दामिनी का मत है कि माननीय न्यायाधीश ने दुष्कर्म से भी अधिक बुरा आचरण किया है।

संभाग आयुक्त कार्यालय में एकत्र हुई संगठन की महिलाओं ने कहा कि सम्पूर्ण समाज का अटूट विश्वास न्यायालय पर हैं। किंतु इस प्रकार के घटनाक्रम न्यायप्रिय मां अहिल्या देवी की नगरी में होने से समाज का विश्वास न्यायालय के प्रति कमजोर हो गया है। आम आदमी जो न्यायालय को अपने अधिकारों के रक्षक के रूप में देखता है इस घटना से उसमें भी रोष व्याप्त हैं। ऐसे में निवेदन यही है कि विषय की गंभीरता को संज्ञान लेते हुए न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा के निलंबन एवं समस्त संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अतिशीघ्र की जानी चाहिए। ताकि इस प्रकार के घटनाक्रम की भविष्य में पुनरावृत्ति न हो सके।

संगठन ने मांग की है कि यौन उत्पीड़न तथा दुष्कर्म के केस में पृथक न्यायालय स्थापित हो जिसमें महिला न्यायाधीश के माध्यम से सुनवाई हो। इस प्रकार के केस की सुनवाई अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ हो। ऐसे मामलों में केस इन कैमरा प्रोसिडिंग्स ही चलें। यह न होने की स्थिति में कड़ी सजा का प्रावधान हो। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक लव जेहाद के मामले इंदौर से ही सामने आ रहे हैं। दरअसल, मिनी बॉम्बे के नाम से अपनी पहचान रखने वाले इस शहर में एक ओर प्रदेश के कई जिलों से लोग रोजगार और अच्छी शिक्षा, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने के लिए पहुंचते हैं तो दूसरी तरफ देश भर से यहां आने वालों की तादाद भी बड़ी संख्या में है। फिर मालवा के इस क्षेत्र का प्राकृतिक वातावरण भी कुछ ऐसा ही कि यहां न अधिक गर्मी होती है और न सर्दी। इसलिए अधिकांश लोग एक बार यहां आ गए तो यहीं हमेशा के लिए बस जाते हैं। इस क्षेत्र में मुसलमानों की भी बड़ी तादात है, जिनमें कि योजना से इनके बीच के युवा अपना हिंदू नाम रखकर यहां तक कि दिखाने के लिए जूठे पहचान पत्र तक बनाकर अपने पास रखते हैं और हिंदू युवतियों को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उन्हें लव जेहाद का शिकार बना रहे हैं। हालांकि मप्र में लव जेहाद के खिलाफ कानून है, मध्य प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 पारित किया है जिसका उद्देश्य गैरकानूनी पांथिक रूपांतरणों पर रोक लगाकर मत (धर्म) की स्वतंत्रता प्रदान करना है। किंतु इस काम में लगे मुस्लिम युवकों को किसी कानून का कोई भय नहीं होना ही बार-बार सामने आ रहा है।

अगस्त में 4 ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2024 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब अगस्त का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है इस महीने में सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योति शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिसके कारण हर एक माह में कोई न कोई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं जिसे ज्योतिष में ग्रहों का गोचर कहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अगस्त में 4 प्रमुख ग्रह मंगल, सूर्य, बुध और शुक्र अपनी चाल बदलेंगे। इसके अलावा कई ग्रहों का नक्षत्र भी बदलेंगे। अगस्त माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन से कई तरह के शुभ योग भी बनेंगे, जिसमें बुधादित्य राजयोग और समसप्तमक योग भी होगा। अगस्त माह में सिंह राशि में त्रिग्रही योग का भी निर्माण होगा। दरअसल अगस्त माह में सूर्यदेव के स्वामित्व वाली राशि सिंह में स्वयं सूर्य, बुध और शुक्र का मिलन होगा, जिससे त्रिग्रही योग का निर्माण होगा। इस प्रकार से अगस्त माह में सभी 12 राशियों के ऊपर इन ग्रहों का प्रभाव दिखाई देगा।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की विशेष भूमिका होती है। सभी ग्रह एक नियमित अंतराल पर अपनी राशि परिवर्तन करते हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन के अलावा सभी ग्रह की समय-समय पर चाल बदलती रहती है जिसका भी प्रभाव जातकों के जीवन पर पड़ता है। ऐसे में आने वाला अगस्त का महीना काफी महत्वपूर्ण रहने वाला होगा। अगस्त में कई ग्रह अपनी राशि तो बदलेंगे ही साथ ही कुछ ग्रह की चाल में बदलाव भी देखने को मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह के परिवर्तन से जातकों के जीवन के साथ देश-दुनिया में भी काफी हलचल देखने को मिल सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुध का कर्क राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। बुध अभी सिंह राशि में मौजूद हैं। 5 अगस्त 2024 को बुध सिंह राशि में वक्री हो जाएंगे, फिर 22 अगस्त को सिंह राशि से वापस कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। फिर 29 अगस्त को बुध मार्गी हो जाएंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ और मीन

सूर्य का सिंह राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। सूर्य अभी कर्क राशि में विराजमान हैं और इसके बाद 16 अगस्त 2024 को कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे। आपको बता दें कि सिंह राशि के स्वामित्व स्वयं सूर्य देव होते हैं। इस तरह से अगस्त माह में सूर्यदेव अपनी ही राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य का स्वयं की राशि में आना अच्छा संकेत है। सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने के कारण सिंह राशि में सूर्य, बुध और शुक्र का त्रिग्रही योग बनेगा। 16 अगस्त से लेकर 22 अगस्त तक ये त्रिग्रही योग रहेगा।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

मंगल का मिथुन राशि में गोचर

अगस्त माह में महान पराक्रमी और धरती पुत्र मंगल भी अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। मंगल 26 अगस्त 2024 को वृभष राशि की अपनी यात्रा को पूरा करते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के गोचर से कुछ राशि वालों का अच्छा लाभ मिलेगा।

शुभ - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

अशुभ - वृष, कन्या और कुंभ

शुक्र का कन्या राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र सिंह राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए 25 अगस्त को कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र इस राशि में 25 दिनों तक रहेंगे।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - वृश्चिक, कुंभ और मीन

बृहस्पति का नक्षत्र परिवर्तन

20 अगस्त, 2024 के दिन बृहस्पति ग्रह, जो वृषभ राशि में पहले से गोचर कर रहे हैं प्रातः के समय 5 बजकर 21 मिनट पर मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। उक्त युति से जातक की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन

30 अगस्त, 2024 को ग्रहों के राजा सूर्य देव पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करने जा रहे हैं और दिनांक 13 सितंबर, 2024 को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करेंगे। यह दोनों ही गोचर जातक के लिए शुभ रहेंगे। जो जातक सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त हो सकती है।

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊॅ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

आज सावन शिवरात्रि, सही विधि से करें शिवजी का रुद्राभिषेक

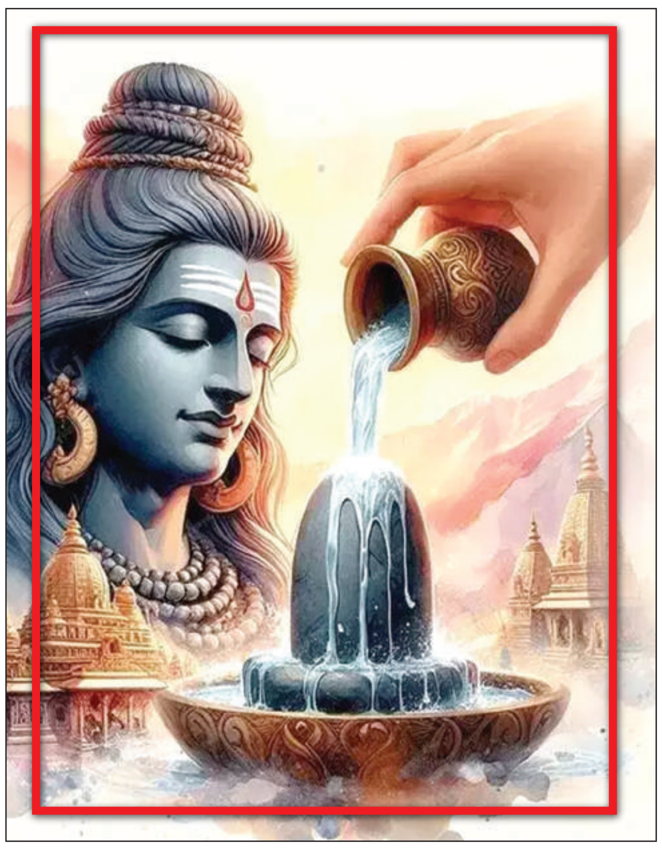

इस समय सावन का पवित्र महीना चल रहा है। सावन का महीना भगवान शिव को प्रिय माना जाता है। इसका हर दिन खास होता है। ऐसे में सावन शिवरात्रि पर्व 2 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाने वाला है। यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है।

सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की विशेष पूजा करने से कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। साथ ही मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। कहा जाता है कि सावन शिवरात्रि के दिन विधि-विधान से रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सावन शिवरात्रि 2024 शुभ मुहूर्त

इस बार सावन शिवरात्रि पर शुभ संयोग बनने जा रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। ऐसे में यदि पति-पत्नी मिलकर शिव जी की आराधना करते हैं, तो दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। इस दिन शुभ मुहूर्त में ही रुद्राभिषेक करना चाहिए।

पंचांग के अनुसार, 2 अगस्त को दोपहर 3.26 मिनट से सावन शिवरात्रि की तिथि शुरू होने जा रही है। यह 3 अगस्त को दोपहर 3.50 मिनट पर समाप्त होगी।

सावन शिवरात्रि पूजा समय

इस दिन प्रथम प्रहर की पूजा 2 अगस्त को शाम 7.11 से शुरू होगी 09.49 तक हो सकेगी। दूसरे प्रहर की पूजा रात 09.49 से 3 अगस्त को सुबह 12.27 तक हो सकेगी। तीसरे प्रहर की पूजा सुबह 12.27 से 03.06 तक हो सकेगी।

चौथे प्रहर की पूजा सुबह 03.06 से 05.44 तक हो सकेगी। सावन शिवरात्रि व्रत का पारण 03 अगस्त को 05.44 से दोपहर 03.49 तक किया जा सकता है। 3 अगस्त को निशिता काल पूजा का समय 12.06 से 12.49 तक रहेगी। भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने के लिए सिर्फ 42 मिनट का समय ही मिल सकेगा।

सावन शिवरात्रि रुद्राभिषेक विधि

सावन शिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक के लिए 2 अगस्त के दिन ही शाम के समय स्नान आदि से निवृत्त होकर गणेश जी का ध्यान करें।

इसके बाद भगवान शिव, देवी पार्वती, सभी देवता और नौ ग्रहों का ध्यान करके रुद्राभिषेक का संकल्प लें।

इसके बाद मिट्टी से शिवलिंग बनाएं और उत्तर दिशा में एक चौकी स्थापित करें। रुद्राभिषेक के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें।

सबसे पहले शिवलिंग को गंगाजल से स्नान कराएं। इसके बाद गन्ने का रस, गाय के कच्चे दूध, घी, शहद, मिश्री से शिवलिंग का अभिषेक करें।

हर सामग्री से अभिषेक करें और इसके बाद फिर से गंगाजल से शिवलिंग को स्नान कराएं।

शिवजी पर बेलपत्र, अक्षत, सफेद चंदन, काला तिल, धतूरा, भांग, आक, शमी पुष्प, कनेर, फल, कलावा, सफेद फूल, मिष्ठान्न आदि अर्पित करें।

सावन शिवरात्रि पर क्या करें और क्या नहीं

हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन की शिवरात्रि और भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

ऐसा करने से भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन अविवाहित लोग अच्छे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए और विवाहित लोग सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखते हैं। सावन शिवरात्रि के दिन कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए।

सावन शिवरात्रि के दिन करें ये कार्य

सावन शिवरात्रि के दिन स्नान ध्यान से निवृत होकर व्रत का संकल्प लें।

किसी मंदिर में जाकर सबसे पहले गणेश जी का स्मरण करें उन्हें प्रणाम करें।

इसके बाद गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। अभिषेक लोटे से ही करें। उसके बाद कच्चे दूध से अभिषेक करें। फिर से सामान्य जल से अभिषेक करें।

आप जल में बेलपत्र और सुगंध मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें। आप पीतल के लोटे में दूध, दही, शहद, गंगाजल और जल मिलाकर पंचामृत भी बना सकते हैं।

इस पंचामृत से अभिषेक करने के दौरान ओम नमः शिवाय मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

उसके बाद शिवलिंग पर भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, बेलपत्र, पुष्प, फल आदि अर्पित करें और इन मेट्रो का जाप करते रहें या फिर शिव चालीसा का पाठ करें।

महिलाएं देवी पार्वती को श्रृंगार का सामान जैसे हरी चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, मेहंदी और वस्त्र अर्पित करें। सिंदूर अर्पित करने के बाद इस सिंदूर को अपने माथे पर लगाएं।

विवाहित स्त्रियां सिंदूर को अपनी मांग में लगाएं और अविवाहित कन्याएं इस दौरान रामरक्षा स्तोत्र का पाठ करें। माता पार्वती को पुष्प और फल अर्पित करें। पूजा का समापन आरती के साथ करें।

सावन शिवरात्रि पर न करें ये कार्य

कहा जाता है कि सावन शिवरात्रि के दिन अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए। इस दिन व्रत रखना चाहिए। संध्या आरती के बाद ही फलाहार किया जा सकता है।

सावन शिवरात्रि के अगले दिन स्नान-ध्यान के बाद पूजा-पाठ करके ही व्रत का पारण करें व्रत खोलने के लिए आप अन्न ग्रहण कर सकते हैं।

सावन शिवरात्रि पर दिन के समय सोना नहीं चाहिए। इस दिन सोना वर्जित माना जाता है।

उपवास नहीं रख रहे हैं, तो इस दिन तामसिक चीज जैसे लहसुन, प्याज आदि का प्रयोग ना करें। इस दिन पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र होना चाहिए।

इस दिन घर का कोई भी सदस्य तामसिक भोजन या शराब आदि का सेवन न करें। सावन शिवरात्रि के दिन खट्टी चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा में तुलसी दल, श्रृंगार, सिंदूर जैसी कोई भी ऐसी वस्तु न चढ़ाएं। इस दिन शिवलिंग पर टूटे चावल या फिर काले तिल भी अर्पित ना करें।

शिवलिंग पर शंख से जल नहीं चढ़ाना चाहिए और ना ही शिवजी पर कमल, कनेर और केतकी के फूल अर्पित करने चाहिए।

हर 12 साल में लगता है महाकुंभ, समुद्र मंथन से जुड़ी है पौराणिक कथा

हम सभी जानते हैं कि हर 12 साल में महाकुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले का इतिहास बहुत ही रोचक है। हर 12 साल में कुंभ मेले का आयोजन देश में चार जगह पर किया जाता है, जिसमें हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन शामिल है।

नासिक और उज्जैन में हर साल कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। पिछली बार प्रयागराज में महाकुंभ साल 2013 में आयोजित किया गया था। इसके बाद अब 2025 में महाकुंभ आयोजित किया जाएगा।

ग्रहों की स्थिति के आधार पर मेले का आयोजन कुंभ मेले का इतिहास 850 साल पुराना है। इसकी शुरुआत शंकराचार्य ने की थी। 12 सालों में लगने वाले महाकुंभ में दुनिया भर से लोग शामिल होते हैं। ज्योतिष के अनुसार, कुंभ मेले का आयोजन ग्रहों की स्थिति यानी कि बृहस्पति के कुंभ राशि में प्रवेश और सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के आधार पर होता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार कहा जाता है कि कुंभ का आयोजन समुद्र मंथन के दौरान आदिकाल से ही हो गया था। जब देवताओं और राक्षसों ने मिलकर अमरता का अमृत उत्पन्न करने के लिए समुद्र मंथन किया था, उस समय सबसे पहले विष निकला था, जिसे भगवान शिव ने ग्रहण किया था। उसके बाद जब अमृत निकला, तो उसे देवताओं ने ग्रहण किया था।

12 स्थानों पर गिरी थी अमृत की बूंदें

काल भेद के कारण देवताओं के 12 दिन मनुष्य के 12 वर्षों के समान हैं, इसलिए महापर्व कुंभ हर स्थल पर 12 साल बाद लगता है।

समुद्र मंथन के दौरान देवता और राक्षसों के बीच अमृत के घड़े के लिए लड़ाई 12 दिनों तक चली थी, जो मनुष्य के लिए 12 साल के बराबर माना जाता है।

यही कारण है कि हर 12 साल बाद महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। कहा जाता है कि इस अवधि के दौरान नदियां अमृत में बदल गई थीं, इसलिए दुनिया भर के कई तीर्थयात्री पवित्रता के सार में स्नान करने के लिए कुंभ मेले में आते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार देवताओं और असुरों के बीच 12 सालों तक संग्राम चला था। इस संग्राम में 12 स्थान पर अमृत की बूंदें गिरी थीं।

इसमें आठ जगह देवलोक और चार जगह पृथ्वी थी। जिन स्थानों पर यह अमृत गिरा था, वह प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक थे। जहां पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने शमा सिकंदर ने खींचा फैंस का ध्यान

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में उन्होंने अपना लेटेस्ट हॉट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका एलिगेंट और ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही टीवी में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफों के पुल बांधते रहते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका शानदार लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शमा सिकंदर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस ने कॉमेंट की बौछार कर दी है। कई सारे यूजर्स लाइक्स और रिएक्शंस देकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा तुम कितनी सुंदर लग रही हो। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट।

निर्माणाधीन तेलुगु फीचर फिल्म साहा, संजू की जिंदगी पर आधारित एक भावनात्मक प्रेम कहानी है। इसके निर्माता और कलाकार 31 जुलाई, बुधवार को अजीज नगर में हैदराबाद पोलो और राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) में तथा तेलंगाना-आंध्र प्रदेश के स्थानों पर अधिकांश शूटिंग पूरी हो चुकी है। कुछ दृश्यों की शूटिंग एचपीआरसी में और निलोफर अस्पताल में की गई । तेजा वेलिपुचेरला द्वारा निर्मित, साहा, निशांत दोती द्वारा लिखित और निर्देशित, संजू की जीवनी पर आधारित है। यह फ़िल्म वर्ष के अंत में रिलीज़ होने वाली है। इसके मुख्य अभिनेता कुमार कासराम, मुख्य अभिनेत्रियाँ स्वेता सालुरु और व्रजना पंड्या, (ये सभी अपनी पहली फ़िल्म बना रही हैं), मोहम्मद शम्सुद्दीन एक सरकारी अधिकारी की भूमिका में नज़र आयेंगे।

किआरा आडवाणी के बर्थडे पर गेम चेंजर से तोहफा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के 33वें जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस को हर जगह से जन्मदिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर के मेकर्स ने उन्हें खास अंदाज से जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। साथ ही फिल्म में कियारा के किरदार के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट दिया है। एक्ट्रेस के बर्थडे पर मेकर्स ने एक स्पेशल नया पोस्टर साझा किया है और फिल्म से उनके किरदार का नाम का खुलासा किया है।गेम चेंजर के मेकर्स ने एक और नया पोस्टर जारी करके फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस उत्साह दोगुना कर दिया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी भी हैं। चूंकि आज, एक्ट्रेस का 33वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनके किरदार के नाम का खुलासा करके उन्हें और उनके फैंस को तोहफा दिया है।मेकर्स ने फिल्म से कियारा का नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, टीम गेम चेंजर की ओर से हमारी जाबिलम्मा उर्फ कियारा आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी वाइब्रेंट एनर्जी जल्द ही आपके दिलों को मोह लेगी।गेम चेंजर एक आगामी राजनीतिक थ्रिलर प्रोजेक्ट है। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एस शंकर ने किया है। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा फिल्म में अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, सुनील और समुथिरकानी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में हैं।

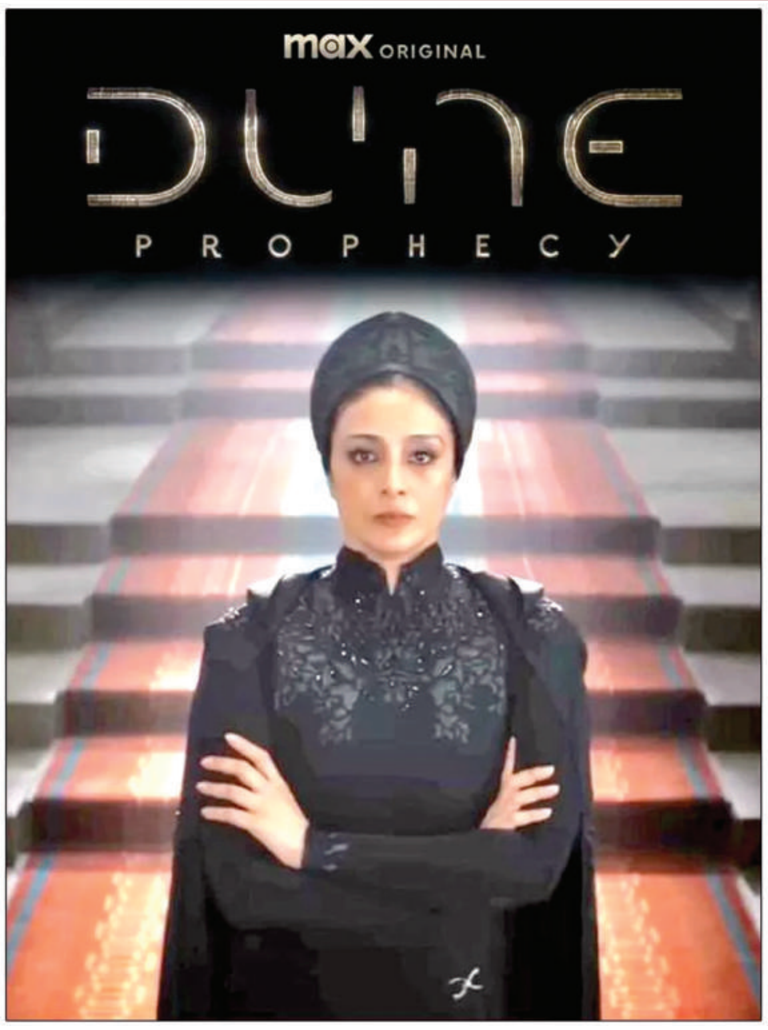

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यून: प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है। एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हार्कोनेन कहता है, बलिदान तो करना ही होगा। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।टीजर में तब्बू को सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में महज पल भर के लिए दिखाया गया है, लेकिन यह अभिनेत्री के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है। इस टीजर में उन्हें काले कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है। हालांकि, टीजर में वह कोई भी संवाद बोलती नजर नहीं आई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में तब्बू का किरदार बुद्धमान, मजबूत और आकर्षक होगा। यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के लिखे उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है । तब्बू और एमिली के अलावा, इसमें ओलिविया विलियम्स, जोहदी मे, ट्रैविस फिमेल, सारा-सोफी बोस्निना, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, एओइफ हिंड्स, शालोम ब्रून-फ्रैंकलिन और क्रिस मेसन भी हैं। शो के निर्माता इसे नवंबर में रिलीज करने की तैयारी में हैं।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी फिल्म बिन्नी एंड फैमिली का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है।बिन्नी एंड फैमिली का फर्स्ट लुक पोस्टर बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब की। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में।बिन्नी एंड फैमिली एक आम परिवार के जरिए पीढ़ियों के रिश्तों को दर्शाने वाली है। यह फिल्म कुछ खट्टी मीठी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। अंजिनी धवन के अलावा फिल्म में दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और अन्य कलाकार भी हैं।अंजिनी धवन, अभिनेता अनिल धवन की पोती और सिद्धार्थ धवन की बेटी हैं। वे बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ दोस्ती का प्यारा रिश्ता साझा करती हैं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अंजिनी वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर 1 के सेट पर सहायक निर्देशक थीं।

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं, छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा।सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं।एक्ट्रेस ने कहा: जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए।उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा।उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी।एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था।सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था।छठी मैया की बिटिया में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं।इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं।छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होता है।बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल सपना बाबुल का... बिदाई से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर-घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में मोना के किरदार में नजर आईं। उन्होंने इस शो में प्रियल गोर की जगह ली।

वह कलर्स पर प्रसारित होने वाले ससुराल सिमर का को लेकर भी सुर्खियों में रही। इसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन का रोल निभाया। इसके अलावा, वह भाग्यलक्ष्मी में पवित्रा और सौभाग्यलक्ष्मी में कुहू के किरदार में दिखीं।कवच, संतोषी मां और शक्ति: अस्तित्व के एहसास की जैसे कई टीवी शोज में वह नजर आईं। वह कई अन्य किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं - जैसे दिल बोले ओबेरॉय में मोहिनी का किरदार और जाना न दिल से दूर में कंगना का किरदार काफी मशहूर हुआ।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा-सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी-ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 02 अगस्त 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 03:29 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 10:59 तक
योग : हर्षण प्रातः 11:44 तक
करण : वणिज सायं 03:29 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , आश्लेषा में रवि रात्रि 10:06 , भद्रा सायं 03:27 से रात्रि 03:36 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एमपी की पारदी गैंग ने की थी न्यायिक अधिकारियों के आवास पर चोरी, चार गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़,01अगस्त (एजेंसियां)। जिले के कपासन में 10 दिन पूर्व दो न्यायिक अधिकारियों के आवास पर दिनदहाड़े हुई लाखों की नकदी और आभूषण चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। मध्यप्रदेश की पारदी गैंग ने इस वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए चोरी का काफी हद तक माल बरामद कर लिया है। आरोपियों ने चार राज्यों में 50 से अधिक नकबजनी, डकैती, चोरी की वारदात को कबूल किया। चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने गुरुवार शाम को पत्रकार वार्ता में दोनों वारदात का खुलासा किया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत 20 जुलाई को कपासन के अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश महेंद्र सोलंकी और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निष्ठा पांडे के निवास पर दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई थी। आरोपित दोनों न्यायिक अधिकारियों के आवास से लाखों के आभूषण, घड़ियां, नकदी आदि चोरी कर ले गए थे। इस पर पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए थे। पुलिस ने वारदात का खुलासा के लिए कपासन थाना तथा साइबर सेल की एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी साक्ष्य जुटाए तथा करीब 200 सीसी टीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग प्राप्त कर अनुसंधान किया।

इसमें आरोपियों के बारे में जानकारी मिली कि उक्त आरोपित अव्वल दर्जे के नकबजन एवं खूंखार किस्म के अपराधी है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने मध्य प्रदेश के भोपाल सीहोर और राजगढ़ जिले के अलग-अलग स्थान पर दबिश दी। संदिग्ध आरोपियों को डिटेन कर के पूछताछ की गई। पुलिस ने वारदात करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इन्होंने चित्तौड़गढ़ के कपासन सहित कई स्थानों पर वारदात करना कबूल किया। पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास से चोरी किया गया करीब 20 तौला सोना, 250 ग्राम चांदी के जेवर तथा ब्रांडेड घड़ियां बरामद कर ली। इनका अनुमानित मूल्य करीब 70 लाख रुपये हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों की ओर से वारदात में प्रयुक्त कार को बरामद कर लिया है।

पुलिस ने इस मामले में मध्यप्रदेश के भोपाल में निशातपुर निवासी सचिन पुत्र साइसिंह पारदी, सिरोही जिले के डोडी निवासी पपून पुत्र सहिसराज पारदी, सिरोह जिले के दोराह निवासी रूप नारायण पुत्र सज्जनसिंह पारदी तथा रामबाबू पुत्र अमरलाल पारदी को गिरफ्तार किया है। इन चारों ही आरोपियों को चार दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए हैं। गिरफ्तार आरोपित सचिन के खिलाफ 26 तो पपून के खिलाफ कुल 13 प्रकरण दर्ज है

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कपासन पुलिस की ओर से चोरी के मामले में गिरफ्तार किए इन आरोपियों को कपासन के न्यायालय में ही पेश करना था। लेकिन प्रकरण की सुनवाई करने वाले न्यायिक अधिकारी ही इस मामले में प्रार्थी है। ऐसे में आरोपियों को चित्तौड़गढ़ न्यायालय में पेश किया गया है। इनसे गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने चित्तौड़गढ़ के अलावा अन्य स्थानों पर की गई वारदात को भी स्वीकार किया है। आरोपियों ने मध्यप्रदेश महाराष्ट्र, गोवा व राजस्थान में 25 से अधिक वारदात करना स्वीकार किया है।

पानी में खेलते समय नाले में बह गया 15 साल का लड़का

छह घंटे बाद मिला मृत

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के बगरू क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना में बालक की मौत हो गई। सुबह करीब 9 बजे छीपा मोहल्ले में सड़कों पर भरे पानी में खेलते समय 15 साल का एक लड़का बह गया। पीयूष आचार्य (15) अपने दोस्तों के साथ सड़क पर जा रहा था। स्थानीय निवासी विशाल चौधरी ने बताया कि पीयूष का पैर फिसल गया और वह पास के नाले में गिर गया। उसके दोस्तों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उनके हाथों से फिसल गया। यह पूरी घटना पास की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई।

पीयूष अपनी कॉलोनी के दोस्तों के साथ सड़क पर भरे पानी में खेल रहा था। इस दौरान वह सड़क पर बने एक नाले के पास गया, जो करीब 5 फीट गहरा और 3 फीट चौड़ा था। नाले के ऊपर रखा हुआ कवर हट गया था, जिससे पानी भंवर की तरह नाले में जाने लगा। भंवर को पास से देखने के चक्कर में पीयूष नाले के करीब गया और उसमें गिर गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत रेस्क्यू टीम को सूचना दी। रेस्क्यू टीम ने छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को घटना स्थल से करीब 500 मीटर दूर नाले से बाहर निकाला। दुर्भाग्यवश, पीयूष को मृत अवस्था में पाया गया।

इस घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और नाले की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने की बात कही है। इस दुखद घटना ने स्थानीय निवासियों को भी सतर्क कर दिया है, जिससे वे अपने बच्चों को ऐसी जगहों से दूर रखने की सलाह दे रहे हैं।

उत्तराखंड की तर्ज पर यूसीसी लाएगी भजनलाल सरकार

विधानसभा में विधि मंत्री ने दिया जवाब

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बाद अब भाजपा शासित राजस्थान में भी यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाने की तैयारी कर रही है। गुरुवार को विधानसभा में सरकार के विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को ये जानकारी दी। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में विधि, न्याय और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, हां, राज्य सरकार इस विषय में विचार कर रही है। सभी पहलुओं पर विचार करके सरकार की तरफ से उचित समय पर उक्त बिल लाया जाएगा। हालांकि सरकार ने बिल लाने और यूसीसी लागू करने की समय सीमा के बारे में नहीं बताया है।

विधानसभा में भजनलाल सरकार को लगा बड़ा झटका

लौटाना पड़ा यह विधेयक, भाजपा विधायकों ने भी किया विरोध

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में प्रदेश की भजनलाल सरकार को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा में आधी-अधूरी तैयारी के साथ पेश किया गया भूजल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक 2024 सरकार को पुनर्विचार के लिए प्रवर समिति को भेजना पड़ा गया। कांग्रेस ही नहीं, भाजपा विधायकों ने भी इस बिल का विरोध किया था। इसके कारण सरकार को यह बिल वापस लेना पड़ा। गौरतलब है कि पिछली गहलोत सरकार ने घरेलू उपयोग के लिए भूजल में 10 एमसी पानी के लिए एनओसी की अनिवार्यता समाप्त कर दी थी। इसके बाद भजनलाल सरकार सत्ता में आई और कांग्रेस सरकार को बैकफुट पर लाने के लिए उस फैसले पर रोक लगा दी।

इस बिल में सरकार ने भूजल प्रबंधन के लिए नया प्रधिकरण गठन करने का प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने इसका यह कहते हुए विरोध किया कि बिल में पानी की राशनिंग करने के प्रावधान किए गए हैं। एक्ट के तहत राजस्थान में निजी इंडस्ट्रीज और घरेलू ट्यूबवेल्स खुदाई पर बैन लगाए जाने का प्रावधान था। राज्य में जो इंडस्ट्रीज चल रही है, उनमें टेलीमीट्रिक डिजिटल वाटर मीटर लगाए जाने थे।

औद्योगिक क्षेत्र का सुरक्षा कवच टूटा

बाढ़ से बचाव के लिए बनाया अस्थायी बांध बारिश में बहा

अंबाला,01 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में औद्योगिक क्षेत्र में बाढ़ से बचाव के लिए बनाया गया अस्थायी बांध बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया। इससे आसपास की कॉलोनियों का पानी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर घुस गया। कुछ निचली फैक्टरियों में भी बारिश का पानी घुस गया, जिससे उद्यमियों की चिंता बढ़ गई। बारिश रुकने के बाद ही कारोबारियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद दिनभर टूटे अस्थायी बांध की मरम्मत का कार्य चला।

दरअसल, औद्योगिक क्षेत्र में करोड़ों की टर्नओवर वाली फैक्टरियों को पिछली बार की तरह बाढ़ से बचाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। इसके तहत सिंचाई विभाग की तरफ से टांगरी नदी पर बांध बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

दूसरी ओर हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम यानी एचए-सआईआईडीसी की तरफ से मिट्टी का अस्थायी बांध तैयार किया गया था, ताकि आसपास की कॉलोनियों में जलभराव होने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में दिक्कत न हो, लेकिन यह पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गया।

सफाईकर्मियों की हड़ताल से पुष्कर में बिगड़े हालात

पालिकाकर्मी, जनप्रतिनिधि और पुरोहित कर रहे सफाई

अजमेर,01 अगस्त (एजेंसियां)। बीते तीन दिनों से तीर्थ नगरी पुष्कर में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की झाडू डाउन हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। वहीं, हड़ताल के कारण तीर्थ नगरी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो रखी है। तीर्थ के घाट और सरोवर समेत जगह-जगह गंदगी के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे तीर्थ यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की धार्मिक भावना आहत हो रही है। आज सुबह हुई बारिश के बाद जो कचरा एक जगह जमा था वह सड़कों पर फेल गया और पुष्कर की सड़कें कचरा डिपो में तब्दील हो गई। वहीं पालिकाकर्मी, जनप्रतिनिधि पुरोहितों द्वारा सरोवर के घाटों और कस्बे में साफ-सफाई जारी है।

वाल्मीकी संघर्ष समिति के बैनर तले पुष्कर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीन दिनों से चल रही है। आज हड़ताल का चौथा दिन है। इसके चलते पालिका प्रशासन ने सरोवर के घाटों पर सफाई के लिए श्रमदान शुरू किया है। पालिका के कनिष्ठ अभियंता रामनिवास मीणा ने बताया कि पालिका स्टाफ और जन सहयोग से घाटों पर श्रमदान कर सफाई की जा रही है। सरोवर से मृत मछलियों को बाहर निकाला जा रहा है। इसके अलावा ठेकेदार ने 10 श्रमिकों की वैकल्पिक व्यवस्था की है।

पालिका उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि ने अपने वार्ड में की सफाई कर मिसाल पेश की। उन्होंने बताया कि वे वार्ड सेवक होने का दायित्व निभा रहे हैं, ताकि कम से कम उनके वार्ड की गंदगी तो बहकर मुख्य बाजार में न जाए। महर्षि ने बताया कि वार्ड के प्रमुख वराह मंदिर पर जाने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी से होकर न गुजरना पड़े। इसके अलावा इसी मार्ग पर प्राचीन रघुनाथ मन्दिर, बद्री नरायण मन्दिर, जगदिश मन्दिर, केदार नाथ महादेव मंदिर आते हैं इसलिए उन्होंने सफाई का जिम्मा उठाया।

पुष्कर सरोवर में लगातार मछलियां मरने और सफाईकर्मियों की हड़ताल से सरोवर में बदबू मारने लगी है। हालात को देखते हुए भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष भुवनेश पाठक के नेतृत्व में घाटों पर श्रमदान किया। इस दौरान यश पाराशर, लक्ष्मीकांत गौड़, दामू पाराशर, प्रकाश नाथ, रमेश नारायण, आदित्य सहित कार्यकर्ताओं ने मृत मछलियों को बाहर निकालकर सरोवर के घाटों पर श्रमदान कर सफाई की।

मैं भी बेटी का बाप हूं, आरोपियों को नहीं छोड़ूंगा

अंबाला में दो बच्चियों की हत्या पर बोले परिवहन मंत्री गोयल

अंबाला,01 अगस्त (एजेंसियां)। अंबाला शहर के वाल्मीकि बस्ती में 31 जुलाई को दो बच्चियों की बेरहमी से हुई हत्या कर दी गई थी। बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बूरा हाल है। दो बच्चियों की हत्या की घटना से शहर ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश स्तब्ध है।

वीरवार को हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने बच्चियों के परिजन को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि मामले में किसी जो भी आरोपी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री असीम ने कहा कि मैं खुद एक बेटी का बाप हूं, छोड़ूंगा नहीं, बिल्कुल नहीं छोड़ूंगा जिसने यह काम किया है। परिजनों को कहा कि वह भरोसा रखें बिल्कुल इंसाफ मिलेगा। वहीं मंत्री असीम गोयल ने पुलिस अधिकारियों को भी जल्द मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।

उधर, पुलिस भी मामले की जांच में जुटी हुई है। इलाके के सीसीटीवी को भी खंगाला। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, शहर की वाल्मीकि बस्ती में बुधवार को एक घर में दो बच्चियों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। बच्चियों के शव मिलने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। दोनों बच्चियों के गले पर निशान थे और एक बच्ची के मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने बच्चियों के दादा वेदप्रकाश की शिकायत पर सुबह घर पर झगड़ा करने वाले विकास के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

दादा वेदप्रकाश ने बताया था कि सुबह आठ बजे सौरभ के साथ काम पर चला गया था। सोनू भी कहीं चला गया था। घर पर दोनों बच्चियों 11 वर्षीय योगिता व सात वर्षीय अमायरा के अलावा कोई नहीं था। सुबह नौ बजे सौरभ घर गया तो देखा कि दोनों बच्चियां सीढ़ियों पर अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी। गले पर चोट के निशान थे। इससे पहले सुबह सात बजे घर पर विकास नाम का व्यक्ति आया था।

हरिद्वार जल लेने गया युवक पत्नी ने फंदा लगा दी जान

ढाई साल पहले किया प्रेम विवाह, 15 दिन पहले जन्मी बेटी

करनाल,01 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में शिवरात्रि पर हरिद्वार जल लेने गए युवक की पत्नी ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की सूचना पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

चार चमन निवासी युवक की मां ने बताया कि उनके बेटे सूरज ने ढाई साल पहले मुस्कान से प्रेम विवाह किया था। 15 दिन पहले उसकी पुत्रवधू ने बेटी को जन्म दिया था। बेटा सूरज हरिद्वार से जल लेने गया था। बुधवार रात को सभी खाना खाने के बाद सो गए। उसकी पुत्रवधू भी बेटी को लेकर अपने कमरे में चली गई थी।

गुरुवार सुबह पांच बजे बेटा हरिद्वार से घर पहुंचा तो बहू अपने कमरे में फंदे से लटकी मिली। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। दूसरी ओर मायका पक्ष ने ससुराल पक्ष के लोगों पर उनकी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने व उसे तंग करने का आरोप लगाया। चार चमन में एक महिला के फंदा लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। जिसके बाद वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मायका पक्ष ने ससुराल पक्ष पर बेटी को तंग करने का आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पटना समेत 30 जिलों में बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट

पटना (एजेंसियां)।

पटना समेत कई जिलों में आसमान से राहत की बूंदें बरसी है। पटना में बुधवार शाम को कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। गुरुवार अहले सुबह मध्यम दर्जे की बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दी। लेकिन, पटना के कई इलाकों में सड़क पर जलजलाव की समस्या उत्पन्न हो गई। मौसम विभाग ने आज पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, सारण, समेत 30 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, मुंगेर, बेगूसराय, लखीसराय, भागलपुर, जमुई, पूर्वी चंपारण, पटना, भोजपुर, औरंगाबाद, अरवल, गया, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, बक्सर, रोहतास के कई इलाकों एक से तीन घंटे में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन और वज्रपात का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग ने इन इलाकों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील कि है कि खराब मौसम के दौरान अपने पशुधन और खुद को बाहर निकलने से बचें। मेघगर्जन के दौरान पेड़-पौधे के नीचे शरण न लें। बारिश के समय सुरक्षित स्थान पर जाकर बैठ जाएं।

पिछले 4 वर्षों के वर्षा का आकलन पूरे बिहार पर देखे तो मानसून सीजन एक जून से 31 जुलाई तक 2020 में 45%, 2021 में 19% सामान्य से ज्यादा 2022 में 39% एवं 2023 में सामान से 48% की कमी आई थी। मौसम विज्ञान केंद्र का मानना है कि प्रदेश के कई जिलों में छिटपुट बारिश से अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में पिछले 24 घंटे में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। सर्वाधिक अधिकतम तापमान गोपालगंज में 38.5 डिग्री के अलावा पटना में 36.2, गया में 35.5, भागलपुर 36.2, पूर्णिया 36.4, बाल्मीकि नगर 35.7, मुजफ्फ़रपुर 35.0, छपरा 36.3, दरभंगा 37.0, सुपौल 36.5, फारबिसगंज 36.2, डेहरी 34.0, मधुबनी 35.7, मोतिहारी 36.0, शेखपुरा 37.4, जमुई 36.3, बक्सर 36.0, भोजपुर 36.5, समस्तीपुर 36.2, वैशाली 37.6, औरंगाबाद 33.3, बेगूसराय 37.0, बांका 36.2, कटिहार 35.4, नवादा 37.6, राजगीर 37.5, अररिया 36.1, जीरादेई 36.2, पूसा 36.0, किशनगंज 35.5, अरवल 36.4, बिक्रमगंज 32.0 और मुंगेर 38.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किए गए।

अगर मौसमी सिस्टम देखें तो मानसून का अक्षय रेखा आज गंगानगर, हिसार, डेहरी से होते हुए पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। इसके अलावा झारखंड के आसपास चक्रवती परिसंचरण था। अब पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्र पर समुद्र तल से 3.8 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। इन दोनों मौसमी सिस्टम के कारण आज से अगले 48 घंटे के दौरान राजधानी पटना सहित बिहार के दक्षिण भाग में हल्की सी मध्यम स्तर की वर्षा जब के उत्तर बिहार के तराई वाले क्षेत्र में एक दो जगह पर मध्य जबकि शेष उत्तरी बिहार में हल्की वर्षा का पूर्वानुमान है।

तपती तेज धूप ने बढ़ाई किसानों की परेशानी फटने लगी जमीन तो धान रोपनी में आई कमी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मानसून के कमजोर पड़ने के साथ ही अब किसानों के लिए आफत आ गई है। बढ़ती गर्मी और बारिश नहीं होने के कारण मुजफ्फरपुर के किसान परेशान हताश होने लग गए हैं।

जिसके कारण से जिले के कई प्रखंड में धान रोपनी में कमी आने से परेशानी बढ़ गई है। जिसके बाद जिसके बाद अब किसान औने पौने भाव पर पानी पाटवान करने को विवश है। जिले के कई प्रखंड में स्थिति खराब हो गई है।

दरअसल बीते तीन हफ्ते से जिले में बारिश नहीं होने के कारण धान के बिचड़े तो तैयार हो गए है, लेकिन इनकी रोपनी के लिए आवश्यक पानी की कमी देखी जा रही है। जिले के कांटी, बोचहा, कटरा, मोतीपुर, मड़वन, कुढ़नी सहित कई

प्रखंड में स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिसके बाद अब किसान ने इसको लेकर जिला प्रशासन और सरकार से गुहार लगाई है, ताकि समय पर धान की रोपनी की जा सके।

मामले में डीएम सुब्रत सेन ने बताया की गर्मी बढ़ने और बारिश नहीं होने से परेशानी बढ़ी है। किसान धान के रोपनी को कर सके इसके लिए हम गंभीर है। कृषि विभाग को इस दिशा में निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही डीजल अनुदान राशि को जल्द से जल्द कराया जा सके ताकि किसान अपने खेतों में पानी का पटवन को कर सके।

वज्रपात से दो की मौत, तीसरा झुलसा

तेज बारिश के साथ हुए हादसे में परिजनों में कोहराम

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में वज्रपात से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों गांवों में परिजनों की चीख-पुकार गूंजने लगी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ़ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

पहली घटना चंडी थाना क्षेत्र के प्राणचक गांव में हुई। 48 वर्षीय बृजन जमादार खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान ठनका की चपेट में आकर उनकी जान चली गई। इसी

तरह, नगरनौसा थाना क्षेत्र के मोनियमपुर गांव में बारिश में नहा रहे किशोर की ठनका से मौत हो गई। मृतक अरुण कुमार का 12 साल का पुत्र इंद्रजीत कुमार था। परिजनों ने बताया कि किशोर घर के समीप बारिश में नहा रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ। जबकि, पावापुरी थाना क्षेत्र के घोसरावां गांव में ठनका की चपेट में आकर अजय सिंह के 30 वर्षीय पुत्र गुड्डू सिंह झुलस गये। उन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इलाज के बाद युवक की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार एवं नगरनौसा थानाध्यक्ष शैलेश कुमार झा ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

औरंगाबाद में वज्रपात से तीन महिला समेत चार की मौत

पटना (एजेंसियां)।

औरंगाबाद में बुधवार की शाम से देर रात तक हुई बारिश में अलग-अलग हिस्सों में वज्रपात से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और एक पुरूष शामिल हैं। हालांकि, वज्रपात की घटनाओं में कुछ लोग गंभीर रूप से भी घायल हुए है, जिनका इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान बारूण थाना क्षेत्र के छक्कन बिगहा गांव निवासी राम अवतार सिंह की पत्नी सोनहल देवी (60), रेड़िया गांव निवासी विनय पाल की पत्नी जैतरी देवी, मदनपुर थाना क्षेत्र के पिरवां गांव निवासी राजगीर महतों के पुत्र महेश प्रसाद (40) तथा टंडवा थाना क्षेत्र के खजूरी महेश गांव निवासी रामदहीन पासवान की पत्नी इंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई।

परिजनों के मुताबिक खेत में धान की रोपनी कर घर लौटने के दौरान ही तेज बारिश होने लगी। साथ ही बिजली कड़कने लगी। इसी दौरान इन चारों की आकाशीय बिजली के चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं झुलसे हुए कुछ लोगों का बारुण के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया गया है। फिलहाल इनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही हैं। इधर, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर देर रात पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया हैं। हादसे के बाद मरने वालों के परिवार में कोहराम मचा है। परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मदनपुर थानाध्यक्ष कुमार सौरभ ने बताया कि वज्रपात के चपेट में आने से चार लोगों की मौत हुई है। इनमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हैं। इस बीच मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों को आकाशीय बिजली को लेकर लगातार अलर्ट कर रहा है। कहा गया है कि खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। इसके बावजूद लोग बारिश के दौरान सावधानी नही बरत रहे है। इस वजह से आकाशीय बिजली से मौत की घटनाओं में कोई कमी दर्ज नहीं की जा रही है। हालांकि राज्य सरकार की ओर से आकाशीय बिजली से मौत के मामले में मृतकों के परिजनों को अनुदान राशि मुहैया कराई जा रही है। गौरतलब है कि औरंगाबाद में छह जुलाई को भी आकाशीय बिजली के चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हुई थी जबकि दो लोग घायल हुए थे।

दर्द की दवा लेने गया था युवक, सुबह सड़क किनारे मिला क्षत विक्षत शव

गुस्साए परिजनों ने किया सड़क जाम

पटना (एजेंसियां)।

घटना के संबंध में मृतक के भाई अमन गिरि ने बताया कि बुधवार की रात 10:00 बजे के करीब उनका भाई गांव से 4 किलोमीटर दूर महानंदपुर गांव अर्जुन यादव के यहां पेट दर्द की शिकायत पर दवा देने के लिए गया था। रात्रि करीब 11:00 बजे पिता ने फोन कर बताया कि सुमन कुमार गिरी घर नहीं लौटा है। उसका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। वह बिहार शरीफ में रहकर पढ़ाई करता है।

इसके बाद वह रात के करीब 12:00 बजे अस्थावां थाना पहुंचा, जहां उसने अपने भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई, लेकिन उसकी शिकायत लेने से

पुलिस के द्वारा इनकार कर दिया गया और न ही पुलिस उसके भाई की खोजबीन के लिए थाने से निकली। रातभर खोजबीन करने के उपरांत जब राजेश गिरी का कहीं अता पता नहीं चला तो एक बार फिर से वह ग्रामीणों के साथ अलसुबह करीब 3:00 बजे अस्थावां थाना भाई की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराने पहुंचा तो थाने में मौजूद पुलिस पदाधिकारी के द्वारा गाली गलौज करते हुए भगा दिया गया। अमन गिरी ने आशंका व्यक्त करते हुए बताया कि उसके भाई की फिरौती हेतु रास्ते में अपहरण कर लिया गया।

सुमन कुमार गिरी के पिता राजेश कुमार गिरी गांव में 10 सालों से क्लीनिक चला रहे हैं। वह पेशे से आरएमपी डॉक्टर हैं। उनके डॉक्टरी के पेशे में सुमन गिरी भी सहयोग करता था। सुमन तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

सुमन गिरी की खोजबीन के क्रम में गांव से ही 300 मीटर दूर उसका शव सड़क किनारे गे्‌ में और मोटरसाइकिल शव से करीब 12 फीट की दूरी पर बरामद की गई। जैसे ही शव पर ग्रामीणों की नजर पड़ी तो मामले का खुलासा हुआ। शव को देख परिजन उग्र हो गए और शव को सड़क पर रख वरीय पदाधिकारी को घटनास्थल पर बुलाने की मांग करते हुए जाम कर दिया।

शव मिलने एवं सड़क जाम की सूचना पर अस्थावां थाना, सारे थाना, मानपुर थाना एवं बिन्द थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर आक्रोशितों को समझाने बुझाने के प्रयास में जुट गई है। फिलहाल स्थिति तनाव पूर्ण बनी हुई है। वहीं इस मामले में अस्थावां थाना अध्यक्ष शशि कुमार ने बताया कि युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है।

कांवरियों से भरी कार और ट्रक में टक्कर, एक की मौत

सात कांवरियों की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

बांका में ट्रक और कांवरिया सवार कार के बीच टक्कर हो गई, जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि कार में सवार सात कांवरिया गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना बाराहाट थाना क्षेत्र के ढाकामोड़ स्थित रेलवे ओवरब्रीज के समीप की है। घटना के संबंध में कांवरियों का कहना है कि सभी कांवरिया मधेपुरा और आसपास के क्षेत्र के हैं जो बासुकीनाथ से पूजा कर अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच ढाका मोड़ रेलवे ओवर ब्रिज के पास ट्रक से सीधी टक्कर हो गयी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद काफी देर तक भागलपुर-हंसडीहा मुख्यमार्ग पर कुछ समय के लिये जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी जो पुलिस के आने के बाद काफी मुश्किल से स्थिति सामान्य हो पायी। आननफानन में सभी कांवरियों को इलाज के लिये बाराहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद सभी घायलों को भागलपुर रेफ्फ़र कर दिया गया है, जिसमें तीन की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। जख्मी कांवरिया में कृष्ण कुमार, सुबोध कुमार, छोटू कुमार और संतोष कुमार सहित सात लोग शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com